दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज

भोपाल ■ शुक्रवार 04 अप्रैल 2025 ■ वर्ष -09 ■ अंक-39 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य- ₹04

सुविचार

जीवन में सबसे बड़ा जोखिम है, कभी भी अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश न करना।

सीएम बोले- उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण पर केंद्रित वर्कशाप और मेले जिला स्तर पर लगाएं

मध्यप्रदेश में पीपीपी मोड पर विकसित की जाएंगी नर्सरियां

इन्वेस्टर्स समिट के समान उद्यानिकी व खाद्य प्र-संस्करण पर भी आयोजन हों विश्वविद्यालयों व शासकीय विभागों की खाली जमीनों पर उद्यान विकसित किए जाएं

रोजगारपरक गतिविधियों के लिए खाद्य प्र-संस्करण पर विशेषज्ञता आधारित सेल गठित किया जाए

- चंबल, मालवा और महाकौशल में जरूरत के अनुसार उद्यानिकी विकास की बनाएं कार्य योजना
- विधायक और पंचायत प्रतिनिधि अपने
- अपने क्षेत्र में विकसित करें आदर्श बागवानी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में उद्यानिकी फसलों की जिलेवार मैपिंग की जाए। विवि सहित अन्य शासकीय विभागों की खाली जमीनों पर उद्यान विकसित करने तथा प्रदेश में पीपीपी मोड पर नर्सरीयां विकसित करने के लिए कार्य योजना बनायी जाए। सभी जिलों में उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण पर केंद्रित वर्कशॉप और मेले आयोजित कर जिलों के किसानों और उद्यमियों को अन्य जिलों में संचालित बेस्ट प्रैक्टिसेज से परिचित कराया जाए। जिलों में कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में नवाचार करने और अपने स्तर पर इस क्षेत्र में उपलब्धियां अर्जित करने वाले किसानों का सम्मान किया जाए। इन्वेस्टर्स समिट के समान प्रदेश में उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण पर समिट का आयोजन हो। मुख्यमंत्री ने समत्व भवन में उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण विभाग की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। सीएम ने कहा है कि प्रदेश में कृषि विशेष रूप से उद्यानिकी फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश, भौगोलिक दृष्टि से सम्पन्न है। साथ ही सिंचाई और बिजली की भी पर्याप्त उपलब्धता है। मप्र कि उद्यानिकी के क्षेत्र में राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकले। उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण के माध्यम से रोजगार के अवसर निर्मित करने की दिशा में भी अंन्तर्विभागीय समन्वय के साथ कार्य किया जाए। विभाग में विशेषज्ञों तथा तकनीकी दक्षता पर केंद्रित सेल स्थापित कर खाद्य प्र-संस्करण क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को प्रोत्साहित किया जाए।

उपज का मिले वाजिब दाम

सीएम ने कहा कि किसानों को उनकी मेहनत और उपज का वाजिब मूल्य मिले, उन्हें यह भरोसा दिलाना जरूरी है। किसानों की उपज के लिए उपयुक्त सुविधाजनक स्थलों पर स्टोरेज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही आस-पास की मंडियों में उपज के मूल्य की सही जानकारी किसानों को उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्था विकसित करें।

जन आंदोलन की जरूरत

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बागवानी विकसित करने को जन आंदोलन बनाना जरूरी है। सभी विधायक और पंचायत प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में आदर्श बागवानी या नर्सरी विकसित कर क्षेत्र के किसानों को अपने स्तर पर प्रेरित करें। श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए किसानों को पुरस्कृत करने की व्यवस्था भी हो।

उद्यानिकी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगा

बैठक में जानकारी दी गई कि आगामी माह में नीमच, मंदसौर में औषधीय कृषि के लिए उद्यानिकी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगा। प्रदेश में 22 लाख 72 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में उद्यानिकी फसलें ली जा रही हैं। आगामी 5 वर्ष में 33 लाख 91 हजार हेक्टयर तक ले जाने का लक्ष्य है। प्रदेश मसालों के उत्पादन में देश में प्रथम, उद्यानिकी में द्वितीय, पुष्प और सब्जी उत्पादन में तृतीय तथा फल उत्पादन में देश में चौथे स्थान पर है।

जीआई टैग दिलाने की प्रक्रिया जारी

रीवा के सुंदरजा आम और रतलाम के रियावन लहुसन को जीआई टैग प्राप्त हो चुका है। स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से खरगोन की लाल मिर्च, जबलपुर के मटर, बुरहानपुर के केले, सिवनी के सीताफल, बरमान नरसिंहपुर के बैंगन, बैतूल के गजरिया आम, इंदौर के मालवी आलू, रतलाम की बालम ककड़ी, जबलपुर के सिंघाड़ा, धार की खुरासानी इमली और इंदौर के मालवी गराडू को जीआई टैग दिलाने की प्रक्रिया जारी है। इससे इन उत्पदों के निर्यात में वृद्धि होने से किसानों की आय भी बढ़ेगी।

'उम्मीद' के साथ वक्फ बिल राज्यसभा में पेश

सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक दूसरे को जमकर घेरा

चर्चा को डिरेल करने की कोशिश पर हुआ हंगामा

वक्फ बिल के विरोध में जेडीयू नेता ने पार्टी छोड़ी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वक्फ संशोधन बिल बुधवार को आधी रात लोकसभा में पास होने के बाद गुरुवार को राज्यसभा में पेश किया गया। दोपहर एक बजे से शुरू हुई चर्चा देर रात तक हंगामा होता रहा। वहीं बिहार में जेडीयू के नेता ने पार्टी के वक्फ बिल के समर्थन करने पर पार्टी छोड़ दी। कासिम अंसारी ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया। इधर, अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा संशोधित बिल में मुसलमानों के धार्मिक क्रियाकलापों में किसी तरह का हस्तक्षेप कोई गैर मुस्लिम नहीं करेगा। हमने ट्रांसपैरेंसी, अकाउंटेबिलिटी, एक्यूरेसी पर केंद्रित बदलाव किए हैं। हम किसी की धार्मिक भावना को चोट पहुंचाने के लिए नहीं हैं। गरीब मुसलमानों को न्याय मिले, हमारा यही लक्ष्य है। इससे पहले राज्यसभा में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर बुधवार को दिए बयान पर विपक्ष के सांसदों ने हंगामा किया। ठाकुर ने कहा था कि कर्नाटक में वक्फ की जमीन का भ्रष्टाचार हुआ है। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे भी शामिल हैं।

बिल पर बीजू जनता दल के रुख से विपक्ष को झटका

अंतर्आत्मा की सुनें आवाज

इधर, बीजेडी ने वक्फ बिल पर अपना रुख बदल दिया। अब पार्टी के सांसदों को अंतर्आत्मा की आवाज सुनने को कहा है। पार्टी ने साफ कर दिया है कि वोटिंग के लिए कोई व्हिप जारी नहीं किया जाएगा। इससे विपक्ष को बड़ा झटका लगा है।

ब्रीफ न्यूज

सोना ऑलटाइम हाई पर, 91,205 रुपए तोला

नई दिल्ली। सोने ने गुरुवार को ऑल टाइम हाई बनाया है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 209 रुपए बढ़कर 91,205 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। हालांकि चांदी के दाम में गिरावट रही। एक किलो चांदी की कीमत 2,236 रुपए गिरकर 97,300 रुपए प्रति किलो पर आ गई है।

राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद एम्स दिल्ली में भर्ती

पटना। राजद के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का दिल्ली एम्स में इलाज चल रहा है। उनकी हालत को देखते हुए क्रिटिकल केयर यूनिट में रखा गया है। लालू के हाथ और कंधे पर घाव होने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी की है। जांच में पता चला कि बीपी भी काफी लो है। बीपी अचानक 88/44 पहुंच गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों पर बैन हटाने से किया इंकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में पटाखों के निर्माण, भंडारण,बिक्री पर लगे प्रतिबंध को हटाने से इंकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि यहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइंया की बेंच ने कहा कि सड़कों पर काम करने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रदूषण से प्रभावित होते हैं।

नेमावर में नर्मदा तट पर एक साथ जलीं 18 चिताएं

- बनासकांठा ब्लास्टः श्रमिकों को कंधे भी नहीं हुए नसीब
- देवास-हरदा जिले में मौत के बाद परिवारों में मातम छाया

सत्ता सुधार ■ देवास

गुजरात के बनासकांठा स्थित पटाखा फैक्ट्री में दो दिन पहले हुए हादसे में देवास और हरदा जिले के 18 लोगों की मौत हो गई थी। गुरुवार सुबह इनके शव एंबुलेंस से लाए गए तो संदलपुर और हंडिया में चीख-पुकार मच गई। कई शवों की हालत क्षत विक्षत होने के कारण अंतिम दर्शन तक गांव में नहीं कराए गए। कुछ देर बाद शवों को संदलपुर, खातेगांव और हंडिया से नेमावर के नर्मदा तट किनारे ले जाया गया। यहां परिवार वालों ने उन्हें मुखाग्नि दी। एक ही जगह पर 18 लोगों का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के पहले मृतकों को कंधा भी नसीब नहीं हो पाया।

कुएं में डूबे आठ लोग, सभी की मौत

- खंडवा: कुएं में जहरीली गैस बनने से हुआ हादसा

सत्ता सुधार ■ खंडवा

खंडवा में एक कुएं में जहरीली गैस से दम घुटने के कारण 8 लोगों की मौत हो गई। करीब 3 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन में सभी 8 शव कुएं से बाहर निकाले गए।घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस, प्रशासन की टीम पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। घटना गुरुवार शाम को जिले के छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव की है। बताया जा रहा है कि गणगौर विसर्जन को लेकर अर्जुन नाम का शख्स कुएं की सफाई करने उतरा, जो जहरीली गैस के कारण बेसुध होकर कुएं में जमा दलदल में डूब गया। उसे बचाने के चक्कर में एक के बाद एक 7 और लोग कुएं में उतरे। ये सब भी जहरीली गैस के कारण दम घुटने से डूब गए और इनकी जान चली गई। सभी 8 शवों को पीएम के लिए छैगांवमाखन के अस्पताल ले जाया गया है। शुक्रवार को शवों का अंतिम संस्कार किया जाएगा। प्रशासन ने मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है।

गणगौर विसर्जन के लिए सफाई करने उतरे थे

40 साल बाद कोई भारतीय एस्ट्रोनॉट स्पेस में जाएगा

मई में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाएंगे शुभांशु शुक्ला

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन 4 के तहत मई में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जा सकते हैं। इस मिशन में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। नासा ने इसकी जानकारी दी। नासा और इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। अभी वह इंडियन एयरफोर्स में है। शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल में भारत, पोलैंड और हंगरी के मेंबर शामिल हैं। शुभांशु 1984 के बाद से अंतरिक्ष में जाने वाले भारत के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। स्लावोज उज्नान्स्की पोलैंड के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। टिबोर कापू हंगरी के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। शुभांशु पायलट, स्लावोज और टिबोर मिशन स्पेशलिस्ट होंगे। व्हिटसन कमांडर होंगी।

पहली बार सुप्रीम कोर्ट के जज अपनी संपत्ति करेंगे सार्वजनिक

जानकारी वेबसाइट पर अपलोड होगी, 30 जजों ने डाली डिटेल

दिल्ली हाईकोर्ट के जज के घर कैश मिलने के बाद फैसला लिया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ज्यूडिशियरी में ट्रांसपेरेंसी और जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने पदभार ग्रहण करने के दौरान ही अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने का फैसला किया है। एक अप्रैल को हुई फुल कोर्ट मीटिंग में सभी 34 जजों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना की मौजूदगी में अपनी संपत्ति का खुलासा करने का फैसला लिया है। जजों ने यह भी कहा कि संपत्तियों से जुड़ी डिटेल सुको की ऑफिशियल वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। हालांकि वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक होगी।

कैश कांडः कब-क्या हुआ

14 मार्च यानी होली की रात साढ़े 11 बजे जस्टिस यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी बंगले में आग लगी। वर्मा घर पर नहीं थे तो उनकी बेटी और मां ने फोन कर फायर ब्रिगेड और पुलिस को बुलाया। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम किया और पुलिस भी आई दमकलकर्मी घर के बाहर की ओर स्टोर रूम में गए, तो जलता हुआ नोटों का ढेर मिला। फोटो वीडियो सामने आने के बाद इस पर विवाद बढ़ता गया। 23 मार्च को ही वर्मा से दिल्ली हाईकोर्ट ने कार्यभार वापस ले लिया था।

भारत का विस्तारवाद नहीं, विकासवाद में विश्वास

- प्रधानमंत्री मोदी ने बैंकॉक में रामायण का थाई मंचन देखा
- थाईलैंड में दुनिया की सबसे यंग पीएम से मिले मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार को 2 दिन के थाईलैंड दौरे पर पहुंचे। यहां पर उन्होंने थाईलैंड की पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। सबसे पहले उन्होंने 28 मार्च को भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों पर बातचीत की। मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड मुक्त, खुले, समावेशी और नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था का समर्थन करते हैं। हम 'विस्तारवाद' नहीं, बल्कि 'विकासवाद' की नीति में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि सदियों पुराने संबंध हमारी गहरी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कड़ियों से जुड़े हैं।

बौद्ध धर्म के प्रसार ने हमारे लोगों को जोड़ा है। रामायण की कहानियां थाई लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। इससे पहले थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पहुंचकर पीएम मोदी ने एयरपोर्ट पर भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। इसके बाद थाई रामायण का मंचन देखा। यहां रामायण को रामाकेन कहा जाता है। इसके बाद मोदी ने थाईलैंड की पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा (38) से द्विपक्षीय मुलाकात की। वे दुनिया की सबसे कम उम्र की प्रधानमंत्री हैं।

ऐलान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा-मोदी अच्छे दोस्त पर टैरिफ पर व्यवहार ठीक नहीं

अमेरिका ने भारत पर 26 नहीं, 27 फीसदी लगाया टैरिफ

- 9 अप्रैल से लागू होगाः आधिकारिक आदेश में दर अलग-अलग
- भारतवंशी सांसद बोले- टैरिफ लगाने से अलग-थलग पड़ जाएगा अमेरिका
- चीन ने कहा- अमेरिका का धमकाने वाला कदम, टैरिफ को रद्द करना चाहिए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अन्य देशों से लगभग आधे टैरिफ लेगा जो वे अमेरिका से वसूलते हैं। ट्रंप ने इस दिन को लिबरेशन डे नाम दिया। उन्होंने बताया कि अमेरिका चीन से 34 फीसदी, यूरोपीय संघ से 20 और जापान से 24 फीसदी टैरिफ वसूलेगा। वहीं अमेरिका ने भारत पर 26 नहीं, बल्कि 27 फीसदी का टैरिफ लगाया है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी आधिकारिक आदेश इसकी पुष्टि करता है। इससे पहले टैरिफ के एलान के वक्त ट्रंप जिस तख्ती के साथ मीडिया के सामने आए थे। उस पर भारत के लिए 26 फीसदी टैरिफ का जिक्र था। लेकिन ट्रंप प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक आदेश में भारत के लिए 27 फीसदी टैरिफ की बात कही गई है। भारत पर बोलते हुए ट्रम्प ने नई दिल्ली की ओर से जाने वाले टैरिफ को बहुत-बहुत कठोर बताया। उन्होंने कहा कि उनके पीएम मोदी अभी-अभी अमेरिका से गए हैं। वे मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं, लेकिन मैंने उनसे कहा कि आप मेरे दोस्त हैं, लेकिन आप हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं। भारत हमसे 52 प्रतिशत शुल्क लेता है, इसलिए हम उनसे इसका आधा शुल्क लेंगे- 26 प्रतिशत। यह फैसला लेना बहुत कठिन रहा।

सेंसेक्स 322 अंक टूटा

इधर, शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 322 अंक की गिरावट के साथ 76,295 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 82 अंक की गिरावट रही, ये 23,250 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयर में से 18 में गिरावट और 12 में तेजी देखने को मिली है।

इन देशों के टैरिफ दर में दिखा परिवर्तन

देश	घोषित टैरिफ	आदेश में टैरिफ
भारत	26	27
बोस्निया	35	36
बोत्सवाना	37	38
कैमरून	11	12
फॉकलैंड	41	42
म्यांमार	44	45
थाईलैंड	36	37
सर्बिया	37	38
द. अफ्रीका	30	31
द. कोरिया	25	26
स्विट्जरलैंड	31	32

नोट-उक्त आंकड़े फीसदी में हैं।

रीवा में आठ दरिंदों को अंतिम सांस तक कारावास

- हर दुष्कर्मी पर 2 लाख 30 हजार रुपए का जुर्माना
- बहुचर्चित गैंगरेप में जिला न्यायालय का फैसला

सत्ता सुधार ■ रीवा

रीवा जिला न्यायालय ने एक बहुचर्चित गैंगरेप के केस में 8 आरोपियों को ऐतिहासिक फैसला सुनाया। छह माह पहले नवदंपती को बंधक बनकर आरोपियों ने गैंगरेप किया था। इस अपराध को अदालत ने जघन्य माना। सभी आरोपियों को अंतिम सांस तक कारावास से दंडित किया है। लोक अभियोजक अधिवक्ता विकास द्विवेदी ने बताया कि केस को फास्ट ट्रैक में चलाया गया था। छह महीने के अंदर जिला न्यायालय में चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश पदमा जाटव की अदालत ने तथ्य प्रमाणित पाए जाने के बाद गैंगरेप के सभी 8 आरोपी रामकिशन, गरुड़ कोरी, राकेश गुप्ता, सुशील कोरी, रजनीश कोरी, दीपक कोरी, राजेंद्र कोरी और लवकुश कोरी कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक आरोपियों को 2 लाख 30 हजार के अर्थदंड से भी दंडित किया है। इन्हें आखिरी सांस तक जेल की सलाखों के पीछे रहना होगा।

sattasudharbpl@gmail.com | satta_sudhar | facebook.com/satta.sudhar.7 | www.sattasudhar.in

पांच राज्यों से एक साथ प्रकाशित

मुस्लिमों के हर तबके, महिलाओं और गरीबों को प्रतिनिधित्व देगा वक्फ संशोधन बिल, मुस्लिमों का भला नहीं चाहती कांग्रेस, वोट बैंक के लिए कर रही गुमराह

कामकाज में पारदर्शिता लाएगा वक्फ संशोधन बिल, बढ़ेगी बोर्ड की आय : पटेल

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत वक्फ संशोधन बिल का सभी को स्वागत करना चाहिए। इस बिल का विरोध न भारत के मुसलमान कर रहे हैं ना बाकी लोग कर रहे हैं। हर कोई इसका स्वागत कर रहा है। इसका विरोध सिर्फ कांग्रेस और सपा जैसे राजनीतिक दल कर रहे हैं, जो मुस्लिमों के हितैषी नहीं हैं, बल्कि उनका इस्तेमाल वोट बैंक की तरह करना चाहते हैं।

यह बिल वक्फ कानून की विसंगतियां दूर करने के साथ मुस्लिम समाज के गरीबों-महिलाओं और जरूरतमंदों के लिए अंत्योदय का कार्य करेगा। डॉ. पटेल ने कहा कि यह बिल वक्फ बोर्ड की संपत्तियों के असली हकदारों को उनका हक दिलाने के लिए लाया गया है। वक्फ बोर्ड के कामकाज में वक्फ संशोधन बिल पारदर्शिता लाएगा और वक्फ बोर्ड की आय भी बढ़ेगी। यह संशोधन विधेयक देश के भाईचारे और मुस्लिम समाज के हित व मुस्लिम समाज के जरूरतमंद लोगों के हक में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी 1995 में वक्फ एक्ट लाई थी और

2013 में चुनाव से ऐन वक्त पहले कांग्रेस सरकार ने उसमें संशोधन किया। मुस्लिमों को वोट बैंक मानने वाली कांग्रेस पार्टी को न मुस्लिम समाज की भलाई की चिंता थी और न वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता की फिक्र थी। मुस्लिम समाज के हितों के लिए मोदी सरकार वक्फ संशोधन बिल लाई है। डॉ. पटेल ने कहा कि मुस्लिमों में भी बोहरा, खानी, पसमांदा जैसे कई समाज हैं, लेकिन इन्हें वक्फ बोर्ड में कोई प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं था। यह मुस्लिम समाज के ही अंग हैं। इन समाजों ने कई बार बोर्ड में प्रतिनिधित्व दिए जाने की मांग की थी। डॉ. पटेल ने कहा कि प्रस्तावित संशोधनों के बाद वक्फ बोर्ड को लगभग 12000 करोड़ की आय होने का अनुमान है और ये पैसे मुस्लिम समाज के ही काम आएगा।

सच्चर कमेटी की सिफारिशों का विरोध

पटेल ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने मुस्लिमों के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए वर्ष 2005 में सच्चर कमेटी का गठन किया था, जिसने वर्ष 2006 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, लेकिन कांग्रेस की सरकार इस रिपोर्ट को वर्ष 2014 यानी करीब 8 साल तक दबाकर बैठी रही, क्योंकि उसका उद्देश्य कभी भी मुस्लिमों का कल्याण नहीं रहा। प्रस्तावित वक्फ संशोधन बिल के अनुसार वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल में सच्चर कमेटी की सिफारिशों के अनुसार ही काम होगा।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में वर्तमान में 15008 वक्फ संपत्तियां हैं। वर्ष 2020 में पट्टा नियम लागू किया गया। अगर पट्टा नियम के हिसाब से देखा जाए तो मध्यप्रदेश में वक्फ संपत्तियों से प्रति वर्ष को 100 करोड़ की आय होनी चाहिए, लेकिन कानून की विसंगतियों और कांग्रेस नेताओं के अवैध कब्जे के कारण वक्फ संपत्तियों से प्रतिवर्ष दो करोड़ की ही आय हो रही है। कानून में संशोधन के बाद वक्फ बोर्ड की आय बढ़ेगी, जिसका उपयोग गरीब मुस्लिमों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में खर्च होगा। डॉ. सरवर पटेल ने कहा कि विपक्ष की जिम्मेदारी होती है कि वह सकारात्मक सुझाव भी दे, हर बात का विरोध न करे। लेकिन कांग्रेस हमेशा विचार-विमर्श से भागती रही है और विरोध की राजनीति करती है। कांग्रेस पार्टी बताए कि बीते पांच सालों में कितने मुस्लिमों की नागरिकता छीनी गई है? अगर ये सच नहीं था, तो क्यों देश में डर और भ्रम का माहौल बनाया गया, क्यों शाहीन बाग हुआ और क्यों सड़कों पर चक्काजाम करके तथा रेलें रोककर आम जनता को परेशान किया गया?

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री ने शिवाजी की पुण्य-तिथि पर की श्रद्धांजलि अर्पित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने मातृभूमि के सम्मान के साथ कभी समझौता नहीं किया। सच्चे अर्थों में शिवाजी महाराज ने भारत में धर्म, राष्ट्रीयता, न्याय और जनकल्याण के स्तम्भों के आधार पर सुशासन की स्थापना की थी। उनका अप्रतिम साहस, अद्वितीय वीरता और आदर्श जीवन भावी पीढ़ियों को सदैव मातृभूमि की सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने हिन्दवी साम्राज्य के संस्थापक, राष्ट्र गौरव, वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्य-तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री ने अरविंद जोशी के निधन जताया शोक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माधवाश्रम न्यास गौशाला के संस्थापक व पूर्ण अध्यक्ष अरविंद जोशी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। अरविंद जोशी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह एवं वर्तमान में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश भैयाजी जोशी के बड़े भाई थे। मुख्यमंत्री ने परिजन के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए, बाबा महाकाल से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को दुःख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

मप्र बोर्ड ने प्रैक्टिकल के अंक अपलोड करने की तिथि बढ़ाई

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 2025 के लिए कक्षा 10 और 12 के प्रैक्टिकल और आंतरिक मूल्यांकन अंकों को जमा करने की तिथि को बढ़ाकर 6 अप्रैल, 2025 कर दिया है। पहले यह तिथि 30 मार्च 2025 थी, लेकिन बोर्ड ने छात्रों और स्कूलों को और अधिक समय देने के लिए इसे बढ़ा दिया है। इसके बाद कोई भी विस्तार नहीं दिया जाएगा जो छात्र नियमित रूप से स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं, उन्हें अपने प्रैक्टिकल अंकों को अपने संबंधित स्कूलों के माध्यम से बोर्ड को भेजना होगा। प्राइवेट छात्रों को अपने परीक्षा केंद्रों पर जाकर 6 अप्रैल से पहले अंक जमा करने होंगे। सभी स्कूलों को ऑनलाइन अंकों को अपलोड करना होगा।

10 लाख 25 हजार मीट्रिक टन से अधिक हुई गेहूं खरीदी

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रदेश में अभी तक एक लाख 25 हजार 631 किसानों से 10 लाख 25 हजार 735 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूं का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक 1794 करोड़ 82 लाख रुपए का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए है और राज्य सरकार द्वारा 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूं की खरीदी 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशल वित्तीय प्रबंधन के संबंध में कहा-

डबल इंजन की सरकार सुशासन के मूल भाव को कर रही साकार

सरकार ने कर्मचारियों के हित में 10-15 साल पुराने भत्तों की राशि बढ़ाने का लिया निर्णय

सरकार व अधिकारी-कर्मचारी एकजुट से प्रगति पर हो रहे अग्रसर

पुरानी देनदारी चुकाकर विकास के पैमानों पर आगे बढ़ रहा है राज्य

ताप विद्युत गृहों के लिए 11.73 लाख मैट्रिक टन कोयले का भंडारण

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में डबल इंजन की सरकार जनहितैषी संकल्पों के साथ अग्रसर है। उद्योग-व्यापार से लेकर खेलों तक राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन और नीति आयोग के निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक विभाग में सुशासन के मूल भाव के साथ गतिविधियों की मॉनिटरिंग जारी है। राज्य सरकार के हर विभाग ने अपने-अपने क्षेत्र में श्रेष्ठतम कार्य करने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर अपनी पुरानी देनदारी चुका कर, नई दृष्टि से विकास के पैमानों पर आगे बढ़ रही है। विकास के साथ औद्योगिक गतिविधियों और जन हितैषी कार्यों का विस्तार इन्हीं दृढ़संकल्पों की परिणिती है। राज्य सरकार, प्रदेशवासी और अधिकारी-कर्मचारी एकजुट होकर एक भावना के साथ प्रगति पर अग्रसर हों, इसी मंशा के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस वर्ष बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगाया, बावजूद इसके गत वर्ष की तुलना में बजट में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई। कुशल वित्तीय प्रबंधन और सभी के सहयोग से सरकार हर क्षेत्र में अपने तय लक्ष्यों को प्राप्त कर रही है। मुख्यमंत्री ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

सीएम डॉ. यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने शासकीय कर्मचारियों के हित में लगभग 10-15 साल तक पुराने भत्तों की राशि बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके लिए वर्ष 2025-26 के बजट में राशि आवंटित की गई है, जिससे सरकार पर करीब 1500 करोड़ रुपए का व्यय भार आएगा। उन्होंने कहा कि सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर ही अपने अधिकारी-कर्मचारियों की बेहतरी का ध्यान रख पा रही है। उन्होंने कहा कि विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में प्रदेश को प्राप्त हो रही उपलब्धियों का श्रेय अधिकारी-कर्मचारियों को जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि पूरे देश में मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने अपनी 7-8 साल पुरानी सारी देनदारी चुकाने का कार्य किया। हमारी सरकार ने एमएसएमई और हैवी इंडस्ट्रीज सहित सभी प्रकार की इकाइयों को गत एक साल में करीब 5 हजार 225 करोड़ रुपए की राशि देने का काम किया है। हमारी सरकार नवीन पहलों के माध्यम से उद्योगों के लिए निरंतर सकारात्मक वातावरण बना रही है। राज्य सरकार विकास के लिए प्रदेश से जुड़ने वाले उद्योगों से किये गये अपने सभी संकल्पों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम ने कहा कि कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर सभी केंद्रीय कोयला कंपनियों की देनदारियों का शत-प्रतिशत भुगतान कर दिया है। जेनरेशन कंपनी के चारों ताप विद्युत गृहों के कुशल प्रबंधन के फलस्वरूप अब तक का सर्वाधिक 11.73 लाख मैट्रिक टन कोयले का भंडारण किया गया है। ताप विद्युत गृहों में उपयोग के लिए कोयला भंडारण का अग्रिम भुगतान भी सरकार की ओर से किया जा चुका है।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सभी विभागों की समीक्षा बैठक की

मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले काम तेजी से पूरे हों

टाइमलाइन पर करें महिला, किसान और गरीब के काम

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सभी विभागों की समीक्षा बैठक की। मीटिंग में सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और विभागाध्यक्ष के साथ चर्चा की। जैन ने कहा है कि काम-काज समय सीमा में पूरे हों, टाइमलाइन का ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले काम तेजी से पूरे हों।

मुख्य सचिव ने मंत्रालय में विभिन्न विभागों के एसीएस, पीएस की बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने 2024-25 में विभागीय योजनाओं की लक्ष्य पूर्ति की समीक्षा एवं वित्तीय 2025-26 के लक्ष्य निर्धारण को लेकर सभी विभागों की समीक्षा की। सीएस ने विजन 2047 के अंतर्गत विभागीय कार्य योजनाओं की समीक्षा की। महिला, किसान, गरीब और युवाओं के लिए शुरू हुए मिशन पर फोकस करने को मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि ये मिशन शासन के महत्वाकांक्षी हैं। मुख्य सचिव ने संकल्प पत्र में सभी

विभागों से जुड़े समस्त संबंधित बिंदुओं पर चर्चा कर, उनके पालन की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए, केन्द्र सरकार को भेजे जाने वाले उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं मांग स्थिति की भी जानकारी ली।

बैठक के दौरान जनशिकायत निवारण, अंतर्विभागीय एवं विधानसभा से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। लंबित सीएस मॉनिट, भारत सरकार से प्राप्त अर्द्धशासकीय पत्रों की समीक्षा, पेपर कटिंग, सीएम हेल्पलाईन, ई-ऑफिस, सीपी ग्राम, विधानसभा प्रश्न, कैग रिपोर्ट से संबंधित विभागीय बिंदुओं पर चर्चा करने के साथ निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में नवाचारों के लिए दी बधाई

रूक जाना नहीं योजना से अबतक 6.41 लाख से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पालन में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे नवाचारों पर प्रसन्नता व्यक्त कर स्कूल शिक्षा विभाग को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश का हर बच्चा पढ़े-लिखे, आगे बढ़े, इसके लिए पूरी सरकार समर्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने विभाग को यह निष्ठा भाव बनाए रखने और हर बच्चे को शिक्षा मिले, उसे समय पर पुस्तकें, गणवेश, छात्रवृत्ति, साईकिल और अन्य आवश्यक सुविधाएं मिलें, इसके लिए सदैव प्रयत्नशील रहने के निर्देश दिए हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अवगत कराया कि स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन मप्र राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा विद्यार्थियों के हित में कुल 11 प्रकार के नवाचार किए गए हैं। इन

नवाचारों को बहुत अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। हमारा प्रयास है कि इस बोर्ड के माध्यम से हम प्रदेश के हर उस बच्चे तक पहुंचें, जो मुक्त स्कूल के जरिए शिक्षा पाना चाहता है। सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बिन्दु क्रमांक 16.4 में उल्लेख है कि व्यावसायिक शिक्षा को इस तरह से एकीकृत किया जाये, जिससे प्रत्येक बच्चा कम से कम एक व्यवसाय से जुड़े कौशलों को सीखे। इसी व्यवस्था के परिपालन में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश योजना प्रारंभ की गयी है। पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित आत्मनिर्भर भारत योजना के अनुक्रम में कौशल वृद्धि के लिए मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के माध्यम से एक महत्वाकांक्षी पायलट प्रोजेक्ट प्रारंभ किया गया है। इसमें हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, माटी कला, सोलर एनर्जी, परिधान निर्माण, बांस कला इत्यादि क्षेत्रों में रोजगार मूलक प्रशिक्षण प्रारंभ किए जा रहे है। प्रशिक्षित होने वाले लोग एक ओर रोजगार से जुड़ेंगे, वहीं दूसरी ओर कक्षा 6 से प्रारंभ होने वाले व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए एक रिसोर्सपर्सन के रूप में भी उपलब्ध होंगे। इस योजना में प्रदेश के 100 आकांक्षी युवाओं को आवासीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद उन्हें रोजगार से भी जोड़ा जाएगा। इस योजना को ह्यूमन कैपिटल बैंक के रूप में प्रारंभ किया जा रहा है। इसका आशय है कि जनभागीदारी से धन दान के रूप में मांग कर बैंक स्थापित किया जा रहा है।

वन विहार में सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक कल

प्रकृति प्रेमियों और वाईल्ड लाइफ फोटोग्राफरों के लिए रोमांचक अवसर

सत्ता सुधार ■ भोपाल

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिए छोटे जीवों की रहस्यमयी और विविधतापूर्ण दुनिया को देखने के लिए शनिवार 5 अप्रैल को सुबह 7 से 9 बजे तक सिल्कन सीक्रेट्स नामक एक विशेष वॉक का आयोजन किया जा रहा है।

सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक का नेतृत्व प्रसिद्ध मैक्रो फोटोग्राफर आशिर कुमार करेंगे, जिन्हें 1 फ्रेममेन के नाम से जाना जाता है। वन्य-जीवों, पक्षियों, जानवरों, कीड़ों और विशेष रूप से मकड़ियों को बारीकी से कैद करने में 5 सालों से ज्यादा की महारत हासिल होन के साथ आशिर के काम को कई प्लेटफार्म द्वारा प्रदर्शित किया गया है। उनकी पुरस्कृत तस्वीरों को सम्पूर्ण भारत की प्रतिष्ठित दीर्घाओं में प्रदर्शित किया गया है।

सिल्कन सीक्रेट्स प्रतिभागियों को अक्सर कीटों और मकड़ियों

की अनदेखी दुनिया में ले जाएगा, जहां उनके छिपे हुए जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी आवश्यक भूमिकाओं को दिखाया जाएगा। आशिर के मार्गदर्शन में वाईल्ड लाईफ फोटोग्राफरों को अपने मैक्रो फोटोग्राफी कौशल को निखारने और प्रकृति के छोटे-छोटे अजूबों को करीब से देखने का मौका मिलेगा। भोज वेटलैंड, जो 445.21 हेक्टेयर में फैला है, इसके पास स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान इस अन्वेषण के लिये एकदम सही अवसर प्रदान करता है। समृद्ध जैव विविधता, शांत परिवेश के साथ वन विहार एक की सैर के लिये एक आदर्श स्थान है।

संचालक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान ने बताया कि सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक में भाग लेने वाले प्रतिभागी को आरामदायक जूते, पानी की बॉटल, सिर पर टोपी, मच्छर भगाने वाली क्रीम, फोटोग्राफी के लिये कैमरा या मोबाइल फोन अवश्य साथ लाएं। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफी के शौकीन प्रकृति प्रेमी और प्राकृतिक दुनिया की जटिल सुंदरता के बारे में जानने के लिये उत्सुक हों, तो इस प्रतियोगिता में जरूर भाग लें।

लक्ष्य — कंपनी ने निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा किया जल विद्युत उत्पादन

10 जल विद्युत गृहों ने उत्पादित की 2757 मिलियन यूनिट बिजली

सत्ता सुधार ■ भोपाल

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश नियामक आयोग द्वारा निर्धारित वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को पार करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2694 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। जल विद्युत गृहों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 2757 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। जल विद्युत गृहों द्वारा वर्ष 2020-21 के बाद यह उपलब्धि? हासिल की। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की जल विद्युत उत्पादन क्षमता 915 मेगावाट है

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के इस उपलब्धि में 90 मेगावाट स्थापित क्षमता के रानी अवंतीबाई सागर जल विद्युत गृह बरगी, 160 मेगवाट स्थापित क्षमता के पेंच जल विद्युत गृह तोतलाडोह, 315 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-एक टोंस जल विद्युत

गृह सिरमौर, 20 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-4 जल विद्युत गृह झिन्ना, 45 मेगावाट स्थापित क्षमता के राजघाट जल विद्युत गृह और 60 मेगावाट स्थापित क्षमता के मरहीखेड़ा जल विद्युत गृह ने प्रमुख योगदान दिया। इन सभी विद्युत गृहों ने अपने वार्षिक उत्पादन लक्ष्य से अधिक विद्युत उत्पादन किया। बाणसागर--2 जल विद्युत गृह सिलपारा व बाणसागर-3 जल विद्युत गृह देवलोंद ने भी नियामक आयोग के निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया।

कृषकों ने लिया 5 रुपए में कृषि पंप का कनेक्शन

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि ग्रामीण कृषि उपभोक्ताओं को विद्युत वितरण कंपनी मात्र 5 रुपये में स्थायी कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध करा रही हैं। योजना के शुरू हुई होने से अब तक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में लाभ 10 हजार 963 उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ मिल चुका है। ऐसे कृषक जो विद्युत की उपलब्ध लाइन के समीप स्थित हैं, उनको सुविधानुसार आसानी से स्थाई कृषि पंप कनेक्शन दिया जा रहा है।

बरगी जल विद्युत गृह का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन: मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के रानी अवंती बाई सागर जल विद्युत गृह बरगी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए वर्ष 2013-14 के बाद पहली बार नियामक आयोग द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्य 508 मिलियन यूनिट की तुलना में 509 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। यह पिछले वर्ष की तुलना में 58 मिलियन यूनिट अधिक है। 37 वर्ष पुराने बरगी जल विद्युत गृह का प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर 92.5 प्रतिशत रहा।

भारत सिंधी साहित्य सभा का वार्षिक अवार्ड प्रोग्राम कल

भोपाल। अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा का वार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम 5 अप्रैल को आर्य ऑडिटोरियम ईस्ट ऑफ़ कैलाश नई दिल्ली में होगा। इस वर्ष जिन 10 विभूतियां को सम्मानित किया जाएगा उनमें वरिष्ठ पत्रकार, नंद छुगानी, लेखक अरुण बाबा, गायक नील तलरेजा, मप्र, लोक गायक घनश्याम भगत, रमेश लाल, चित्रकार आभा आसुदानी, नृत्यांगना काव्या नावानी, विजय इसरानी, लेखिका वीना श्रृंगी, दिल्ली और संस्था अवार्ड में दिल्ली की नाट्य संस्था सिंधु कला संगम शामिल हैं। इन्हें पत्रकारिता, साहित्य, संगीत, भाषा , चित्रकला, नृत्य कला, नाटक और सिंधियत के लिए सम्मानित किया जा रहा है।

महापौर मालती राय ने भोपाल नगर निगम का पेश किया बजट

- हेरिटेज प्रवेश द्वार निर्माण कार्य के लिए 30 करोड़ का प्रावधान
- बजट से पहले निगम मुख्यालय की लागत बढ़ाने पर हंगामा
- एमआईसी मेंबर को एक करोड़ रुपए की निधि देने का विरोध
- वन नेशन-वन इलेक्शन प्रस्ताव का कांग्रेस ने किया विरोध
- सरकारी आवास का नाम अटल बिहारी परिसर रखने का प्रस्ताव पास

प्रॉपर्टी में 10 और पानी पर 15 फीसदी बढ़ा टैक्स

सत्ता सुधार ■ भोपाल

गुरुवार को महापौर मालती राय ने भोपाल नगर निगम का बजट पेश किया। बीते बजट से इस बार 300 करोड़ रुपए से ज्यादा का बजट पेश किया गया। नगर सीमा में प्रविष्ट होने वाले मुख्य मार्गों पर हेरिटेज प्रवेश द्वार निर्माण कार्य के लिए 3000 लाख यानी 30 करोड़ का प्रावधान किया गया है। भोपाल नगर निगम का गुरुवार को बजट पेश किया गया। 3611 करोड़ का बजट पेश किया गया है। भोपाल में प्रॉपर्टी टैक्स में 10 प्रतिशत, पानी और ठोस-अपशिष्ट पर 15 प्रतिशत टैक्स की बढ़ोतरी की गई है। इससे भोपाल के पौने 3 लाख नल कनेक्शन और 5.62 लाख प्रॉपर्टी टैक्स उपभोक्ता प्रभावित होंगे।

बजट में भोपाल शहर में गीता भवन निर्माण कार्य के लिए राशि 20 करोड़ का प्रावधान किया गया है। निगम कर्मचारियों की छात्र/छात्राओं को कक्षा 10वीं व 12वीं में मैरिट प्राप्त किए जाने के फलस्वरूप प्रोत्साहन राशि 10000 प्रति छात्र-छात्रा का प्रावधान किया गया है। शहर में पार्कों के विकास कार्य हेतु राशि 1200 लाख का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन के लिए राशि 400 करोड़ का प्रावधान किया गया है। शहर के विकास एवं विशेषतः वार्डों के विकास कार्य के लिए प्रति वार्ड 50 लाख वार्ड नियोजन निधि के रूप में कुल राशि 4250 लाख का प्रावधान किया गया है।

प्रति जोन 10 लाख का प्रावधान

जोन कार्यालय स्तर पर जोन अध्यक्ष निधि अंतर्गत (प्रति जोन 10.00 लाख) राशि 210.00 लाख का प्रावधान किया गया है। छोला दशहरा मैदान के विकास कार्य के लिए राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। भोपाल शहर के मुख्य मार्गों के सौंदर्गीकरण कार्य के लिए राशि 1500 लाख का प्रावधान किया गया है। शालाओं में निर्माण/विकास कार्य के लिए शिक्षा उपकर राशि 3065.94 लाख का प्रावधान किया गया है। प्रकाश व्यवस्था (सड़क एवं चौराहे) के लिए 1500.00 लाख का प्रावधान किया गया है।

1100 लाख में बनेंगे नाला-नाली

भोपाल शहर अंतर्गत नाला नाली निर्माण के लिए राशि 1100 लाख का प्रावधान किया गया है। अमृत 2.0 योजना अंतर्गत राशि 7546 लाख का प्रावधान किया गया है। व्यवसायिक परिसरों के निर्माण कार्य हेतु राशि 6000 लाख का प्रावधान किया गया है। एनडीआएफ अंतर्गत नाला नाली निर्माण के लिए राशि 20000 लाख का प्रावधान किया गया है। शहर के विभिन्न विश्रामघाटों के लिए राशि 500 लाख तथा कब्रिस्तानों के विकास कार्य के लिए राशि 200 लाख का प्रावधान किया गया है।

सफाई मित्रों को मिलेगी वर्दी

भोपाल शहर की विभिन्न सड़कों के अनुरक्षण के लिए राशि 3000 लाख का प्रावधान किया गया है। जीआईएस अंतर्गत किए गए सौन्दर्गीकरण कार्यों के अनुरक्षण एवं संधारण के लिए राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। वार्डों के समग्र विकास के लिए विशेष निधि अंतर्गत राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। नगर विकास के लिए विशेष निगम निधि अंतर्गत 500 लाख का प्रावधान किया गया है। महापौर परिषद सदस्य निधि अंतर्गत राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्य के लिए 1500 का प्रावधान किया गया है। निगम के सफाई मित्रों को वर्दीयां तथा रैन कोट प्रदान किए जाने के लिए राशि 200 लाख का प्रावधान किया गया है।

निर्माण राशि में बढ़ोत्तरी पर हंगामा

बजट पेश करने से पहले बैठक में भोपाल नगर निगम मुख्यालय के निर्माण की राशि में करीब 7 करोड़ की बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा गया, जिसके बाद बैठक में हंगामा हो गया। जीएसटी की अतिरिक्त राशि को लेकर कांग्रेस पार्षदों ने विरोध किया, जबकि बीजेपी पार्षद पप्पू विलास ने कहा कि काम पहले ही लेट हो चुका है, ऐसे में लागत बढ़ाना गलत है। उन्होंने इस प्रस्ताव को परीक्षण के बाद पास करने की मांग की। एमआईसी मेंबर रविंद्र यति ने निगम मुख्यालय की खासियतें गिनाईं, लेकिन पार्षद हिमांशु कंसाना और गुड्डु चौहान ने अधिक जीएसटी देने पर आपत्ति जताई। इस पर एमआईसी मेंबर अशोक वाणी ने कहा कि टेंडर प्रक्रिया और जीएसटी का भुगतान नियमानुसार ही किया गया है।

वन नेशन-वन इलेक्शन का विरोध

बैठक में महापौर मालती राय ने वन नेशन वन इलेक्शन का समर्थन प्रस्ताव रखा। भाजपा पार्षद सूर्यकांत गुप्ता ने इस पर चर्चा शुरू करनी चाही, लेकिन कांग्रेस पार्षदों ने विरोध जताया। उन्होंने कहा कि यह लोकसभा का मामला है, नगर निगम में इसे क्यों उठाया जा रहा है। इस पर निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने कहा कि प्रस्ताव मेरी अनुमति से रखा गया है, सभी पार्षद अपनी सीटों पर बैठें। लेकिन कांग्रेस पार्षदों ने विरोध जारी रखा और अध्यक्ष की आसंदी के सामने पहुंच गए। अध्यक्ष ने कांग्रेस पार्षदों को वापस भेजा। वहीं भाजपा पार्षद सूर्यकांत गुप्ता ने प्रस्ताव रखना जारी रखा और भाजपा पार्षदों ने इसका समर्थन किया।

महापौर ने की घोषणाएं

- भोपाल में सिटी बस के लिए महापौर स्मार्ट पास शुरू किए जाएंगे।
- प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 400 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- शहर में गीता भवन के निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- अमृत-2 योजना के तहत 7 हजार 546 लाख रुपए और व्यवसायिक परिसरों के निर्माण के लिए 60 करोड़ का प्रावधान।
- तालाबों के संरक्षण और संवर्धन के लिए 3 करोड़ रुपए।
- विसर्जन घाटों के निर्माण के लिए 32 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- पानी की निकासी के लिए नाला-नालियों का निर्माण होगा। इसके लिए 11 करोड़ का प्रावधान।
- एनडीआरएफ के तहत नाला-नालियों का निर्माण 200 करोड़ रुपए खर्च होंगे।
- सड़कों के सुधार के लिए 30 करोड़ रुपए।
- प्रकाश के लिए 11 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
- सौंदर्गीकरण कार्यों को बेहतर बनाने के लिए 10 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- मुख्य मार्गों के सौंदर्गीकरण के लिए 12 करोड़ रुपए रखे गए हैं।
- शालाओं का निर्माण और विकास कार्यों के लिए शिक्षा उपकर मद में 30 करोड़ का प्रावधान है।
- निगम कर्मचारियों के कक्षा 10वीं और 12वीं मैरिट प्राप्त करने वाली बालिकाओं व बालकों को प्रोत्साहित करने के लिए 10 हजार दिए जाएंगे।

अहम प्रावधान

- वार्ड नियोजन निधि के रूप में प्रति वार्ड 50 लाख के मान से बजट में 42 करोड़ का प्रावधान।
- जोन कार्यालय स्तर पर जोन अध्यक्ष निधि प्रति जोन 10 लाख के मान से 2 करोड़ का प्रावधान।
- अध्यक्ष के लिए 5 करोड़ रखे गए हैं। एमआईसी मेंबर के लिए 1 करोड़ का प्रावधान।
- महापौर मालती राय के लिए बजट में 10 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है।

शहर को विकास की कई सौगात : महापौर

महापौर मालती राय ने कहा कि 3611 करोड़ से अधिक का बजट हमने पेश किया है। शहर को विकास की सौगातें देने के लिए हमने कई प्रावधान किए हैं। इनमें शहर के सात प्रवेश द्वार, विसर्जन घाट सहित कई प्रस्तावों के लिए बजट रखा है। जल्द ही परिषद हॉल भी बनाया जाएगा। आरोप लगाने वाले सिर्फ आरोप लगाते रहते हैं। पिछले साल भी राशि दी थी। इस साल भी सड़क और प्रॉपर्टी टैक्स के लिए राशि का प्रावधान किया है। नेता प्रतिपक्ष को इसे समझना चाहिए।

टैक्स नियमों के अनुसार ही बढ़ाया : निगम अध्यक्ष

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा कि पहली बात तो ये कि कांग्रेस के मित्रों की हमेशा से सिर्फ हंगामा करने की आदत रही है। वो सार्थक चर्चा करना ही नहीं चाहते हैं। मैं महापौर जी को 3611 करोड़ से अधिक का बजट प्रस्तुत करने के लिए बधाई देता हूं। जहां तक टैक्स बढ़ाने की बात है तो यह पूरी तरह से नगरीय निकायों की नियमावली और लगातार बढ़ी रही गाइड लाइन व अन्य बातों को ध्यान में रखकर लिया गया निर्णय है।

नेता प्रतिपक्ष बोलीं- हम जाएंगे कोर्ट

प्रॉपर्टी टैक्स और जल कर में बढ़ोतरी पर विपक्ष का हंगामा। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि धारा 132 की उप धारा में प्रावधान है कि 31 मार्च के बाद कोई कर नहीं बढ़ा सकते। फिर नगर निगम ऐसा क्यों कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये भाजपा की हिटलरशाही है। हम इसके खिलाफ कोर्ट जाएंगे।

अटल जी के नाम पर सरकारी आवास

भोपाल में टीटी नगर स्थित सरकारी आवास का निर्माण हुआ था। सीएम मोहन यादव ने परिसर का नाम पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई परिसर करने की घोषणा की थी। मीटिंग में यह प्रस्ताव भी ध्वनिमत से पास कर दिया गया। एमआईसी मेंबर रविन्द्र यति ने यह प्रस्ताव रखा। इस पर विपक्ष ने भी किसी प्रकार का विरोध नहीं दर्ज कराया।

निधि पर किया हंगामा

एमआईसी मेंबर को एक करोड़ की निधि देने के मुद्दे पर नगर निगम की बैठक में हंगामा शुरू हो गया। कांग्रेसी पार्षदों ने निधि देने का विरोध किया तो एमआईसी मेंबर और भाजपा पार्षद संपत्ति कर के आधार पर ही वार्डों में राशि देने की मांग करने लगे।

अनुदान देने का भी विरोध

बजट पर चर्चा के दौरान शहर की 300 से अधिक सामाजिक संस्थाओं को अनुदान के रूप में लाखों रुपए दिए जाने का विरोध भी हुआ है। कांग्रेस के पार्षद मोहम्मद सरवर ने कहा कि कई संस्थाएं सक्रिय नहीं है। नगर निगम अपना पैसा सस्ता को क्यों दे रहा है।

पांच करोड़ से संवरेंगी भोपाल की जर्जर 14 बावड़ियां, तैयार हो रहा प्लान

नगर निगम ने स्मार्ट सिटी कंपनी के साथ मिलकर सूची की तैयार

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राजधानी में नवाबी शासन काल में बनी बावड़ियां आज जर्जर हो चुकी हैं। शहर की मुख्य बावड़ियों में दोबारा जान फूंकने की तैयारी की जा रही है। नगर निगम भोपाल ने स्मार्ट सिटी कंपनी के साथ मिलकर शहर में ऐसी 14 प्राचीन बावड़ियों की सूची तैयार की है। जिन्हें पुनर्द्धार के लिए काम शुरू किया जाना है। अभी इन स्थलों पर आर्कियोलॉजी विभाग का दखल है। शासन इन कब्जे वाली पुरानी बावड़ियों को मेंटनेंस और इस्तेमाल के लिए नगर निगम को सौंपने की तैयारी में है। शासन की मंशा प्रदेश की राजधानी को बावड़ियों के रूप में चौथा जलस्रोत प्रदान करने की है। फिलहाल शहर में नर्मदा, बड़ा तालाब, कोलार, केरवा, कलियासोत डैम के जरिए पानी सप्लाई करने की क्षमता विकसित कर ली गई है। नगर निगम बजट में बावड़ियों के उन्नयन के लिए प्रति बावड़ी 5 करोड़ का फंड आरक्षित किया गया है। बीते साल आधा दर्जन बावड़ियों को विकसित करने की कोशिश भी की गई थी लेकिन फंड की कमी के चलते काम रोकना पड़ा था। इस मामले में निगम हर बावड़ी के लिए अलग से एक्शन प्लान तैयार कर शासन से विशेष फंड मांगने की तैयारी में है। जिन बावड़ियों का पुर्नद्धार होना है उनमें बड़ा बाग भोपाल टॉकीज, ऐशबाग स्टेडियम बावड़ी, सिकंदरजहां बैगम बैरसिया रोड, पीजीवीटी कॉलेज के पास जेलबाग तालाब की बावड़ी, बाफना कालोनी बावड़ी, द्वारिका नगर चांदबाग, बाग महामाई बावड़ी, नवीन नगर बावड़ी, बाग फरहत अफ्जा बावड़ी, सुभाष नगर बावड़ी, उमराव दुल्हा बावड़ी, इंद्रानगर बावड़ी, अशोका गार्डन बावड़ी इन बावड़ियों के रेनोवेशन के लिए प्लान बनाया जा रहा है। इसके जरिए शहर को वैकल्पिक वाटर सप्लाई सोर्स मिल सकता है।

भोपाल में 9458 गर्भवती महिलाएं हाई रिस्क पर

भोपाल। एमपी के भोपाल जिले की 9458 गर्भवर्ती महिलाएं हाई रिस्क पर हैं। इन्हें पूरा पोषण नहीं मिल रहा है। ये एनीमिया समेत अन्य तरह की दिक्कतों से ग्रसित हैं। जिले की महिला एवं बाल विकास की नियमित समीक्षा रिपोर्ट में ये तथ्य सामने आया है। अगले दो से पांच माह में इनका प्रसव भी होना है।

इधर, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने इन महिलाओं की नियमित जांच करने को कहा है। आयरन और फॉलिक एसिड की कमी से कमजोरी की स्थिति है। इनमें प्रोटीन, विटामिन, और मिनरल्स की कमी है। अत्यधिक वजन, पानी की कमी के साथ जीवनशैली और पर्यावरणीय कारणों से हाइरिस्क की वजह बताया जा रहा है।

नियमित चिकित्सीय जांच की जा रही है। प्रोटीन, आयरन, फॉलिक एसिड, कैल्शियम और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर आहार देने को कहा जा रहा है। साफ-सफाई पर ध्यान देने के साथ दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीने की सलाह दी रही है। समय पर जरूरी टीकाकरण के निर्देश दिए गए हैं।

आभार : वक्फ बिल पास होने पर सीएम से मिला मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मप्र वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सनवर पटेल के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट कर लोकसभा में वक्फ बिल पास होने पर केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों के उचित संरक्षण, नियोजन और उनके न्यायोचित उपयोग के लिए सरकार हरसंभव प्रयास करेगी।

अनोखा प्रदर्शन बोरवेल के लिए दिए 100 से ज्यादा आवेदन, नहीं हुआ समाधान

आवेदनों की पूछ बना रेंगते हुए ग्रामीण पहुंचे कमिश्नर ऑफिस

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश में एक तरफ जहां शासन द्वारा एक अप्रैल से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चला रहा है तो वहीं दूसरी तरफ सीहोर के बिशनखेड़ी गांव में ग्रामीण भीषण जलसंकट से जूझ रहे हैं। हैरत की बात तो यह है कि ग्रामीण इसकी शिकायत पंचायत सचिव से लेकर सीहोर कलेक्टर तक को कर चुके हैं, लेकिन प्रशासन गांव में एक बोर तक नहीं खुदवा पाया है। जब ग्रामीणों का सीहोर के जिला प्रशासन से विश्वास उठ गया तो वह बुधवार को आवेदनों की पांच मीटर लंबी पूंछ लेकर गांव से 60 किलोमीटर दूर भोपाल संभागायुक्त कार्यालय न्याय मांगने पहुंचे। बता दें कि बिशनखेड़ी में भीषण जलसंकट को लेकर ग्रामीण पिछले दिनों मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपकर नलकूप खनन कराने की मांग तक कर चुके हैं।

जिस पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने नलकूप खनन कराने के निर्देश जारी किए थे, लेकिन यह नहीं हो सका है। जानकारी के अनुसार ग्राम बिशनखेड़ी के रहने वाले बजरंगी नागर बुधवार को 100 से अधिक आवेदनों की पूंछ बनाकर ग्रामीणों के साथ भोपाल संभागायुक्त कार्यालय पहुंचे।

सरपंच पति के खिलाफ हो कार्रवाई

उच्च स्तरीय राजनीति ही जल संकट को दूर नहीं करना चाह रही है। सीहोर जिला कलेक्टर से चर्चा हो चुकी है, लेकिन समस्या का अब तक कोई समाधान नहीं हो पाया है। ऐसे में जांच दल गठित कर मौके पर जांच कराई जाकर जल संकट से जूझ रहे ग्रमीणों की समस्या को हल किया जाना चाहिए। साथ ही दोषी सरपंच पति व तहसील इछावर के अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

कमिश्नर ने दिए बोरवेल कराने की निर्देश

उन्होंने संभागायुक्त संजीव सिंह के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बिशनखेड़ी गांव में धाकड़ मोहल्ला मुरलीधर बाड़े के पास शीघ्र नलकूप खनन कराने के आदेश दिए हैं। इसके बाद भी संरपच पति की मनमानी और उच्च स्तरीय राजनीतिक दवाब के कारण पीएचई विभाग को मशीन द्वारा बोर खनन नहीं करने दिया जा रहा है, मशीन को भगाया जा रहा है।

निजी स्कूल किताब-ड्रेस अपनी चहेती दुकानों से खरीदने को कर रहे मजबूर

भोपाल। मप्र कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि नजी स्कूलों द्वारा निमयमों का उल्लंघन किया जा रहा है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारवार्ता को संबोधित कर प्रदेशभर में निजी स्कूलों द्वारा की जा रही मनमानी और नियमों का उल्लघंन कर अत्यंत महंगी किताबों और ड्रेस की अपनी चहेती (कमीशन देने वाली) दुकान से बिक्री तथा फीस वृद्धि के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की, वहीं त्रिपाठी ने पीले चावल के साथ मुख्य सचिव अनुराग जैन को स्मरण पत्र भेजा। पत्र के माध्यम से त्रिपाठी ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निजी स्कूलों की अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई करने के तत्काल निर्देश जारी करने की मांग की। विवेक त्रिपाठी ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा की जा रही अनुचित शुल्क वसूली, महंगी निजी प्रकाशनों की किताबों की अनिवार्यता, तथा आरटीई नियमों के उल्लंघन जैसी गंभीर समस्याओं को कांग्रेस द्वारा समय समय पर उजागर किया गया। जिसकी विधिवत शिकायत हमारे द्वारा शासन एवं प्रशासन के जिम्मेदार व्यक्तियों को लगातार की जा रही हैं परन्तु जिम्मेदार अधिकारी शिक्षा माफियाओं के दबाव में कोई कार्रवाई नहीं कर रहें। जिसके कारण मध्यप्रदेश के पीड़ित अभिभावकों में रोष व्याप्त हैं।

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज अल्प प्रवास पर ग्वालियर आयेंगे

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 4 अप्रैल को अल्प प्रवास (ट्रांजिट विजिट) पर ग्वालियर आयेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसी दिन दतिया एवं अशोकनगर जिले में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव 4 अप्रैल को वायुमार्ग द्वारा प्रातः 10.45 बजे दतिया हवाईपट्टी पर पहुँचेंगे। दतिया में स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव हैलीकॉप्टर द्वारा अशोकनगर जिले की ईसागढ़ तहसील के अंतर्गत आनंदपुर ट्रस्ट एरिया में पहुँचकर स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। यहाँ से हैलीकॉप्टर द्वारा दोपहर 12.45 बजे राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल महाराजपुरा पहुँचेंगे। विमानतल से थोड़ी देर बाद वायुयान द्वारा नईदिल्ली के लिये प्रस्थान करेंगे।

पेयजल एवं सीवर संधारण के कार्य में कोई लापरवाही न पाई जाए

गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या नहीं होना चाहिएः नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय

■ निगम आयुक्त ने पेयजल एवं सीवर संधारण के कार्यों की समीक्षा की

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

नगरीय क्षेत्र में गर्मी के मौसम में पेयजल की कहीं भी दिक्कत न आए। मोटर संधारण के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाए। इसके साथ ही पानी के अपव्यय को रोकने के लिये भी प्रभावी कार्रवाई की जाए। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने गुरुवार को पेयजल एवं सीवर संधारण कार्य की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए हैं।

नगर निगम के बाल भवन में आयोजित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की विभागीय बैठक में पेयजल वितरण, सीवर संधारण, जल गंगा संवर्धन अभियान की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में अपर आयुक्त मुनीष सिकरवार, विजय राज सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री, उपयंत्री के साथ ही सीवर एवं पानी की मोटर संधारण से संबंधित ठेकेदार भी उपस्थित थे। निगम आयुक्त संघ प्रिय ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल वितरण की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए। कार्ययोजना तैयार करने से पूर्व सभी मैदानी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र की स्थिति का आंकलन करें, उसी अनुरूप कार्ययोजना तैयार हो। गर्मी के मौसम में पानी की मोटर खराब होने पर तत्परता से सुधार का कार्य हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। ठेकेदारों के साथ विभागीय अधिकारी समन्वय स्थापित कर कार्य को तत्परता से कराना सुनिश्चित करें। निगम आयुक्त संघ प्रिय ने यह भी निर्देशित किया है कि शहर में पेयजल का अपव्यय न हो, इसके लिये भी ठोस रणनीति बनाकर कार्य किया जाए। बल्क कनेक्शनधारियों के साथ ही अन्य ऐसे संस्थान जहाँ पर पानी का अपव्यय होता है उनका चिन्हांकन कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। पेयजल वितरण के दौरान विभाग के मैदानी अधिकारी मैदान में रहकर वितरण व्यवस्था बेहतर हो, यह सुनिश्चित करें। निगम आयुक्त संत प्रिय ने सीवर संधारण के कार्य को भी सर्वोच्च प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात से पूर्व सीवर सफाई का कार्य तेजी से किया जाए, ताकि बरसात के दौरान कहीं पर भी दिक्कत नहीं आए। सीवर संधारण के कार्य में भी ठेकेदार और विभागीय अधिकारी आपसी सामंजस्य स्थापित कर शिकायतों का निराकरण तत्परता से कराएं।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा

निगम आयुक्त संघ प्रिय ने प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में जल संवर्धन के कार्य हाथ में लें। शहर के तालाबों, कुओं, बावड़ियों और अन्य जल संरचनाओं में जल संरक्षण के लिये कार्य करने हेतु विधानसभावार कार्ययोजना तैयार कर कार्य किए जाएं। अभियान के तहत ही गर्मी के मौसम को देखते हुए शहर में आम लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो। इसके लिये शहर के प्रमुख स्थानों पर प्याऊ भी स्थापित किए जाएं। शहर के उद्यानों को और हरा-भरा बनाने के लिये विभागीय स्तर पर कार्य किया जाए।

पुरोहित ने अटल जी के साथ बिताए हुए पलों को किया साझा

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर महानगर द्वारा भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी समारोह के तहत जिला एवं मंडल टोली के साथ उनकी स्मृतियों को ग्वालियर पूर्व विधानसभा के सिटी सेंटर में निवासरत मध्य भारत हिन्दी साहित्य सभा के बसंत पुरोहित ने उनके साथ बीते हुए ऐतिहासिक पलों को भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर महानगर के भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी समारोह की जिला एवं मंडल टोली के साथ में उनकी यादों को साझा किया। इससे पूर्व उनका का शाल श्रीफल के द्वारा उनका स्वागत किया। ग्वालियर पूर्व के मध्य भारत हिन्दी साहित्य सभा के बसंत पुरोहित ने अटल जी को याद करते हुए बताया कि जब अटल जी देश के प्रधानमंत्री थे और उन्हें ग्वालियर आना था उससे पहले उनका कार्यक्रम छतरपुर में था तब मैं छतरपुर में शासकीय कर्मचारी था तो मैंने वहां के कलेक्टर से कहा कि मुझे प्रधानमंत्री जी से मिलना है तो उन्होंने मुझे हड़काते हुए कहा कि तुम प्रधानमंत्री जी से कैसे मिल सकते हो तुम शासकीय नौकरी में हो तब मैंने श्रद्धेय शीतला सहाय जी के द्वारा तब उनके साथ शिवकुमार जी रहा करते थे उनसे कहा कि मुझे प्रधानमंत्री जी से मिलना है, तो आप देखिए अटल जी कार्यकर्ता का कितना ध्यान रखते थे, उन्होंने वहां से छतरपुर कलेक्टर से फोन पर कहा कि पहले मुझे बसंत जी से मिलना है उसके बाद मैं किसी और से मिलूंगा। उसके बाद कलेक्टर मुझे इधर-उधर ढूंढते रहे तो मुझे मालूम पड़ गया था तो मैं अपने ऑफिस में जाकर बैठ गया। तभी मैं अपने दोस्त के साथ जा रहा था तो डिप्टी कलेक्टर की नजर मुझ पर पड़ी तो उन्होंने कलेक्टर से जाकर बोला कि वह तो अपने ऑफिस में बैठे हैं तब एडीएम आर.के. जैन साहब मेरे पास आए और मुझे लेकर कार्यक्रम में गए। तब अटल जी ने हम दोनों को सबसे पहले बुलाया और हमारे साथ फोटो खिंचवाई, तब हमने अटल जी से दो मांग रखी, एक तो शहर में मीटू घोषित किया जाए और शताब्दी एक्सप्रेस ग्वालियर तक लाई जाए। ऐसा प्रधानमंत्री ना कभी हुआ है और ना कभी होगा। इस अवसर पर भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी समारोह के संयोजक एवं जिला मंत्री धर्मेंद्र सिंह कुशवाहा, सह संयोजक अजय महेंद्रु, जिला सोशल मीडिया प्रभारी अरविंद रघुवंशी, हेमंत चौपडा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सांसद कुशवाह ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन और विमानन मंत्री नायडू से की भेंट

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन और विमानन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु से सांसद भारत सिंह कुशवाहा ने भेंट ग्वालियर से पुणे, सूरत एवं इंदौर के लिए सीधे नियमित विमान सेवा प्रारंभ करने का अनुरोध किया। ग्वालियर से इन स्थानों के लिए नियमित सीधी विमान सेवा प्रारंभ होने से ग्वालियर-चंबल अंचल के साथ-साथ ग्वालियर की सीमा से सटे राजस्थान और उत्तरप्रदेश के कई जिलों की जनता को सीधा लाभ मिलेगा और व्यापार की संभावनाओं के नए द्वार भी खुलेंगे।

कैट उपनगर ग्वालियर की टीम ने निगम आयुक्त से मुलाकात कर अपनी परेशानी बताई

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) उपनगर ग्वालियर की टीम ने कोर टीम सदस्य अशोक अग्रवाल के साथ नगर निगम आयुक्त संघप्रिय से मुलाकात की। पदाधिकारियों ने किले का सौन्दर्यीकरण और पशुओं की भीड को कम करने का आग्रह किया। व्यापारियों ने कैट प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन के माध्यम से नगर निगम आयुक्त को उपनगर ग्वालियर की समस्याओं से अवगत कराया एवं ज्ञापन दिया।व्यापारियों ने किलागेट पर पेयजल व्यवस्था, किलागेट एवं सराफा में सौचालय, हजीरा रोड पर व्यापार करने वाले व्यापारियों को विस्थापित करने की बात की जिस पर नगर निगम आयुक्त ने अविलम्ब कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर भूपेन्द्र जैन, अशोक अग्रवाल, आलोक जैन, अक्षत जैन, रश्मि अग्रवाल, श्रोती गर्ग, डॉ.सौरभ खण्डेलवाल, आशीष जैन, लक्ष्मीनारायन अग्रवाल, श्रृष्टि अग्रवाल, चन्दू अग्रवाल, मोनू जैन, हरीश जैन, अजय अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

वेस्टर्न बायपास भूमिपूजन के लिए केन्द्रीय मंत्री गडकरी को किया आमंत्रित

ग्वालियर। ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाहा ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट कर ग्वालियर को 4-लेन वेस्टर्न बायपास की सौगात देने के लिए आभार व्यक्त किया और भूमिपूजन करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप आने के लिए आग्रह किया। इस अवसर सांसद श्री कुशवाह ने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी से ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र के कार्यों की चर्चा की। 1347.6 करोड़ रुपए की लागत से 28.516 किमी लंबा 4-लेन वेस्टर्न बायपास ग्वालियर संसदीय क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

परशुराम चल समारोह के लिए संयोजक नियुक्त

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

श्री परशुराम भगवान के चल समारोह के लिए फूलबाग स्थित गंगादास की बड़ी शाला लक्ष्मीबाई कॉलोनी मे सर्व ब्राह्मण समाज की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक मे सभी वरिष्ठ ब्राह्मण समाजसेवियों के द्वारा यह निर्णय लिया गया कि परशुराम चल समारोह में संयोजक धर्मेंद्र भारद्वाज बनाये गये। श्रीमती ममता कटारे महिला संयोजक एवं दीपक शर्मा और मयंक भार्गव को युवा संयोजक बनाया गया। इस कार्यकारिणी का गठन बड़े धूमधाम से हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक भूपेंद्र शर्मा द्वारा आयोजन का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर महेंद्र पटसारिया, अशोक पटसारिया, प्रेम पचौरी, ज्योतिषाचार्य विकास त्रिपाठी, महेश मिश्रा, राजेश नायक, पंडित दीपक शर्मा, विवेक पाठक, महेंद्र शर्मा, बॉबी शर्मा, राजेंद्र भारद्वाज, आशुतोष शर्मा, ध्रुव शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, संगम

भार्गव, रामा दातरे, सपना शर्मा, टीना शर्मा, रानी शर्मा, सरिता शर्मा, रश्मि शर्मा, विमल शर्मा, मनीषा शर्मा, सीमा समाधिया, राधा शर्मा, सरला शर्मा, सुधा दीक्षित, प्रशांत कटारे, पंडित कान्हा, पंडित सत्यम उपस्थित थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान में योगदान देने जिले के नागरिक आगे आए

ग्वालियर। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पानी की बूँद-बूँद सहेजने में योगदान देने के लिये जिले के निवासी आगे आ रहे हैं। जिले के ग्रामीण अंचल में बीते रोज तक 2100 से अधिक नागरिकों ने माय भारत एप पर जल दूत के रूप में अपना पंजीयन करा लिया है। यह श्रृंखला जारी है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल्द से जल्द स्वीकृतियां जारी कर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि आम जनों की भागीदारी से पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का काम प्रमुखता से हाथ में लें। जल संरचनाओं के आसपास एवं उपलब्ध स्थानों पर वृहद वृक्षारोपण की कार्ययोजना भी अभी से तैयार की जाए।

8 दिवसीय शिविर में निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श की सुविधा मिली

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

विधानसभा सभापति (म.प्र.) एवं रोटरी मेडिकल मिशन राहत आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के अथक प्रयासों से 8 दिवसीय रोटरी इंटरनेशनल क्लब द्वारा आयोजित मेगा हेल्थ शिविर में कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान द्वारा निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श की सुविधा कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान द्वारा मुरैना जिले में स्थित एस.ए.एफ. ग्राउण्ड में रोटरी इंटरनेशनल क्लब द्वारा 26 मार्च से 2 अप्रैल तक आयोजित 8 दिवसीय मेगा हेल्थ शिविर में निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई। प्रति दिन तीन विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने अपनी टीम के साथ पूरे आठों दिन अपनी सेवाएं रोगियों को प्रदान कीं। इस दौरान अनेक मैमोग्राफी, पैप-स्मीयर, एफ.ए.ए.सी., पंच बायोप्सी परीक्षण किये गये। जिससे अनेक रोगियों को रोग पता चलने में आसानी हुई और कैंसर के उपचार की जरूरत के अनुसार एस.ए.एफ. ग्राउण्ड मुरैना में आने वाले सभी लोगों को सभी प्रकार के स्वास्थ्य लाभ के साथ साथ कैंसर सम्बन्धित स्वास्थ्य लाभ भी मिल सके को ध्यान में रखते हुए विधानसभा सभापति एवं रोटरी मेडिकल मिशन राहत आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा एवं रोटरी रीजनल मेडीकल मिशन के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन के अथक प्रयासों से इस कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन सिंह यादव ने किया। इस कार्यक्रम में विधानसभा सभापति एवं रोटरी मेडिकल मिशन राहत आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, विवेक तंखा, भूपेन्द्र जैन, डॉ. बी.आर. श्रीवास्तव (डायरेक्टर कैंसर हॉस्पिटल) एवं रोटरी क्लब के समस्त सदस्य तथा चिकित्सा परामर्श के लिए पधारे हुए समस्त नागरिक उपस्थित रहे। पिछले 8 दिनों में लगभग 300 लोगों (रोगियों) ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया है। इस मौके पर 26 मेमोग्राफी, 20 पेप स्मीयर, 14 एफ.एन.ए.सी., 3 पंच बायोप्सीज, 77 लोगों को हॉस्पीटल आने की सलाह दी गई।

विकास चांदोरकर को दी श्रद्धांजलि

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मराठी समाज के गौरव विकास चांदोरकर की श्रद्धाजंली सभा गत दिवस राष्ट्रोत्थान न्यास में रखी गई। जिसमें हर वर्ग के लोग उपस्थित थे। जिसमें आशुतोष कुम्भराजवाले ने सबसे पहले विकास के साथ अपने अनुभव साझा किये फिर एक एक करके किरण कल्याणकर, दत्ता भालेराव, पंकज नाफड़े, अपर्णा ताई, मंडल अध्यक्ष अमर कुटे, कांग्रेस प्रवक्ता संजय महिंद्रा ,धर्मेंद्र कुशवाहा, राकेश माहौर, रवि गरुड़, मधुलिका क्षीरसागर आदि ने अपने अनुभव कथन साझा किये। श्रद्धाजंली सभा में विशेष रूप से यशवंत इंदापुरकर, विवेक शेजवलकर, राजेश सोलंकी, मनोज मुटाटकर, नितिन वाळिंबे, गिरीश इंदापुरकर, प्रांशु शेजवलकर, विवेक शर्मा, जीतू घुरैया, अनूप उडेनिया, रवि कल्याणकर प्रिंस मझवार, प्रवीण गोस्वामी, विपिन गोयल, गगन जाधव, संदीप कंदोई, वैभव मोघे, योगेश रेवड़ीकर, अतुल कवीश्वर, दीपक देव, गिरीश तारे, पीयूष तांबे आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं विकास चांदोरकर मित्र मंडल ने दिवगंत आत्मा की शांति के लिए कन्या भोज कराने का संकल्प लिया।

ग्वालियर सहित जिले के सभी कस्बों में पर्याप्त संख्या में प्याऊ स्थापित करें

ग्वालियर। शहर सहित जिले के सभी कस्बों में पर्याप्त संख्या में प्याऊ स्थापित करें। प्याऊ की स्थापना बस स्टैण्ड, प्रमुख बाजारों एवं ऐसे सार्वजनिक स्थलों पर की जाए जहाँ जन-मानस की अधिक संख्या रहती है। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने नगर निगम के अधिकारियों, जिले के सभी एसडीएम एवं जिले की नगर पालिकाओं व नगर परिषदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह काम 10 अप्रैल तक पूर्ण कराएँ। कलेक्टर चौहान ने कहा है कि प्याऊ स्थापित करने के संबंध में राज्य शासन के स्पष्ट निर्देश हैं। इसलिये इस काम को गंभीरता से लें। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि प्याऊ स्थल पर रखे जाने वाले घड़ों-मटकों की साफ-सफाई व पेयजल की शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए।

जेसीआई ग्वालियर सुरभि ने किया कन्या पूजन

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

जेसीआई ग्वालियर सुरभि संस्था द्वारा मांडरे की माता पर गरीब कन्याओं को कन्या पूजन के साथ प्रसाद वितरण कराने का शुभ कार्य किया गया। प्रसादी वितरण के साथ बच्चों को फ्रूटी, चिप्स, बिस्किट टॉफी और जरूरत का सामान भी दिया गया। संस्था की पीआरओ जेसी रीटा तनेजा, जेसी इंदिरा गुप्ता एवं जेसी ममता गुप्ता ने बताया कि इस नेक कार्य में सभी सुरभि सदस्यों ने अपनी भागीदारी देकर संस्था को सहयोग प्रदान किया। इस प्रोजेक्ट में संस्था की संरक्षक जेसीआई सिनेटर रितिका गुप्ता, जोन वाइस प्रेसिडेंट जेसी अभिषेक त्रिपाठी, अध्यक्ष जेसी आशा गुप्ता, सचिव जेसी सोनल अग्रवाल, जेसी माधवी अग्रवाल, जेसी किरन गोयल, जेसी अंकिता मिश्रा, जेसी निशा बिंदल सहित संस्था के सदस्य मौजूद रहे।

जिला न्यायालय में अभिभाषकों के लिए पीस ऑफ माइंड एण्ड मेडिटेशन विषय पर हुआ कार्यक्रम

किसी व्यक्ति की वजह से अपनी खुशी और शांति को न जाने दें: बीके प्रहलाद

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय की भगिनी संस्था राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउंडेशन के न्यायविद विंग द्वारा उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ के सहयोग से अभिभाषकों के लिए पीस ऑफ माइंड एण्ड मेडिटेशन विषय पर कॉमन हॉल जिला न्यायालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्रह्माकुमारीज केंद्र प्रमुख राजयोगिनी बीके आदर्श दीदी, वरिष्ठ ध्यान प्रशिक्षक एवं मोटिवेशनल स्पीकर बीके प्रहलाद भाई, बीके पवन उपस्थित थे। कार्यक्रम के शुभारंभ में बीके प्रहलाद ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि आज की भागती दौड़ती जिंदगी में यदि खुशी और शांति का अनुभव करना है तो थोड़ा समय प्रतिदिन अपने लिए अवश्य निकालना होगा। आज हमने खुशी का आधार व्यक्ति, वस्तु या वैभवों को बना दिया है जबकि खुश रहना और शांत रहना हमारा मूल स्वभाव है। आज हमसे कोई खुश होकर बात न करें या शांति से बात न करे तो बहुत दुखी हो जाते है और हमको लगता है, हम इनकी वजह बहुत दुखी है और हम सभी को यह कहते भी है। इसका मतलब यह है कि अपने सुख की चाबी दूसरों को दे दी है। कार्यक्रम में राजयोगिनी आदर्श दीदी ने सभी को राजयोग ध्यान के बारे में बताते हुए कहा कि हम सभी के अंदर एक चैतन्य शक्ति होती है जो शरीर को चलाती है। जिसे हम आत्मा कहते है। मन, बुद्धि, संस्कार आत्मा की तीन शक्तियां है। वह किस तरह से कार्य करती है, उसके बारे में बताया तथा अंत में सभी को राजयोग ध्यान की गहन अनुभूति भी कराई। इस अवसर पर अभिभाषक संघ अध्यक्ष पवन पाठक, उपाध्यक्ष जितेंद्र दीक्षित, सचिव महेश गोयल, एडवोकेट राजेश मित्तल, अनिल शर्मा, पवन शर्मा, सुनील राजपूत, रवि कुशवाह, जितेंद्र सिमरोदिया, दिलीप सिंह यादव, ज्ञानेन्द्र कुमार, सीपी सिंह, सुनीता चौहान, संजय खेड़कर, पूजा सिसोदिया, अवधेश सिंह तोमर, संतोष शर्मा, सुमित सिंह राजावत, अक्षय सिंह राजावत, उमेश राजोरिया, विवेक शर्मा, रमेश गोस्वामी, राहुल चौरसिया सहित अनेकानेक एडवोकेट उपस्थित थे।

जेयू: यूजी फाइनल ईयर की परीक्षा से पहले चार निजी सेंटर हटाए

शासकीय लॉ कॉलेज मुरैना में 11 महाविद्यालयों के 1500 छात्र-छात्राएं देंगे परीक्षा

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय ने भिंड और मुरैना के नकल माफियाओं पर सख्त लगाम कसी है। यहां के निजी महाविद्यालयों के वीडियो वायरल होने के बाद स्नातक तृतीय वर्ष की परीक्षा से पहले चार निजी कॉलेजों का परीक्षा केंद्र निरस्त करते हुए उन्हें शासकीय महाविद्यालयों में भेजा है। विश्वविद्यालय ने गुरुवार को सुबह भिंड में दैपुरिया कॉलेज, नाथूराम इंस्टीयूट ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट और मुरैना में टीएसएस कॉलेज, एसडीएमजे कॉलेज के सेंटर निरस्त कर दिए हैं। भिंड के नाथूराम कॉलेज, पटेल कॉलेज, कांकर कॉलेज, एसपीएस कॉलेज, चौ. यदुनाथ सिंह कॉलेज, पीएस कॉलेज, पं. दीनदयाल कॉलेज की परीक्षा शासकीय एमजेएस कॉलेज भिंड और मुरैना के एसआरडी कॉलेज, राजेंद्र प्रसाद कॉलेज, एमजीएम कॉलेज, स्वामी श्री रामकृष्ण परमहंस कॉलेज, बीआरएम कॉलेज, जयकृष्ण कॉलेज, केएस कॉलेज, जय श्रीराम बीएड कॉलेज, लिटिल फ्लॉवर स्कूल, टीएसएस कॉलेज की परीक्षा शासकीय लॉ कॉलेज मुरैना में कराने का निर्णय लिया।

सहायक कुलसचिव और कर्मचारियों की लगाई ड्यूटी: विवि ने मुरैना के 11 कॉलेजों की परीक्षा के लिए शासकीय कॉलेज मुरैना को सेंटर बनाया है। यहां 1500 छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे। विवि ने परीक्षा कराने के लिए सहायक कुलसचिव कुलदीप चौहान के अलावा सहायक ग्रेड 1 सोनपाल, सहायक ग्रेड 3 मनीष शर्मा, राधेश्याम, कुशल स्थायी कर्मी लोकेश चतुर्वेदी, सुल्तान खान, जोगेश रजक, भृत्य संतोष तिर्की, अकुशल स्थायी कर्मी मनोज कश्यप, संतोष बघेल, फरमान सिंह, मेहताब सिंह की ड्यूटी लगाई है।

मुरैना, सबलगढ़ की परीक्षा कैलारस में क्यों: यूजी फाइनल ईयर की परीक्षा से एक दिन पूर्व मुरैना के निजी महाविद्यालयों का परीक्षा केंद्र बदलने से कॉलेज संचालकों ने सेंटर लिस्ट पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उनका कहना है कि गोपालपुरा मुरैना के श्री बालाजी महाविद्यालय को 40-45 किलोमीटर दूर कैलारस के आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज में सेंटर बनाया गया है। इसी तरह मां शातिदेव कॉलेज एवं जेबी कॉलेज सबलगढ़ को महज एक किलोमीटर पर स्थित शासकीय पीजी कॉलेज सबलगढ़ की जगह 20 से 25 किलोमीटर दूर कैलारस के आचार्य नरेन्द्र देव महाविद्यालय में पहुंचा दिया है।

ब्रीफ न्यूज

दुनिया में आ रही भूकंप की बाढ़, अब जापान में थरथराई धरती

टोक्यो। ऐसा लगता है कि इस वक्त पूरी दुनिया में भूकंप की बाढ़ सी आ रही है। आए दिन कहीं न कहीं भूकंप के झटके लग रहे हैं। म्यांमार अभी भूकंप के झटकों से उबर तक नहीं सका था कि जापान में भी धरती डोल उठी। 2 अप्रैल की शाम जापान के क्यूशू क्षेत्र में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। म्यांमार में आए 7 से अधिक मैग्नीट्यूड वाले भूकंपों के बाद यह सबसे तगड़ा भूकंप रहा। हालांकि, अभी तक इससे बड़े पैमाने पर नुकसान की खबर नहीं है। एक दिन पहले ही जापान सरकार ने एक भीषण भूकंप की चेतावनी दी थी। जापानी सरकार के अनुसार, प्रशांत तट के पास 9 तीव्रता का विशाल भूकंप (मेगा भूकंप) आ सकता है, जिससे 2।7 लाख लोगों की मौत हो सकती है और अर्थव्यवस्था को 181 खरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। जापानी सरकार ने इसी हफ्ते बेहद ताकतवर भूकंप की आशंका जताई। उनके मुताबिक, नंकाई ट्रफ जोन (समुद्र तल का हिलता हुआ क्षेत्र) में 80 प्रतिशत संभावना है कि 8 से 9 तीव्रता का भूकंप आएगा। सबसे बुरी स्थिति में, 12.3 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ सकता है और 2,98,000 लोगों की जान जा सकती है। 2011 में 9 तीव्रता के भूकंप और सुनामी से जापान में 15,000 लोगों की मौत हुई थी। म्यांमार में 7.7 तीव्रता के भूकंप से अब तक 2,719 लोगों की मौत हो चुकी है और 4,521 घायल हुए हैं।

अमेरिकन समोआ में 70 प्रतिशत लोग मोटापे से ग्रस्त

वॉशिंगटन। आज के समय में मोटापा एक बड़ी चुनौती बन गया है, क्योंकि दुनिया भर में लोगों का वजन तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सबसे ज्यादा मोटे लोग किस देश में रहते हैं? वर्ल्ड ओबेसिटी डेटा के अनुसार, दुनिया का सबसे मोटा देश अमेरिकन समोआ है, जहां 70 प्रतिशत लोग मोटापे से ग्रस्त हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर नाउरू आता है, जो दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित एक छोटा-सा द्वीप देश है। यहां मोटापे की दर 69 प्रतिशत है। तीसरे स्थान पर तोकेलाऊ नामक देश है, जहां 67 प्रतिशत लोग मोटे हैं। चौथे नंबर पर स्थित कुक आइलैंड्स में यह दर 66 प्रतिशत है, जबकि पांचवें स्थान पर न्यूई आता है, जहां 63प्रतिशत आबादी मोटापे से जूझ रही है। इसके अलावा, टोंगा, तुआलू, समोआ, फ्रेंच पॉलीनेशिया और यूनाइटेड स्टेट्स भी इस सूची में शामिल हैं। मोटापे की उच्च दर वाले अधिकतर देश हाई इनकम कैटेगरी में आते हैं, जहां सुविधाजनक जीवनशैली और अस्वास्थ्यकर खान-पान की वजह से वजन तेजी से बढ़ता है। अगर भारत की बात करें, तो जंक फूड और बदलती जीवनशैली के कारण यहां भी मोटापा बढ़ रहा है, लेकिन यह अभी भी वैश्विक स्तर पर गंभीर स्थिति में नहीं है। कुल 200 देशों की सूची में भारत 180वें स्थान पर है, जहां मोटापे की दर मात्र 5.38प्रतिशत है। भारत को लोअर मिडिल इनकम वाला देश माना जाता है, जबकि ज्यादातर मोटे देशों की गिनती हाई इनकम कैटेगरी में होती है। मोटापा न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था के लिए भी एक गंभीर समस्या है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी...

जिन पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भड़कते थे उन्ही पर नहीं लगाया टैरिफ

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

यह जगजाहिर है कि डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर अपने गुस्से का बार-बार इजहार किया था। उनका मानना है कि कनाडा और मैक्सिको अमेरिका को व्यापार में नुकसान पहुंचा रहे हैं। ये देश अवैध प्रवासियों व ड्रग्स खासकर फेंटेनाइल की तस्करी रोकने में नाकाम हैं। डोनाल्ड ट्रंप का कहना था कि इन देशों को सब्सिडी देने का कोई मतलब नहीं और टैरिफ से अमेरिकी हितों की रक्षा होगी। हालांकि, ट्रंप की टैरिफ धमकी का कनाडा और मैक्सिको ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया था। कनाडा और मैक्सिको ने जवाबी टैरिफ की धमकी दी थी जिससे ट्रंप और भड़क गए थे। मैक्सिको और कनाडा को लेकर ट्रंप का रुख सख्त था कि या तो ये देश उनकी शर्तें मानें, या आर्थिक दबाव झेलें।

मगर जब टैरिफ की घोषणा हुई तो सबकी नजर इसी बात पर थी कि डोनाल्ड ट्रंप कनाडा और मैक्सिको पर कितना टैरिफ लगाकर अपने गुस्से का फिर से इजहार करते हैं। मगर टैरिफ लिस्ट में कनाडा और मैक्सिको का नाम नहीं होने से सब हैरान हैं। सबके मन में यही सवाल है कि आखिर ट्रंप के टैरिफ वाले गुस्से से कनाडा और मैक्सिको क्यों बच गए। कैसे अमेरिका ने उन दोनों देशों पर टैरिफ नहीं लगाया। तो चलिए इसका असली कारण जानते हैं। दरअसल, यूएसएमसीए का पूरा नाम यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट है। यूएसएमसीए (यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट) ट्रंप के पहले कार्यकाल में लागू हुआ था। यह मुक्त व्यापार को बढ़ावा देता है। व्हाइट हाउस के अनुसार, कनाडा और मैक्सिको को टैरिफ से छूट दी गई, क्योंकि वे यूएसएमसीए के तहत हैं। यूएसएमसीए सामानों पर 0 प्रतिशत टैरिफ रहेगा पर गैर- यूएसएमसीए सामानों पर 25 प्रतिशत और ऊर्जा पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। मैक्सिको और कनाडा पर छूट का कारण उत्तरी अमेरिकी सप्लाई चैन, खासकर ऑटोमोबाइल और ऊर्जा क्षेत्र की सुरक्षा है, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए अहम हैं। हालांकि, कनाडा और मैक्सिको सीमा सुरक्षा और व्यापार घाटे पर अमेरिका का सहयोग नहीं करते हैं तो जल्द ही उन पर टैरिफ लागू हो सकता है। दरअसल, 2 अप्रैल 2025 को अमेरिकी टैरिफ लिस्ट से कनाडा और मैक्सिको का नाम गायब होने का कारण डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा के तब के पीएम जस्टिन ट्रूडो और मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम के साथ सफल बातचीत है। डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध प्रवास और फेंटेनाइल तस्करी रोकने के लिए 25 प्रतिशत टैरिफ की धमकी दी थी। दोनों देशों ने सीमा सुरक्षा और व्यापार घाटे पर सहयोग का वादा किया, जिसके बाद टैरिफ अस्थायी रूप से टाल दिए गए।

ब्रिटिश लोग कर रहे तीसरे विश्वयुद्ध की तैयारी, सीख रहे जंगलों में रहना

डिब्बा बंद मीट और पानी की बोतलें खरीदकर 25 साल का कर रहे इंतजाम

एजेंसी ■ लंदन

ब्रिटेन के लोगों ने तीसरे विश्व युद्ध की आशंका को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। यहां सर्वाइवल ट्रेनिंग की मांग 75 फीसदी तक बढ़ गई है। ब्रिटिश लोग तीसरे विश्वयुद्ध को लेकर खुद को तैयार करने में जुट गए हैं। लोग पुतिन सर्वनाशकारी विस्फोट से खुद को बचाने के लिए आपूर्ति और कठोर वातावरण के लिए कपड़े जमा कर रहे हैं। स्टोर मालिकों ने कहा कि पानी साफ करने वाले उपकरणों की कमी हो गई है, जो बारिश के पानी को पीने के लिए सुरक्षित बनाते हैं और अगर ताजा खाद्य आपूर्ति खत्म हो जाए तो फ्रीज-ड्राई किए गए खाद्य पदार्थ भी खत्म हो जाएंगे। 25 साल तक चलने वाले मीट के डिब्बे, सैन्य श्वासयंत्र और राशन पैक स्टोर की अलमारियों से उड़ रहे हैं।

जंगल में जीवित रहने के तरीके सिखाने वाले बुशक्राफ्ट कोर्स में दाखिला लेने वाले लोगों की संख्या में पिछले दो सालों में 75 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि लोग वास्तव में बुनियादी कौशल जैसे कि बिना किसी उपकरण या लकड़ियों को आपस में रगड़कर आग कैसे जलाई जाए, इसके बारे में जानने की कोशिश कर रहे हैं। लोग ऐसे गैजेट पर निर्भर नहीं रहना चाहते जो टूट सकते हैं या खराब हो सकते हैं। पूर्व सैन्यकर्मी ने कहा कि रूस द्वारा पश्चिम के खिलाफ युद्ध छेड़ने के कारण उनकी द बग आउट दुकान का कारोबार बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि तैयारी का मतलब है आत्मनिर्भरता। क्या होता है जब आपको अचानक वह नहीं मिलता जिसकी आपको जरूरत है? अब हम सुविधाओं के आदी हो चुके हैं, लेकिन हमेशा ऐसा नहीं था और भविष्य में भी ऐसा नहीं होगा। उन्होंने 25 साल की एक्सपायरी डेट वाले फ्रीज-ड्राय चिकन और मीट की मांग में तेजी देखी है और उन्होंने अपने जीवन रक्षा प्रशिक्षण में भी इसका लाभ उठाया है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में हमारे पाठ्यक्रमों में नामांकन कराने वाले लोगों की संख्या करीब 75 फीसदी की वृद्धि हुई है। जब हमने पहली बार शुरुआत की थी, तो तैयारी करने वाला ग्रुप छोटा था और ज़्यादातर लोग आउटडोर सर्वाइवलिज़्म में रुचि रखते थे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ब्रिटिश व्यक्ति के पास एक बग आउट बैग होना चाहिए, जिसमें जंगल में 72 घंटे जीवित रहने के लिए जरुरी सभी चीजें हों। रूस के साथ बढ़ते तनाव को लेकर बहुत से लोगों को भय और चिंता सता रही है। स्वीडिश अधिकारी घर में बोतलबंद पानी, ऊर्जा से भरपूर भोजन, कंबल, वैकल्पिक हीटिंग और बैटरी से चलने वाला रेडियो रखने की सलाह देते हैं। नॉर्वे ने लोगों को सलाह दी है कि वे परमाणु हमले की स्थिति में आयोडीन की गोलियों सहित गैर-जरूरी दवाइयों का स्टॉक कर लें। जर्मन परिवारों से आग्रह किया है कि वे तहखानों, गैरेजों या स्टोर रूम को बंकर के रूप में इस्तेमाल करें। पोलैंड में बिल्डरों को नए घरों में सुरक्षित आश्रय स्थल तैयार करने होंगे।

स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष की यात्रा कराएंगे ऐलन मस्क, वीडियो भी जारी किया

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को धरती पर लाने वाले अरबपति एलन मस्क की स्पेसएक्स कंपनी ने 31 मार्च को अपना नया मिशन फेम 2 लॉन्च किया। इस मिशन के दौरान एक स्पेसक्राफ्ट पहली बार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर पृथ्वी के ऑर्बिट के ऊपर से गुजरेगा। इस यात्रा के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों को मिलने वाले दृश्य को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया।

स्पेसएक्स का फेम 2 मिशन 31 मार्च 2025 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इस मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री जिन्हें नौसिखिया कहा जा सकता है को पोलर ऑर्बिट में भेजा गया। मिशन के शुरू होने के केवल 10 मिनट बाद ही स्पेसक्राफ्ट ने निचली पृथ्वी कक्षा में अपनी यात्रा शुरू की। फाल्कन 9 लॉन्च व्हीकल से अलग होने के बाद, रेजिलिएंस नामक स्पेसक्राफ्ट ने अपनी यात्रा जारी रखी और मिशन के उद्देश्यों को पूरा किया। इस मिशन के जरिए स्पेसएक्स ने एक नए अध्याय की शुरुआत की है जो न केवल अंतरिक्ष यात्रियों के लिए रोमांचक है बल्कि पृथ्वी के शानदार दृश्यों को देखने का एक अनोखा अवसर भी प्रदान करता है। स्पेसएक्स द्वारा पोस्ट किए गए इस वीडियो को एलन मस्क ने भी अपने एक्स अकाउंट पर साझा किया। वीडियो में अंतरिक्ष के अद्भुत नजारे के साथ पृथ्वी का खूबसूरत दृश्य देखा जा सकता है। वीडियो को देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब अंतरिक्ष यात्री ऑर्बिट के ऊपर से गुजरते हैं तो पृथ्वी को किस नजर से देखते हैं। यह दृश्य वाकई में आंखें खोलने वाला है।

ट्रंप की एक चाल ने दुनिया के 13 लाख बच्चों को संकट में डाला

एजेंसी ■ जेनेवा

अमेरिकी एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) ने कांग्रेस के साथ साझा किए गए 281-पेज के दस्तावेज में इस समर्थन को खत्म करने की योजना का संकेत दिया गया है, जो अमेरिका फर्स्ट नीति के बदलाव का हिस्सा है। इस पर गावी, द वैक्सीन एलायंस ने अमेरिकी फंडिंग के रुकने पर गंभीर चिंता जताई है। गावी की सीईओ डॉ सानिया निश्तार ने चेतावनी दी है कि इससे वैश्विक स्वास्थ्य पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। मीडिया को दिए गए हालिया बयानों में, निश्तार ने जोर देकर कहा कि अमेरिकी समर्थन में कटौती से लगभग 13 लाख बच्चों की मौतें हो सकती हैं। जिनको रोका जा सकता है। इससे दुनिया में बीमारी के प्रकोपों का सामना करने की क्षमता गंभीर रूप से कमजोर हो जाएगी। यह चेतावनी उन रिपोर्टों के बाद आई है जिनमें कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन गावी के लिए फंडिंग खत्म करने की योजना बना रहा है। गावी एक सार्वजनिक-निजी साझेदारी है जिसने 2000 से अब तक निम्न-आय वाले देशों में 1.1 अरब से अधिक बच्चों का टीकाकरण किया है और लगभग 1.9 करोड़ मौतों को रोका है। अमेरिका, गावी का तीसरा सबसे बड़ा दाता है, जो वर्तमान में इसके बजट का लगभग 15 प्रतिशत योगदान देता है। जिसमें 2026-2030 के लिए 1.6 अरब डॉलर देने का वादा शामिल है। वाशिंगटन से बोलते हुए निश्तार ने कहा कि गावी को आधिकारिक रूप से खत्म होने का नोटिस नहीं मिला है। मगर व्हाइट हाउस और कांग्रेस के साथ 30 करोड़ डॉलर की दीर्घकालिक फंडिंग को सुरक्षित करने के लिए तत्काल बातचीत कर रही हैं। उन्होंने संभावित कटौती को विनाशकारी बताया। इससे पांच साल में 7.5 करोड़ बच्चों के नियमित टीकाकरण को खतरा पैदा होगा। जिससे वे खसरा, पोलियो और तपेदिक जैसी बीमारियों के प्रति संवेदनशील हो जाएंगे।

लो अब झीलों और नदियों से भी घटने लगी ऑक्सीजन, जलीय जंतुओं पर संकट

एजेंसी ■ वाशिंगटन

आने वाले समय में झील, नदियां और समुद्र अपना अस्तित्व खो दें तो हैरान होने की जरुरत नहीं है। चीनी एकेडमी ऑफ साइंसेज की नई स्टडी कुछ इसी तरह का इशारा कर रही है। जिसमें कहा गया है कि झीलों और नदियों से ऑक्सीजन खत्म हो रही है।1980 से 2017 के बीच झीलों की सतह के पानी में 5.5 प्रतिशत और गहरे पानी में 18.6 प्रतिशत तक ऑक्सीजन की कमी दर्ज की गई है। यह गिरावट नदियों और समुद्रों में भी देखी गई है, लेकिन कुछ झीलों में ऑक्सीजन स्तर समुद्रों से नौ गुना तेजी से गिरा है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर यह ट्रेंड जारी रहा तो आने वाले दशकों में झीलों का पारिस्थितिकी तंत्र गंभीर खतरे में पड़ सकता है। इस कमी के पीछे कई वजहें हैं, जिनमें ग्लोबल वार्मिंग सबसे अहम है। 2003 से 2023 के बीच 85प्रतिशत झीलों में हीटवेव्स की संख्या बढ़ी है। पानी का तापमान बढ़ने से उसमें ऑक्सीजन घुलने की क्षमता कम हो जाती है, जिससे ऑक्सीजन स्तर में गिरावट आती है। इस प्रक्रिया के कारण 7.7 प्रतिशत ऑक्सीजन लॉस दर्ज किया गया है। दूसरी बड़ी वजह एल्गल ब्लूम यानी शैवाल का तेजी से फैलना है। खेतों में इस्तेमाल होने वाले कीटनाशकों और पशुओं के मल से झीलों में नाइट्रोजन और फॉस्फोरस की मात्रा बढ़ गई है, जिससे शैवाल पनप रहे हैं। ये शैवाल झीलों की ऑक्सीजन सोखकर डेड जोन बना रहे हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, एल्गल ब्लूम्स ने कुल 10 प्रतिशत ऑक्सीजन लॉस में योगदान दिया है। तीसरी और सबसे बड़ी वजह लॉन्ग-टर्म वार्मिंग है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 55प्रतिशत ऑक्सीजन लॉस का कारण लगातार बढ़ता वैश्विक तापमान है। यदि यह प्रवृत्ति जारी रही, तो 2100 तक झीलों में 9प्रतिशत और ऑक्सीजन खत्म हो सकती है।

झीलें धरती की किडनी

ऑक्सीजन की इस कमी का सीधा असर जलीय जीवों पर पड़ रहा है। न्यूजीलैंड में ईल, ऑस्ट्रेलिया में मरे कॉड और यूरोप में मसल्स की मौत हो रही है। समुद्री जीवों के मारे जाने से मत्स्य उद्योग और पर्यटन प्रभावित हो रहा है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी झील अराल सी पहले ही पूरी तरह खत्म हो चुकी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि झीलें धरती की किडनी की तरह काम करती हैं, जो पानी को शुद्ध रखती हैं। अगर इनकी ऑक्सीजन खत्म हो गई, तो पीने का पानी, मछलियों की आबादी और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र खतरे में आ सकता है।

शोध स्टडी के अनुसार, यहां हर दिन का तापमान प्री-इंडस्ट्रियल स्तर से अधिक रहेगा

आर्कटिक का तापमान बढ़ रहा है चार गुना तेजी से

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

आर्कटिक का तापमान बाकी दुनिया की तुलना में चार गुना तेज़ी से बढ़ रहा है, जिससे इसके प्राकृतिक संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। स्टडी के अनुसार, यहां हर दिन का तापमान प्री-इंडस्ट्रियल स्तर से अधिक रहेगा।

गर्मियों के महीनों में समुद्री बर्फ पूरी तरह पिघल जाएगी, ग्रीनलैंड के पिघलने वाले क्षेत्र का दायरा चार गुना बढ़ जाएगा और परमाफ्रॉस्ट क्षेत्र आधा रह जाएगा। इसका असर सिर्फ बर्फ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जंगल, वन्यजीव और पूरा इकोसिस्टम प्रभावित होगा। इंसानी बस्तियों और बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। इस स्टडी के मुताबिक, ग्लोबल वॉर्मिंग को रोकने के प्रयासों में तेजी लाकर इस नुकसान को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। हाल ही में यूएस नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) की 2024 की आर्कटिक रिपोर्ट कार्ड में भी एक और डरावनी बात सामने आई आर्कटिक अब कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने की बजाय छोड़ रहा है। यह पूरी दुनिया के लिए खतरे की घंटी है। इस संकट से निपटने के लिए वैज्ञानिक एआई टूल का उपयोग कर रहे हैं, जो आर्कटिक की समुद्री बर्फ में होने वाले बदलाव की एक साल पहले भविष्यवाणी कर सकता है। इससे नीति-निर्माताओं को इस नाजुक क्षेत्र को बचाने के लिए प्रभावी फैसले लेने में मदद मिलेगी। हालांकि, इस गर्मी को रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर बड़े कदम उठाने होंगे। गंदे ऊर्जा स्रोतों को छोड़कर साफ और सस्ते विकल्प अपनाने होंगे। वैज्ञानिकों का कहना है कि आम लोगों की भागीदारी भी इसमें अहम है। लोगों को सोलर पैनल लगाना, इंडक्शन स्टोव चुनना और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अपनाने जैसे कदम उठाने होंगे, जो धरती को ठंडा रखने में मदद कर सकते हैं। सोलर पैनल जैसे बदलाव बिजली बिल कम करने में भी सहायक हैं। स्टडी की चेतावनी साफ है अगर हमने अभी कदम नहीं उठाए, तो आर्कटिक हमारी आंखों के सामने गायब हो जाएगा।

इसलिए, अब समय आ गया है कि सरकारें, वैज्ञानिक और आम लोग मिलकर इस संकट से निपटने के लिए ठोस कदम उठाएं। बता दें कि ग्लोबल वॉर्मिंग का कहर बढ़ता जा रहा है और इस पर नई स्टडी ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी कार्यक्रम के दौरान स्टेज से गिरे

एजेंसी ■ कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज एक माइनिंग यूनियन सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे थे, जहां पोज देने के लिए जैसे ही कुर्सी से उठे स्टेज से गिर गए। राहत की बात यह रही कि उन्हें किसी तरह की कोई चोट नहीं लगी। उनके स्टेज से गिरने का वीडियो वायरल हुआ है।

जानकारी अनुसार ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज एक कार्यक्रम के दौरान मंच से गिर गए। दरअसल भाषण के बाद जैसे ही वो फोटो खिंचवाने के लिए उठे, तभी लड़खड़ा कर स्टेज से नीचे गिर गए। बताया जा रहा है कि उनका पैर फिसला और वो मंच के पीछे की तरफ गिरे। वहां मॉजूद लोगों ने तुरंत ही उन्हें सहारा देकर उठा लिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में उन्हें कोई चोट नहीं आई। घटना घटित होने के चंद मिनट बाद ही वो मंच पर वापस आए और हंसते हुए लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इस घटना से सभी हैरान रह गए। यह घटना न्यू साउथ वेल्स में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुई है। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री एंथनी के गिरने का वीडियो वायरल हुआ है।

यहां बताते चलें कि ऑस्ट्रेलिया में आम चुनाव का ऐलान हो चुका है और तय कार्यक्रम अनुसार 3 मई को मतदान होना है।

▪ ताहिर अली

बाग प्रिंट: एक विरासत, एक पहचान

बाग प्रिंट केवल एक हस्तशिल्प नहीं, यह संस्कृति, परंपरा और आत्म-अभिव्यक्ति का संगम है

मध्यप्रदेश के धार जिले का छोटा सा कस्बा बाग केवल भौगोलिक पहचान नहीं, बल्कि एक समृद्ध हस्तकला का केंद्र है। यहां विकसित हुई बाग प्रिंट की कला सदियों पुरानी विरासत को जीवित रखते हुए वैश्विक मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। यह हस्तशिल्प कला प्राकृतिक रंगों और हाथ से तराशे गए लकड़ी के ब्लॉकों के माध्यम से कपड़ों पर एक अनोखी छाप छोड़ती है। इस कला को पुनर्जीवित करने और इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मोहम्मद यूसुफ खत्री और उनका परिवार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके अथक प्रयासों ने बाग प्रिंट को भारत और वैश्विक मंच में एक विशिष्ट पहचान दिलाई है।

बाग प्रिंट: ऐतिहासिक धरोहर का पुनर्जागरण: बाग प्रिंट की परंपरा सदियों पुरानी है और यह मूल रूप से खत्री समुदाय द्वारा संरक्षित और संवर्धित की गई। पहले यह कला केवल स्थानीय जरूरतों तक सीमित थी, लेकिन समय के साथ आधुनिक तकनीकों और मिलावट भरे रंगों के चलते इसकी पारंपरिक पहचान खतरे में पड़ने लगी। बाग प्रिंट को विलुप्त होने से बचाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका स्वर्गीय इस्माईल खत्री की रही। उन्होंने इस कला को पुनर्जीवित करने के लिए परंपरागत तकनीकों में नवाचार किए और प्राकृतिक रंगों के उपयोग को बढ़ावा दिया। बाग प्रिंट के जनक स्वर्गीय इस्माईल खत्री द्वारा स्थापित इस कला की विरासत को आज भी उनके परिवार के सदस्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। बाग प्रिंट की इस समृद्ध परंपरा को जीवित रखने में मो. यूसुफ़ खत्री, स्व. मो. अब्दुल क़ादर खत्री, श्रीमती रशीदा बी खत्री, बिलाल खत्री, मो. रफ़ीक खत्री, उमर मो. फारूख खत्री, मो. काज़ीम खत्री, मो. आरिफ खत्री, अब्दुल करीम खत्री, गुलाम मो. खत्री, कासिम खत्री, अहमद खत्री और मोहम्मद अली खत्री जैसे शिल्पकारों का उल्लेखनीय योगदान है।यह परिवार कला, नवाचार और परंपरा के संतुलन को बनाए रखते हुए, बाग प्रिंट को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बाग प्रिंट को जीवंत रखने और वैश्विक पहचान दिलाने में खत्री परिवार दशकों से दे रहा है योगदान: बाग प्रिंट को आज के दौर में जीवित रखने और आगे बढ़ाने में खत्री परिवार की कई पीढ़ियों का योगदान रहा है। उनके परिश्रम और समर्पण ने इस कला को एक नए मुकाम तक पहुंचाया है। एक समय था जब बाग प्रिंट की चमक धीरे-धीरे फीकी पड़ने लगी थी। आधुनिकता के प्रभाव में हस्तशिल्प उद्योग सिकुड़ने लगा था, लेकिन स्वर्गीय इस्माईल खत्री ने इसे पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया। उन्होंने पारंपरिक तकनीकों को संरक्षित रखते हुए, नए प्रयोग किए, जिससे बाग प्रिंट को नया जीवन मिला।

स्वर्गीय अब्दुल कादर खत्री और मोहम्मद यूसुफ खत्री ने इस यात्रा को आगे बढ़ाया और इस कला को वैश्विक मंचों तक पहुंचाया। उनके प्रयासों से यह प्रिंटिंग तकनीक सिर्फ धार जिले तक सीमित नहीं रही, बल्कि भारत और विदेशों में भी प्रसिद्ध हो गई।

कलाकारों का दृष्टिकोण - बाग प्रिंट को संजोने और वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में खत्री परिवार की कई पीढ़ियों का योगदान रहा है। जब इस कला के संरक्षण और भविष्य को लेकर खत्री परिवार के सदस्यों और अन्य कलाकारों से चर्चा की गई, तो उनके विचारों से पता चला कि यह केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन है।

मो. यूसुफ़ खत्री का कहना है कि - हमारे पिता ने हमें सिखाया कि कला केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि आत्मा की अभिव्यक्ति है। स्वर्गीय अब्दुल कादर भाई ने इस सीख को आत्मसात किया और बाग प्रिंट को नई ऊंचाइयों तक ले गए। हमें गर्व है कि हमारी कला आज एक पहचान बन चुकी है। हमारी आने वाली पीढ़ियाँ भी इस कला को जीवित रखने में लगी हुई हैं। श्री बिलाल खत्री (मो. यूसुफ़ खत्री के बेटे) कहते हैं: पिता जी का सपना था कि बाग प्रिंट को एक ब्रांड के रूप में पहचाना जाए। आज, जब हम इसे वैश्विक स्तर पर देख रहे हैं, तो हमें गर्व महसूस होता है। लेकिन हमारी जिम्मेदारी यहीं खत्म नहीं होती, हमें इसे और आगे ले जाना है। श्रीमती रशीदा बी खत्री (स्वर्गीय श्री अब्दुल कादर खत्री की पत्नी) कहती हैं कि: हम सब इस कला के लिए एकजुट हैं। यह सिर्फ हमारा व्यवसाय नहीं, बल्कि हमारी परंपरा और पहचान है। जब हम किसी कपड़े पर हाथ से छपाई करते हैं, तो उसमें हमारी आत्मा झलकती है।

एक अमूल्य धरोहर की यात्रा: बाग प्रिंट केवल एक हस्तशिल्प नहीं, बल्कि यह संस्कृति, परंपरा और आत्म-अभिव्यक्ति का संगम है। यह एक ऐसी कला है, जो समय की कसौटी पर खरी उतरी है और आधुनिकता की चुनौतियों के बावजूद अपनी मौलिकता बनाए रखने में सफल रही है।

इस यात्रा को करीब से देखने के बाद, यह स्पष्ट होता है कि बाग प्रिंट को जिंदा रखना केवल एक परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। यह एक ऐसी धरोहर है, जिसे अगर समय रहते संरक्षित नहीं किया गया, तो यह केवल संग्रहालयों की वस्तु बनकर रह जाएगी।

खत्री परिवार इस कला को जीवित रखने के लिए जिस जुनून और समर्पण के साथ काम कर रहे हैं, वह काबिले-तारीफ है। लेकिन यह भी जरूरी है कि सरकार और समाज मिलकर इस कला को और अधिक समर्थन दें। आर्ट फंडिंग, डिज़ाइन इनोवेशन और डिजिटल मार्केटिंग जैसी नई रणनीतियों को अपनाकर इसे और अधिक व्यापक रूप से प्रचारित किया जा सकता है।

बाग प्रिंट को लेकर उनका क्या अनुभव रहा?: श्री उमर फ़ारूख़ खत्री इस सवाल के जवाब में कहते हैं, शुरुआत में लोगों को समझाना बहुत मुश्किल था कि यह केवल एक परंपरागत कला नहीं, बल्कि एक जीवंत धरोहर है। धीरे-धीरे जब हमारे डिज़ाइनों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली, तो हमें लगा कि हम सही दिशा में जा रहे हैं। आज, जब विदेशों में लोग हमारे प्रिंट पहने हुए दिखते हैं, तो खुशी का अहसास होता है।

भविष्य की संभावनाएं: बाग प्रिंट आज दुनिया के कई देशों में अपनी पहचान बना चुका है। स्पेन, जर्मनी, फ्रांस, इटली, अमेरिका, कोलंबिया, थाईलैंड, रूस, चीन, अर्जेंटीना और बहरीन में इस कला का प्रदर्शन किया जा चुका है। श्री आरिफ़ खत्री कहते हैं: हमारी अगली पीढ़ी को बाग प्रिंट को केवल संरक्षित नहीं, बल्कि इसे और अधिक वैश्विक बनाना होगा। नई तकनीकों और डिजाइनों से इसे आधुनिक फैशन उद्योग से जोड़ना हमारा लक्ष्य है। इससे न केवल इस कला को नया जीवन मिलेगा, बल्कि हमारे शिल्पकारों को भी अधिक अवसर प्राप्त होंगे। यूसुफ खत्री भी इस बात पर सहमति जताते हैं। उनका मानना है कि बाग प्रिंट को सिर्फ पारंपरिक कपड़ों तक सीमित न रखते हुए, इसे होम डेकोर, एक्सेसरीज़ और आधुनिक फैशन ब्रांड्स के साथ जोड़ना होगा।

श्री बिलाल खत्री इस दिशा में कई नवाचार कर रहे हैं। वे कहते हैं, आज, जब दुनिया सस्टेनेबल फैशन और इको-फ्रेंडली प्रोडक्ट्स की ओर बढ़ रही है, बाग प्रिंट की प्राकृतिक रंगाई और हस्तनिर्मित छपाई इसे एक अनोखी और टिकाऊ कला बनाती है। हमें इसे बड़े डिज़ाइन हाउस और फैशन ब्रांड्स तक पहुंचाने का प्रयास करना होगा।

युवा पीढ़ी की भूमिका: बाग प्रिंट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में युवा कलाकारों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। बिलाल खत्री जैसे युवा कलाकार अब इस कला को डिजिटल युग और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। हमारी अगली पीढ़ी को बाग प्रिंट को केवल संरक्षित नहीं, बल्कि इसे और अधिक वैश्विक बनाना होगा। नई तकनीकों और डिजाइनों से इसे आधुनिक फैशन उद्योग से जोड़ना हमारा लक्ष्य है। – श्री आरिफ खत्री (स्वर्गीय अब्दुल कादर खत्री के बेटे)

हमारा लक्ष्य सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि हमारी परंपरा को जीवित रखना है: यूसुफ खत्री और उनका परिवार इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। अगर इसी गति से नवाचार और विस्तार जारी रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब बाग प्रिंट वैश्विक फैशन और आर्ट इंडस्ट्री का अभिन्न हिस्सा बन जाएगा। स्वर्गीय श्री अब्दुल कादर खत्री कहते थे कि हमारा लक्ष्य सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि हमारी परंपरा को जीवित रखना है। जब कोई युवा इसे सीखता है और अपनी आजीविका बनाता है, तो हमें सबसे ज्यादा खुशी होती है। बाग प्रिंट सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि यह भारत की आत्मा का प्रतिबिंब है। यह एक ऐसी विधा है, जिसने समय के साथ खुद को ढालते हुए भी अपनी मौलिकता नहीं खोई है। लेखक के रूप में इस यात्रा को समझने के बाद, यह स्पष्ट होता है कि बाग प्रिंट का भविष्य तभी उवल रहेगा जब यह केवल एक पारंपरिक कला नहीं, बल्कि एक विकसित और व्यावसायिक रूप से सफल ब्रांड बने। इसके लिए सरकार, समाज, और शिल्पकारों को मिलकर काम करना होगा।

परंपरागत बाग प्रिंट कार्य-विधि (संक्षिप्त विवरण): बाग प्रिंट की पूरी प्रक्रिया को विभिन्न चरणों में विभाजित किया जाता है, जिसमें कपड़े की तैयारी, रंगाई, छपाई, और अंतिम परिष्करण शामिल हैं।

1. खारा विधि - कपड़े को धोकर सुखाया जाता है और बकरी की मेंगनी व अरंडी तेल के घोल में डुबोया जाता है। फिर इसे भूमिगत तापमान पर रखा जाता है और बहते पानी में धोया जाता है। यह प्रक्रिया कपड़े को मुलायम बनाती है और रंगों को बेहतर अवशोषित करने में मदद करती है।

2. पीला विधि - कपड़े को हरड़ के घोल में डुबोकर धूप में सुखाया जाता है, जिससे यह पीले रंग का हो जाता है। इसे ही बेस कहा जाता है, जो छपाई के लिए कपड़े को तैयार करता है।

3. लाल और काला रंग निर्माण

लाल रंग: फिटकरी, गोंद और इमली के बीज से तैयार किया जाता है।

ज़्काला रंग: लोहे की जंग, गुड़, गेहूं का आटा और चूने के मिश्रण को 8-10 दिन तक सड़ाकर बनाया जाता है।

4. ब्लॉक प्रिंटिंग - लकड़ी के ब्लॉकों (भांतों) की मदद से हाथों से छपाई की जाती है। संतुलित दबाव और कोनों की सटीक छपाई से उत्कृष्ट डिज़ाइन उभरते हैं।

5. विछलियाँ विधि - छपे हुए कपड़े को नदी के बहते पानी में धोकर अतिरिक्त रंग हटाया जाता है।

6. भट्टी विधि -कपड़े को प्राकृतिक रंगों के घोल में उबाला जाता है, जिससे लाल, काले और सफेद रंगों में निखार आता है।

7. तपाई विधि -कपड़े को पत्थरों पर सुखाया जाता है, जिससे यह स्वाभाविक रूप से सफेद और चमकदार हो जाता है।

8. अन्य रंग निर्माण -

खाकी रंग: धावड़े के पत्तों और अनार के छिलकों से बनाया जाता है।

ज्नीला रंग: इंडिगो पौधे के पत्तों से तैयार किया जाता है।

ज़्हरा रंग: इंडिगो से रंगे कपड़े को अनार के छिलकों या धावड़े के पत्तों के घोल में डुबोकर बनाया जाता है। बाग प्रिंट की यह पारंपरिक विधि पूरी तरह से प्राकृतिक और पर्यावरण के अनुकूल है, जो इसे एक अनोखी और टिकाऊ कला बनाती है।

बाग प्रिंट में खत्री परिवार के प्रमुख शिल्पकारों का योगदान

बाग प्रिंट भारत की एक प्राचीन हस्तकला है, जिसमें प्राकृतिक रंगों और हाथ से बने लकड़ी के ब्लॉकों का उपयोग कर कपड़ों पर सुंदर और जटिल डिज़ाइन उकेरे जाते हैं। मध्य प्रदेश के धार जिले के बाग कस्बे में इस कला को जीवित और विकसित करने में कई प्रमुख शिल्पकारों का योगदान रहा है। इनमें से कुछ प्रमुख नाम इस प्रकार हैं:

श्री इसमाईल सुलेमानजी खत्री - श्री इसमाईल सुलेमानजी खत्री बाग प्रिंट ठप्पा छपाई कला के जनक और संरक्षक थे, जिन्होंने इस परंपरागत कला को वैश्विक पहचान दिलाई। मध्यप्रदेश के मनावर में जन्मे, उन्होंने अपने पिता से इस विरासत को अपनाया और इसके संरक्षण व विकास में जीवन समर्पित कर दिया। 1946 में गांधीवादी आंदोलन के दौरान हाथ की छपाई को बढ़ावा मिला, जिससे उन्होंने नान्दना प्रिंट और अलिजरीन प्रिंट जैसी नई तकनीकों को विकसित किया।

उन्होंने आदिवासी और पारंपरिक लोक कलाओं को बाग प्रिंट में समाहित कर इसे नया आयाम दिया।

(लेखक सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक जनसम्पर्क हैं)

ट्रंप के टैरिफ का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखेगा जल्द असर

डॉ हिदायत अहमद खान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ मामले में जो कहा वह करके दिखला दिया है। इसे लेकर दुनियां के अनेक देश दोस्ती और दुश्मनी वाला फार्मूला तलाशने में लग गए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रंप के टैरिफ से किसे क्या नुक्सान और क्या फायदा होगा, लेकिन इतना तो तय है कि ट्रंप ने एक बार फिर अपनी व्यापारिक नीतियों से वैश्विक बाजार में हलचल मचा दी है। हाल ही में उन्होंने चीन, भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत कई देशों पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। चीन पर 34 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा, भारत से अमेरिका में आयात होने वाले सामानों पर 26 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की घोषणा की गई।

ट्रंप का कहना है कि यह कदम अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है। जहां तक भारत की बात है तो ट्रंप ने यहां के लिए 26 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा करते हुए दावा किया कि भारत अमेरिकी आयात पर 52 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। हालांकि, भारतीय व्यापार नीति और अमेरिकी निर्यात पर लगाए गए करों का विश्लेषण करने पर यह आंकड़ा अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है। इसलिए यदि यह कहा जा रहा है कि ट्रंप की यह नई घोषणा भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को प्रभावित कर सकती है, तो गलत नहीं है। देखने वाली बात तो यह भी है कि जिस तरह से ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको को लेकर बयान दिए थे, उसके बाद यही कहा जा रहा था कि इन देशों पर सौ फीसद टैरिफ लगाया जा सकता है, लेकिन इसके उलट व्हाइट हाउस ने कनाडा और मैक्सिको को इस टैरिफ से छूट दे दी। इसकी वजह इन दोनों देशों के साथ अमेरिका के मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते लागू होने को बताया जा रहा है। मतलब यह हुआ कि ट्रंप बयान कुछ देते हैं और नीति कुछ और लागू करते हैं, जिसका उदाहरण ये दो देशों को टैरिफ से छूट और भारत को दोस्त बताने के बावजूद टैरिफ में शामिल करना है। इस स्थिति में ट्रंप के अन्य देशों पर लगाए गए नए शुल्क वैश्विक व्यापार पर महत्वपूर्ण असर डालने वाले साबित हो सकते हैं, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था अस्थिर हो सकती है। ट्रंप की नई टैरिफ नीति के चलते वैश्विक व्यापारिक संतुलन बिगड़ सकता है। विचार करने वाली बात है कि कोविड-19 महामारी के बाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था अभी बमुश्किल संभलने का प्रयास कर रही थी कि यह नया झटका निवेशकों की चिंता बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। यह टैरिफ वैश्विक व्यापारिक वृद्धि को धीमा कर सकते हैं, कॉर्पोरेट आय पर असर डाल सकते हैं और महंगाई बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं हुआ कि अमेरिका दुनियां के अन्य देशों से हटकर मंदी की मार से बच रहेगा। बल्कि इसका बुरा असर उस पर भी पड़ेगा। इसका आंकलन करते हुए ही इंफ्रास्ट्रक्चर कैपिटल एडवाइजर्स के सीईओ जय हैटफील्ड कहते हैं, कि यह सबसे बुरी स्थिति है, जिसकी बाजार को उम्मीद थी। अमेरिका को मंदी में धकेलने के लिए यह टैरिफ काफी हैं, और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी। इसी प्रकार नोमूरा रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रमुख अर्थशास्त्री ताकाहिदे कियुची ने भी ट्रंप की इस नीति को ग्लोबल फ्री ट्रेड के लिए खतरा बताया है। उनका मानना है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अमेरिका ही वैश्विक मुक्त व्यापार का नेतृत्व कर रहा था, लेकिन इस तरह के टैरिफ से यह प्रणाली बुरी तरह प्रभावित होगी। ऐसे में भारत समेत दुनियां के अनेक देशों के लिए यह नई टैरिफ नीति चिंता का विषय बनी हुई है। भारतीय निर्यातकों को डर है कि इससे उनके उत्पादों की अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता घट जाएगी। अगर अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया, तो भारतीय व्यापारियों को अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ानी पड़ेंगी, जिससे उनकी मांग कम हो सकती है। मांग घटने पर आपूर्ति घट जाएगी और उत्पादन पर विपरीत असर पड़ेगा। कंपनी व उद्योग जगत को खासा नुक्सान उठाना पड़ेगा। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका के ये कड़े कदम वैश्विक व्यापार युद्ध को और भड़का सकते हैं। यूरोपीय संघ और चीन जैसे बड़े व्यापारिक साझेदार अमेरिका की इस नीति के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगा सकते हैं, जिससे वैश्विक व्यापार और अधिक जटिल हो सकता है। कुल मिलाकर ट्रंप के टैरिफ से केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियां के अन्य देश भी बुरी तरह प्रभावित होंगे, जिससे अमेरिका खुद भी अछूता नहीं रह पाएगा। अब यदि अमेरिका ने अपनी टैरिफ नीति में नरमी नहीं दिखाई, तो भारत को इसका संतुलित जवाब तो देना ही होगा। गौर करने वाली बात यह है कि भारत अमेरिका से कई महत्वपूर्ण तकनीकी और रक्षा उपकरण आयात करता आया है, और यदि यह व्यापार प्रभावित हुआ तो इससे दोनों देशों के संबंधों पर भी असर पड़ सकता है। इससे पहले भी, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार विवाद सामने आए हैं। जैसे कि 2019 में ट्रंप प्रशासन ने भारत को 'जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेस' से बाहर कर दिया था, जिससे भारत को अमेरिका में व्यापारिक छूट मिलना बंद हो गई थी। अब नए टैरिफ के चलते व्यापारिक रिश्ते और अधिक जटिल होने की आंशका है। डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ दुनिया के व्यापारिक संतुलन को बदल सकते हैं। जहां अमेरिका इसे अपनी आर्थिक स्वतंत्रता की घोषणा मान रहा है, तो वहीं भारत और अन्य देश इसे व्यापारिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाला कदम बता रहे हैं। बावजूद इसके टैरिफ पर अमेरिका से लगातार बातचीत होनी चाहिए और व्यापारिक रिश्तों को बचाए रखने के साथ व्यापार को सुगम बनाने की पहल होती रहनी चाहिए।

संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बन रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वही संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार-चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया गया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा। यह सर्वविदित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र,ऊ छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। आने वाले समय में भाजपा के लिये संघ का सहयोग पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करने एवं जड़े जमाने में मील का पत्थर साबित होगा। इन राज्यों में संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है। यानी दोनों अब सामंजस्य, सहयोग व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात भाजपा अब अपने वैचारिक एवं ऊर्जा स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। मोदी की नागपुर यात्रा के अनेक शुभ संकेत देखे जा रहे हैं, इसको औरंगजेब, राणा सांगा, संभल विवाद के बीच हिन्दुत्व की राजनीति को नई धार देने की कोई योजना के साथ जोड़कर भी देखा जा रहा है।

फीचर

प्लेटलेट्स कैसे बढ़ाएं

एक स्वस्थ शरीर की निशानी है शरीर में प्लेटलेट्स की सही मात्रा होना एवं उनका सही तरीके से काम करना। लेकिन प्लेटलेट्स की कमी होने का नुकसान आपके शरीर एवं स्वास्थ्य को भुगतना पड़ता है।

अपने खानपान के माध्यम से आप आसानी से प्लेटलेट्स की संख्या में इजाफा कर सकते हैं। प्रोटीन, विटामिन ए, सी, के, फोलेट, जिंक, फोलिक एसिड, सेलेनियम आदि पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेना, प्लेटलेट्स में वृद्धि करने में कारगर उपाय साबित होगा। अपनी डाइट में दही, आंवला, लहसुन, ग्रीन टी के साथ ही नारियल पानी और अनार, पपीता, सेब, चुकंदर जैसे फलों को भी शामिल करें साथ ही पपीते के पत्तों का रस पीना भी एक लाभप्रद उपाय है। रोजाना एलोवेरा का सेवन भी इसके लिए फायदेमंद है। 20 से 25 ग्राम की मात्रा में प्रतिदिन एलोवेरा का गुदा खाएं या फिर इसका जूस बनाकर पिएं। व्हीटग्रास यानि ज्वारों का उपयोग भी प्लेटलेट्स को बढ़ाने में काफी मददगार है। रोजाना सुबह खाली पेट ज्वारे का रस निकालकर पीने से धीरे-धरे प्लेटलेट्स की संख्या में इजॉफा होगा। गिलोय का प्रयोग भी इसके लिए एक रामबाण उपाय है। गिलोय को तुलसी के साथ मिलाकर दोनों को अच्छी तरह उबालें और काढ़ा तैयार करें। इस काढ़े का रोजाना प्रयोग लाभदायक होगा।

आम तौर पर खून की कमी को एनीमिया के रूप में देखा जाता है। आयरन की कमी होना भी इसका एक प्रमुख कारण है। छोटे बच्चों, महिला खिलाड़ियों, सर्जरी या एक्सीडेंट के मरीजों में एनीमिया का खतरा अधिक होता है। वहीं महिलाओं में माहवारी के दौरान होने वाले रक्तस्त्राव एवं गर्भावस्था के कारण यह समस्या हो सकती है। एनीमिया की समस्या से बचने के लिए, रेड मीट, सी-फूड और अंडा फायदेमंद होता है। लेकिन अगर आप शाकाहारी हैं, तो सोयाबीन, मटर, सूखे मेवे और एप्रिकॉट आपके लिए बेहतर विकल्प है।

प्रेरणा

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वंद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वंद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वंद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वंद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो।

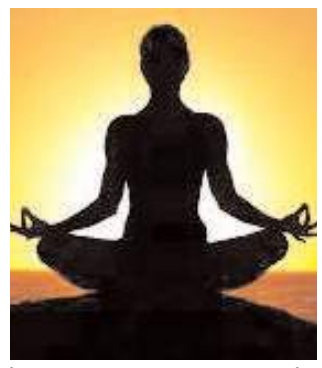

जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वत- समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर।

अपनी बात

नितिन गडकरी ने कहा कि शिवाजी महाराज धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को मानने वाले शासक थे। शिवाजी पर एक पुस्तक का विमोचन करते हुए गडकरी ने कहा कि भारतीयों के दिल में उनका एक खास स्थान है। उन्होंने कहा कि वह मेरे और मेरे माता-पिता के लिए भी खास स्थान रखते हैं। उन्होंने कहा कि आज सेकुलर शब्द बहुत ज्यादा प्रचलन में है, लेकिन इंग्लिश डिक्शनरी में जो सेकुलर शब्द है, उसका अर्थ पंथनिरपेक्षता से नहीं है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वे झुकने वाले नहीं है। दरअसल, खरगे वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान बुधवार को भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा लगाए गए आरोपों पर पलटवार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद ठाकुर ने उन पर जो बेबुनियाद आरोप लगाए हैं, अगर वे आरोप सही साबित होते हैं, तब वह खुद इस्तीफा दे दूंगा।

ब्रीफ न्यूज

केंट क्षेत्र से अपहृत नाबालिग किशोरी दिल्ली से दस्तयाब, दुष्कर्मी को भेजा जेल

गुना। शहर के केंट थाना क्षेत्र से अपहृत नाबालिक एक किशोरी को पुलिस ने दिल्ली से दस्तयाब किया है। किशोरी के अपहरण व उससे दुष्कर्म के आरोपी को भी गिरफ्तार कर जेल पहुंचाया है। गौरतलब है कि 16 फरवरी को गुना के केंट थाना क्षेत्र से 17 वर्षीय एक नाबालिग किशोरी के घर पर किसी को भी बिना कुछ बताये कहीं चले जाने पर बालिका के पिता द्वारा 16 फरवरी 25 को ही उसके गुम होने की रिपोर्ट केंट थाने पर दर्ज कराई गई थी । जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अप.क्र. 171/25 धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर केंट थाना पुलिस प्रकरण में अपहृत किशोरी की तलाश में सक्रियता से जुट गई और इस हेतु अपना मुखबिर जाल बिछाकर विभिन्न तकनीकी संसाधनों की मदद से कडी से कडी मिलाकर अपहृता को खोजने के निरंतर प्रयास किए गए। जिसके परिणाम स्वरुप अपहृता के दिल्ली में होने की जानकारी पुलिस को मिलने पर कैंट थाने से पुलिस की एक टीम दिल्ली के लिए रवाना हुई। टीम द्वारा दिल्ली में अपनी सूझबूझ का परिचय देकर गत् दिवस को अपहृत बालिका को दस्तयाब कर लिया गया । दस्तयाबी पर अपहर्ता द्वारा दिये गये कथनों के आधार पर प्रकरण में आरोपी दिनेश सपेरा निवासी गोकुल सिंह का चक गुना के विरुद्ध धारा 64(2)(एम) बीएनएस एवं 5(एल)/6 पॉक्सो एक्ट इजाफा की गई और पुलिस द्वारा आज दिनांक 03 अप्रेल 2025 को प्रकरण के आरोपी दिनेश पुत्र कन्हैयालाल सपेरा निवासी गोकुल सिंह का चक गुना को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया है। पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव, उपनिरीक्षक ज्योति राजपूत, प्रधान आरक्षक हरिओम किरार, आरक्षक माखन चौधरी, आरक्षक शुभम रघुवंशी, आरक्षक सागर आस्के, महिला आरक्षक सीमा चौहान एवं सायबर सेल से आरक्षक कुलदीप भदौरिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ।

विशेष पिछडी जनजातियों के 11,899 परिवारों की महिलाओं को मिलेगा 450 रूपये में गैस सिलेण्डर

गुना। राज्य शासन द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार सहरिया, बैगा एवं भारिया विशेष पिछडी जनजातियों के परिवारों को कुपोषण से मुक्ति के लिये आर्थिक सहायता योजना के लाभार्थियों द्वारा माह अगस्त 2024 से माह फरवरी 25 तक कराई गई गैस रिफिल को रूपये 450 में प्रदाय करने तथा उपभोक्ता द्वारा भुगतान की गई अंतर राशि का भुगतान किया जावेगा। इसके भुगतान के लिये समग्र से विशेष पिछडी जनजातियों के जिले में 11,899 हितग्राहियों का आधार सत्यापन कराने की व्यवस्था लाड़ली बहना पोर्टल पर किया जा रहा है। उक्त जिले की 30 गैस एजेन्सी संचालकों की बैठक आयोजित कर आधार सत्यापन का कार्य दो दिवस में करने के निर्देश दिये गये है। इसके अतिरिक्त सभी सहायक/कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रिय गैस एजेन्सी से आधार का डाटा प्राप्त करने के लिये निर्देशित किया गया है।

अवैध कब्जा हटाकर आवेदक को दिलाया भूमि पर अधिकार

गुना। तहसीलदार गुना नगर के न्यायालय में आवेदक जितेंद्र कुमार रघुवंशी द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर सुनवाई के बाद ग्राम सोजना की भूमि सर्वे नंबर 21/1, 21/2, रकबा 2.052 हेक्टेयर पर किए गए अवैध कब्जे को हटाने की कार्यवाही पूरी की गई। आवेदक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि अनावेदक नफीस, सफीक पुत्रगण मुसाफिर अली, ग्राम बजरंगगढ़, ने उनकी भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है और बार-बार कहने के बावजूद भी कब्जा नहीं हटाया जा रहा था। न्यायालय ने मामले की सुनवाई कर मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 250 के तहत आदेश पारित किया, जिसके तहत 3 अप्रैल 2025 को अनावेदकों को बेदखल कर भूमि पर आवेदक का कब्जा दिलाया गया। कार्यवाही तहसीलदार गुना नगर जी.एस. बैरवा के नेतृत्व में की गई, जिसमें राजस्व निरीक्षक कैलाश नारायण साहू, पटवारी जगदीश कुशवाह, सुरेंद्र शर्मा, राजेश साहू, मनीष नामदेव और बजरंगगढ़ थाना पुलिस बल की उपस्थिति में जेसीबी की मदद से कब्जा हटाकर भूमि पर पोल गड़वाकर तार फेंसिंग कराई गई। इस कार्रवाई से अवैध कब्जाधारियों पर सख्ती के संकेत दिए गए हैं और यह संदेश दिया गया है कि प्रशासन जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडीएम अखिलेश जैन, उप संचालक कृषि अशोक उपाध्याय, उप संचालक हॉर्टिकल्चर केपीएस किरार, उप संचालक वेटरनरी डॉ. आर.के. त्यागी सहित कृषक संघ एवं किसान प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि उन्हें ब्लॉक स्तर के प्रत्येक किसान तक पहुँचना है। उन्होंने किसानों से सीधा संवाद स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा कि केवल औपचारिकता निभाने से बात नहीं बनेगी, बल्कि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और नवाचारों के बारे में जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ व्यवसायिक एवं जैविक कृषि तथा पशुपालन को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि कृषि विभाग एवं अन्य संबद्ध विभाग मिलकर कार्य करें ताकि जिले के किसानों की आय में वृद्धि हो और क्षेत्र में समग्र कृषि विकास हो। उन्होंने निर्देश दिए कि फसल अवशेष जलाने की प्रवृत्ति को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने बताया कि अवशेष जलाने से भूमि की उर्वरता कम होती है, केंचुए एवं लाभदायक जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे फसल उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। बैठक में कृषि उपसंचालक ने बताया कि नरवाई जलाने से भूमि की जल धारण क्षमता कम हो जाती है और फसल जल्दी सूख जाती है।

उन्होंने इसके प्रबंधन हेतु कंबाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम अथवा भूसा मशीन के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने बताया कि पंचायत भवनों पर जागरूकता पोस्टर लगाए गए हैं और ग्रामीणों को प्रशिक्षित भी किया जा रहा है। बैठक के दौरान कृषकों और कृषक संघों ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक के अंत में कलेक्टर श्री कन्याल ने निर्देश दिया कि कृषि, हॉर्टिकल्चर और वेटरनरी विभाग मिलकर किसानों को अधिक से अधिक जागरूक करें और पशुधन को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने नकली खाद और बीज बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए और चेतावनी दी कि यदि किसी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता पाई गई, तो उसके विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई होगी।

इसके पश्चात कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने खेत बचाओ, अब न नरवाई जलाओ के नारे के साथ फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रथ के माध्यम से किसानों को फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से होने वाले लाभ के प्रति जागरूक किया जायेगा।

खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई, अवैध रेत उत्खनन में लिप्त वाहन जब्त

सत्ता सुधार ■ गुना

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन में खनिज विभाग द्वारा अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा गुना, श्रीमती जिया फातिमा के मार्गदर्शन में खनिज अमले ने आकस्मिक जांच की। जांच के दौरान ग्राम देवमढ़ी में नदी किनारे अवैध रूप से रेत का उत्खनन और परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्राली तथा एक ट्रैक्टर-लोडर पकड़े गए। खनिज विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन वाहनों को जब्त कर थाना आरोन की अभिरक्षा में रखवा दिया है। प्रकरण तैयार कर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जिसके बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री कन्याल ने सख्त निर्देश दिए हैं कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण की गतिविधियों पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जाए और इस तरह की अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

ग्राम काबर बमोरी भू-अर्जन अवार्ड, रजिस्ट्री के लिए कैम्प का किया आयोजन

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार एसडीएम राघौगढ़ के मार्गदर्शन में ग्वालटोरिया परियोजना के सम्बंध में ग्राम काबर बमोरी में कैम्प आयोजित कर भू-अर्जन अवार्ड/रजिस्ट्री के लिए कैम्प आयोजित कर प्रभवित कृषकों से मौके पर ही आवश्यक दस्तावेज लिए गए। यह कैंप 4 अप्रैल 25 को भी आयोजित किया जायेगा। कैम्प के दौरान ग्राम में मौके पर ही रजिस्ट्री हेतु कार्यवाही की जावेगी। इस दौरान तहसीलदार बमोरी देवदत्त गोलिया, एसडीओ जल संसाधन महेंद्र सिंह, सब-इंजीनियर अजय सक्सेना सहित पुलिस का अमला उपस्थित रहा।

गेहूँ उपार्जन हेतु किसान पंजीयन की अंतिम तिथि 8 अप्रैल

गुना। किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये किसानों की पंजीयन की अवधि 31 मार्च 25 तक निर्धारित की गई थी। शासन द्वारा गेहूँ उपार्जन के लिये किसान पंजीयन की अवधि 9 अप्रैल 25 तक बढाई गई है। सभी किसानों से अनुरोध है कि ऐसे किसान जो किसी कारणवश गेहूँ उपार्जन हेतु पंजीयन नहीं कर सके हैं वह 9 अप्रैल 25 तक पंजीयन करा सकते है।

हिलगना स्कूल पहुंचे एसपी, पढ़ाया बच्चों को पाठ

स्कूल चले हम अभियान के तहत नवीन शिक्षा सत्र के लिये स्कूलों में मनाये जा रहे प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

सत्ता सुधार ■ गुना

नवीन शिक्षा सत्र 2025-26 हेतु जिले के सभी शासकीय स्कूलों में 1 अप्रेल 25 से 4 अप्रेल 25 तक चार दिवसीय प्रवेशोत्सव अभियान के तहत भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक आदि के द्वारा विद्यार्थियों से भेंटकर उनके बेहतर तरीके से पढ़ाई करने एवं अपने माता-पिता, शहर व गांव का नाम रोशन करने के लिये प्रेरित किया जा रहा है । इसी कड़ी में एसपी संजीव कुमार सिंहा गुरूवार को जिले के ग्राम हिलगना स्कूल पहुंचे और यहां पर शिक्षक बनकर छात्रों से परिचय लिया और कई विषयों पर प्रेरणादायी संवाद करते हुए उनकी रुचि वाले विषयों की जानकारी ली। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में अपने अनुभव छात्र- छात्राओं से साझा कर उन्हें जीवन में सफल होने का पाठ पढ़ाया । साथ ही बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित कर बेहतर भविष्य हेतु उनका मनोबल बढ़ाया । इस दौरान 8वीं कक्षा की एक छात्रा द्वारा आगे स्वयं का भारतीय पुलिस सेवा में आने का सपना होना बताकर मार्गदर्शन मांगे जाने पर पुलिस अधीक्षक श्री सिंहा द्वारा छात्रा से सहर्ष चर्चा कर संघ लोक सेवा की परीक्षा से संबंधित संपूर्ण जानकारी साझा कर परीक्षा में सफल होने जरूरी बच्चों को टिप्स दिये गये । अंत में एसपी श्री सिंहा द्वारा कक्षा-1 से 8 तक के छात्रों को किताबें व स्टेशनरी भेंट की गई। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक पूजा उपाध्याय, प्रभारी यातायात निरीक्षक अजयप्रताप सिंह, महिला थाना प्रभारी उपनिरीक्षक प्रियंका तिवारी आदि सहित अन्य पुलिस कर्मचारी तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी व स्कूल स्टाफ मौजूद रहा ।

बोहरा समाज ने समाजसेवियों को किया सम्मानित

सत्ता सुधार ■ गुना

बोहरा परिसर में समाजसेवा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें दाऊदी बोहरा समाज ने विभिन्न सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में समाजसेवा और धार्मिक कार्यों में सक्रिय कई संगठनों को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से श्री सनातन एकता मिशन और प्रथम बागेश्वर धाम महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष लकी सक्सेना एवं राष्ट्रीय सचिव पिंकी सक्सेना को उनके सनातन धर्म से जुड़े सामाजिक कार्यों के लिए विशेष सम्मान दिया गया। अतिथियों ने उनके प्रयासों की सराहना की और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में समाज के प्रतिष्ठित नागरिकों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। अतिथियों ने अपने संबोधन में समाजसेवा के महत्व को रेखांकित किया और युवाओं को प्रेरित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कलेक्टर और एसपी ने समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय संगठनों को निरंतर कार्य करते रहने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से सभी को मोहित किया। आयोजन समिति के सदस्यों ने कहा कि यह सम्मान समारोह समाज में सेवा कार्यों को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रेरणास्रोत साबित होगा।

सीईओ जिला पंचायत दुबे ने की विभिन्न कार्यों की समीक्षा

सत्ता सुधार ■ गुना

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गुना अभिषेक दुबे द्वारा जिला पंचायत सभाकक्ष में योजनाओं की समीक्षा बैठक ली गई। सीईओ जिला पंचायत श्री दुबे द्वारा सर्वप्रथम प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अन्तर्गत बनने वाले आवासों की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने आवास योजनान्तर्गत पंजीयन से स्वीकृति, स्वीकृति से प्रथम किश्त, प्रथम किश्त से द्वितीय किश्त, द्वितीय किश्त से तृतीय किश्त तथा तृतीय किश्त से चतुर्थ किश्त के गैप को पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही जिन ग्राम पंचायतों के अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा शासन की योजनाओं के कार्य रुचि न लेने या लापरवाही से कार्य किया जा रहा है, उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही कराये जाने के निर्देश श्री शिवम दीक्षित प्रभारी अधिकारी प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण जिला पंचायत गुना को दिये गये। सीईओ द्वारा संपर्कता एप्प पर की जाने वाली एन्ट्री की प्रगति बढ़ाने के भी निर्देश उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों को दिये। इस दौरान श्री बरसैया सहायक प्रबंधक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क गुना द्वारा संपर्कता एप्प पर एण्ट्री के दौरान आ रही तकनीकी समस्याओं के निराकरण के संबंध में दिशा-निर्देश दिये।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत गुना द्वारा 'जल गंगा संवर्धन अभियान 2025' की समीक्षा करते हुए अभियान अन्तर्गत किये जाने वाले कार्यो को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश सीईओ जनपद पंचायत समस्त एवं संबंधित विभाग अधिकारियों को दिये गये। सीईओ जिला पंचायत गुना द्वारा बताया गया कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ 30 मार्च 25 को किया गया है। उन्होंने बताया कि शासन निर्देशानुसार अभियान अन्तर्गत जिले के समस्त स्कूल/आंगनबाड़ी/सरकारी व निजी भवनों में 24155 रुफ वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य कराया जाना है, इस हेतु विभागों को लक्ष्य प्रदाय किये जा चुके हैं। उन्होंने निर्देशित कि आगामी 31 मई 2025 से पूर्व प्रदाय लक्ष्य शत-प्रतिशत हासिल किया जाना है। बैठक में श्रीमती राजेश्वरी बघेल कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा गुना, बरसैया सहायक प्रबंधक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क गुना, संबंधित योजना प्रभारी जिला पंचायत गुना, गौरव यादव सीईओ आरोन, पुष्पेन्द्र व्यास सीईओ जनपद पंचायत बमोरी, अमित सोनी प्रभारी सीईओ जनपद पंचायत चांचौड़ा, गौरव खरे सीईओ जनपद पंचायत गुना, मोनिका झारिया सीईओ जनपद पंचायत राघौगढ़, सहायक यंत्री, उपयंत्री जनपद पंचायत उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की बैठक लेकर प्रगति की समीक्षा की

गुना। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, गुना की बैठक कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने बैंक के लक्ष्यों एवं प्रगति की समीक्षा की और बैंक के कार्यों की जानकारी पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से प्राप्त की। कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि बैंक को अपने कार्यों को जनसामान्य तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए नवीन दृष्टिकोण अपनाना होगा। उन्होंने कहा हमें थोड़ा हटकर सोचने की जरूरत है ताकि लोगों को यह स्पष्ट रूप से दिखे कि बैंक किस तरह से बेहतर कार्य कर रहा है। बैठक में उन्होंने भविष्य की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में गुना जिले में कृषि का रकबा और उत्पादन बढ़ने की संभावना है, जिससे बैंकिंग क्षेत्र में भी नई संभावनाएं विकसित होंगी। उन्होंने बैंकिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझाव भी मांगे और बैंक कर्मचारियों से नवाचार एवं सुधार के उपायों पर चर्चा की। इस अवसर पर महाप्रबंधक सीसीबी अरस्तु प्रभाकर, प्रवीण रघुवंशी, अनुभव जैन, सुनील भार्गव सहित बैंक के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

करियर चयन में मददगार साइकोमीट्रिक असेसमेंट

करियर को लेकर छात्रों के बीच काफी असमंजस की स्थिति रहती है। इस स्थिति की सबसे बड़ी वजह है-करियर की सही राह को चुनने की चुनौती। इस समय करियर के लिए पारंपरिक विषयों के अलावा सैकड़ों की तादाद में विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन जानकारी के अभाव या अपनी रुचि को न पहचान पाने के कारण बड़ी संख्या में छात्र मनमाफिक करियर नहीं चुन पाते हैं। छात्र ही नहीं, अभिभावक भी बच्चों के लिए सही करियर तलाशने की प्रक्रिया में काफी तनावग्रस्त हो जाते हैं। उनकी दिनचर्या में यह तनाव बच्चे का दाखिला हो जाने तक कायम रहता है। यह एक सामान्य-सी स्थिति है और करीब 90 फीसदी छात्र और अभिभावकों को इस दौर से गुजरना पड़ता है। गलाकाट प्रतिस्पर्धा के इस युग में हर दिन कुछ अलग करियर और पेशेवर संभावनाएं जन्म ले रही हैं। ऐसे में यह समझने वाली बात है कि किसी करियर विकल्प की चमक ज्यादा समय तक बरकरार नहीं रहती। इसलिए यदि आप करियर के लिए उन पाठ्यक्रमों और विषयों को चुनते हैं, जिनमें आप अच्छे हैं, तो आप हमेशा ही अपने कार्यक्षेत्र में सफल होंगे।

कैसे चुनें करियर

प्रत्येक करियर के लिए एक खास रुझान, रुचि और कुछ व्यक्तिगत गुणों की जरूरत होती है। वैज्ञानिक ढंग से इन जरूरतों की अपनी अभिरुचियों और हुनर से तुलना करके ही इस बात के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है कि हम सही करियर चुनने की दिशा में बढ़ रहे हैं या नहीं। विषयों में आपकी मजबूती, क्षमता, रुचि और आकांक्षा आपको करियर के असीमित विकल्पों में से अपने लिए श्रेष्ठ को चुनने में मदद करती है। भावी जीवन में आपकी सफलता के लिए करियर प्लानिंग की यह प्रक्रिया काफी आवश्यक है।

करियर के चयन में यह बेहद मददगार विधि है, जिसे जब करियर के चुनाव के संदर्भ में इस्तेमाल किया जाता है, तो काफी हद तक ठोस और सटीक परिणाम मिलते हैं। इस विधि से परखे जा रहे छात्र का गहराई से मूल्यांकन हो पाता है। इससे संबंधित छात्र की रुचियों, बुद्धिमत्ता और व्यक्तित्व के बारे में अनुमान लगाना संभव होता है। साइकोमीट्रिक असेसमेंट से छात्र की काबिलियत और क्षमताओं की स्पष्ट तस्वीर सामने आ जाती है, जो उपयुक्त करियर के चयन में अहम होती है। छात्रों के नजरिए से इस विधि को देखें, तो यह उनके सामने उनकी इच्छाओं और हुनर की बानगी पेश करती है। इस असेसमेंट से अभिभावक अपने बच्चों के और छात्र स्वयं के हुनर की तुलना अपनी मनपसंद नौकरी/ पेशे के लिए जरूरी गुणों से कर सकते हैं। चूंकि नौकरी पाने के लिए एक पाठ्यक्रम विशेष की पढ़ाई करनी होती है और इसके लिए भी कुछ खास हुनर का होना जरूरी होता है।

बदलते वक्त के साथ विस्तृत हो गया है ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम

दसवीं और बारहवीं के स्तर पर साइंस और कॉमर्स के बाद छात्रों या अभिभावकों के सामने ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम शेष रह जाती है। इस स्ट्रीम को हालांकि छात्र और अभिभावक अपनी प्राथमिकता में पहले या दूसरे स्थान पर नहीं रखते, लेकिन बदलते वक्त के साथ इस स्ट्रीम से जुड़ी संभावनाओं का आकाश भी काफी विस्तृत हो गया है। इस लेख के माध्यम से छात्रों को ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम और उसमें निहित अवसरों को जानने-समझने में मदद मिलेगी।

ह्यूमेनिटीज को कुछ वर्ष पहले तक एक ऐसे स्ट्रीम के रूप में देखा जाता था, जो या तो कम बुद्धिमान लोगों के लिए है या शिक्षक बनने की इच्छा रखने वालों के लिए। लेकिन मौजूदा वक्त में यह धारणा अप्रासंगिक हो चुकी है। अब ह्यूमेनिटीज की बदौलत ऊंचे पद, बड़ी उपलब्धियां और तरक्की पाई जा सकती है। शिक्षण के अलावा इसमें सैकड़ों तरह के रोजगार उपलब्ध हैं, जो रुचिकर होने के साथ-साथ अपनी कार्य-प्रकृति में विशिष्ट भी हैं। ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम आपके सामने असीमित विकल्प रखती है। यकीन न हो, तो मानवीय गतिविधियों से जुड़े किसी भी क्षेत्र को देख लीजिए, आप हर क्षेत्र में ह्यूमेनिटीज के छात्रों को सफलता के साथ काम करता हुआ पाएंगे।

क्या है ह्यूमेनिटीज

इस स्ट्रीम के अंतर्गत मुख्य रूप से मानव समाज और उसकी मान्यताओं का अध्ययन किया जाता है। इसके जरिए यह समझने का प्रयास किया जाता है कि लोग स्वयं को कैसे कला, धर्म, साहित्य, वास्तुकला और अन्य रचनात्मक कार्यों आदि के जरिए अभिव्यक्त करते हैं? इस कार्य के लिए इस स्ट्रीम के शोधार्थी एनालिटिकल और हाइपोथिटिकल मेथड का प्रयोग करते हैं। इस स्ट्रीम को मोटे तौर पर परफॉर्मिंग आर्ट्स (म्यूजिक), विजुअल आर्ट्स, रिलिजन, लॉ, एंसिएंट/ मॉडर्न लैंग्वेजेस, फिलॉस्फी, लिटरेचर, हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी आदि विषयों में बांटा जाता है। ह्यूमेनिटीज में कुई ऐसे विषय हैं, जिनकी पढ़ाई के बाद लॉ, जर्नलिज्म, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मीडिया एंड एडवर्टाइजिंग और कम्यूनिकेशन आदि प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है। ह्यूमेनिटीज के आम जिंदगी में महत्व को इस बात से भी आंका जा सकता है कि अब आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान भी ह्यूमेनिटीज और सोशल साइंसेज में पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास बारहवीं पास छात्रों के लिए ह्यूमेनिटीज में पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड एमए पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए यह संस्थान एचएसईई (ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज एंट्रेंस एग्जामिनेशन) नाम से हर साल एक प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। इसी तरह आईआईटी गांधीनगर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर एमए इन सोसायटी एंड कल्चर नाम से पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। दसवीं या बारहवीं पास करने वाले काफी छात्रों के मन में एक आम-सा प्रश्न होता है कि ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम को चुनने के बाद उनके करियर का स्वरूप कैसा होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा जवाब नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि करियर का स्वरूप काफी हद उनके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम पर निर्भर होता है। किसी ह्यूमेनिटीज विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप कई क्षेत्रों में रोजगार पा सकते हैं। स्कूलों, म्यूजियमों, एडवर्टाइजिंग एजेंसियों, अखबारों, आर्ट गैलरियों, पत्रिकाओं और फिल्म स्टूडियो आदि में भी काम के मौके तलाशे जा सकते हैं। इन अवसरों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि समय के साथ ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम पर आधारित संभावनाओं का फलक और विस्तृत हुआ है। सरकारी सेवाओं में जाने की इच्छा रखने वाले छात्र ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम के साथ अपने सपने का साकार कर सकते हैं। वह कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और राज्य लोक सेवा आयोगों की प्रतियोगी परीक्षाओं के अलावा यूपीएससी की सिविल सर्विस परीक्षा में भी अपनी चुनौती पेश कर सकते हैं। चूंकि बैचलर डिग्री स्तर पर आर्ट्स के पाठ्यक्रमों में हिस्ट्री, जियोग्राफी और सिविक्स (नागरिक शास्त्र) आदि विषय पढ़ाए जाते हैं, जो तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायक होते हैं।

ह्यूमेनिटीज के लिए जरूरी गुण

- किसी मुद्दे को समझने और उसका मूल्यांकन करने की क्षमता
- मानसिक और कामकाजी स्तर पर रचनात्मकता हो
- काम को व्यवस्थित करने और उन्हें तय समयसीमा में निपटाने का हुनर
- लिखित सामग्री को पढ़ने और उससे खास बिंदुओं को चुनने का कौशल हो
- बड़ी मात्रा में सूचनाओं और तथ्यों को समझने और ग्रहण करने की क्षमता
- अलग-अलग शैलियों में अच्छा लिखने का हुनर हो
- अपनी बात को प्रभावी शब्दों में स्पष्ट रूप से रखने में दक्षता हो
- शोध करने और तथ्यों के स्रोतों का मूल्यांकन करने की क्षमता हो
- चर्चाओं में भाग लेने और उनका नेतृत्व करने में रुचि हो
- निजी प्रेरणा से काम करने का जज्बा हो
- विचारों और सुझावों को व्यावहारिक रूप देने की कला हो
- निष्पक्षता और खुद में पूरा विश्वास हो
- अपनी बातों पर विचार-विमर्श को तैयार रहने का लचीलापन हो
- सांख्यिकीय आंकड़ों पर आधारित शोध में निष्कर्ष निकालने की क्षमता हो

इन क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं

- राइटिंग ट प्रोग्राम प्लानिंग ट टीचिंग
- रिसर्च ट इंटरनल कम्यूनिकेशन
- पब्लिक रिलेशन्स
- पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस
- एडमिनिस्ट्रेशन ट सोशल वर्क
- मैनेजमेंट ट इंफॉर्मेशन ट जर्नलिज्म
- आर्कियोलॉजी ट एंथ्रोपोलॉजी
- एग्रीकल्चर ट जियोग्राफी ट एनजीओ
- इंडस्ट्रियल रिलेशन ट लाइब्रेरी साइंस
- लिबरल आर्ट्स ट फिलॉस्फी
- रिसर्च असिस्टेंस ट साइकोलॉजी

पढ़ाई और रोजगार के लिए पर्याप्त विकल्प उपलब्ध कराता है कॉमर्स

लोकप्रियता के मामले में यह छात्रों और अभिभावकों के बीच साइंस स्ट्रीम के बाद दूसरे स्थान पर है। अंडर ग्रेजुएट स्तर पर कॉमर्स एक प्रमुख विषय है। इसका संबंध मूल रूप से व्यापार की समझ, बाजार के उतार-चढ़ाव, अर्थव्यवस्था की जानकारी, मौद्रिक और औद्योगिक नीतियों आदि से है। विषय के स्तर पर कॉमर्स अकाउंटेंसी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, मार्केटिंग और ई-कॉमर्स सहित कई अन्य विषयों का मिलाजुला विस्तृत क्षेत्र है। इसलिए इसमें पढ़ाईऔर रोजगार के लिए पर्याप्त विकल्प उपलब्ध हैं। हर विषय की तरह कॉमर्स और उससे संबंधित विषयों की पढ़ाई के लिए भी कुछ अभिरुचियों का होना जरूरी होता है। यहां कुछ प्रश्न दिए गए हैं, जिनका उत्तर देकर आप यह जान सकते हैं कि आपकी अभिरुचि कॉमर्स के लिए उपयुक्त है या नहीं।

इन प्रश्नों से जांचें अभिरुचि

- क्या आपके पास गणना की अच्छी क्षमता है?
- क्या आपमें विश्लेषणात्मक कौशल है?
- क्या आपके पास व्यापार का व्यावहारिक बोध है?
- क्या आप त्रुटिरहित और सटीक काम को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं?
- क्या आप कार्यालय के माहौल का आनंद उठाते हैं?
- क्या आपमें गणनाएं करने के साथ आंकड़ों को समझाने का हुनर है?
- क्या आप बजट, व्यापार की खबरों और आर्थिक समीक्षाओं को पढ़ते हैं?
- क्या आप में प्रशासकीय और संगठन के रूप में काम करने की कुशलता है?

पूछे गए इन प्रश्नों में से अगर अधिकांश का जवाब आपके पास 'हां' है, तो समझिए आपके भीतर वह अभिरुचि है, जो कॉमर्स के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए जरूरी है।

कॉमर्स में उपलब्ध विषयों के विकल्प

बिजनेस इकोनॉमिक्स - इस विषय में लॉ ऑफ डिमांड एंड सप्लाई, लॉ ऑफ रिटर्न्सर, इलास्टिसिटी, थ्योरी ऑफ प्राइसिंग अंडर डिफरेंट मार्केट फॉर्म्स आदि से संबंधित कॉन्सेप्ट के बारे में पढ़ाया जाता है।

कॉस्ट अकाउंटिंग – इस विषय में जॉब एंड कॉन्ट्रैक्ट कॉस्टिंग, ओवरहेड्स कॉस्टिंग, स्टैंडर्ड एंड वेरिएंस कॉस्टिंग और बजटरी कंट्रोल से जुड़ी प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया जाता है।

ऑडिटिंग – इस विषय में वैल्यूएशन, वाउचिंग ऑफ ट्रांजेक्शन, एसेट्स एंड लाइबिलिटी आदि से जुड़े मामलों के बारे में बताया जाता है। इसमें क्लब, हॉस्पिटल और चैरिटेबल संस्थानों जैसे संगठनों की ऑडिटिंग के बारे में भी सिखाया जाता है।

फाइनेंशियल अकाउंटिंग– यह विषय मुख्य रूप से प्रॉफिट एंड लॉस स्टेटमेंट, बैलेंस शीट, कंपनी अकाउंट, कैलकुलेशन ऑफ डेप्रिशिएशन एंड वैल्यूएशन ऑफ शेयर, गुडविल ऑफ कंपनी और नॉलेज ऑफ अकाउंटिंग स्टैंडर्ड (इंडिया/ इंटरनेशनल) आदि के बारे में जानकारी देता है।

बिजनेस फाइनेंस – इस विषय में फाइनेंशियल एनालिसिस और मैनेजमेंट ऑफ कैपिटल आदि व्यापारिक दुनिया की बुनियादी बातें समझायी जाती हैं। इसके अलावा लाभ के लिए पूंजी के बेहतर उपयोग की विधियों को समझने में भी यह विषय मदद करता है।

इनकम टैक्स – इस विषय के तहत इनकम टैक्स, टैक्स प्लानिंग, टैक्स डिडक्शन और नॉट टैक्सेबल इनकम आदि के बारे में नियमों व कर संबंधी कानूनों की जानकारी दी जाती है।

बिजनेस लॉ – व्यापार से संबंधित देश के अमूमन सभी कानून इस विषय के अध्ययन क्षेत्र में आते हैं। कंपनीज एक्ट और कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट आदि कानूनों को प्रमुख रूप से इस विषय में पढ़ाया जाता है।

मार्केटिंग – यह विषय प्रोडक्ट, प्राइसिंग मेथड, प्रोमोशन, डिस्ट्रिब्यूशन चैनल और लॉजिस्टिक्स आदि के बारे में बताता है।

बिजनेस कम्यूनिकेशन – यह विषय मुख्य रूप से व्यापार संबंधी संवाद कौशल को निखारने पर केंद्रित है। इस विषय के जरिए छात्रों को व्यापारिक कार्यों के लिए उपयोग में आने वाले बिजनेस लेटर, नोटिस और मेमो आदि को तैयार करने की कला सिखाई जाती है। मौखिक संवाद के बारे में भी यह विषय प्रशिक्षित करता है।

रोजगार के लिए जरूरी कौशल

- आंकड़ों की गणना और उनके विश्लेषण में रुचि हो।
- संवाद का बेहतर कौशल हो।
- टीम के साथ काम करने और उसका नेतृत्व करने की क्षमता हो।
- संगठन संबंधी और प्रशासनिक क्षमताएं हों।
- तार्किक दृष्टि से चीजों को परखने का हुनर हो।
- सटीक और त्रुटिरहित काम करने में निपुणता हो।
- लंबी अवधि तक लगातार काम करने की क्षमता हो।
- अपने कार्य क्षेत्र से जुड़ी नई चीजों और नवीनतम तकनीकों को सीखने की जिज्ञासा हो।

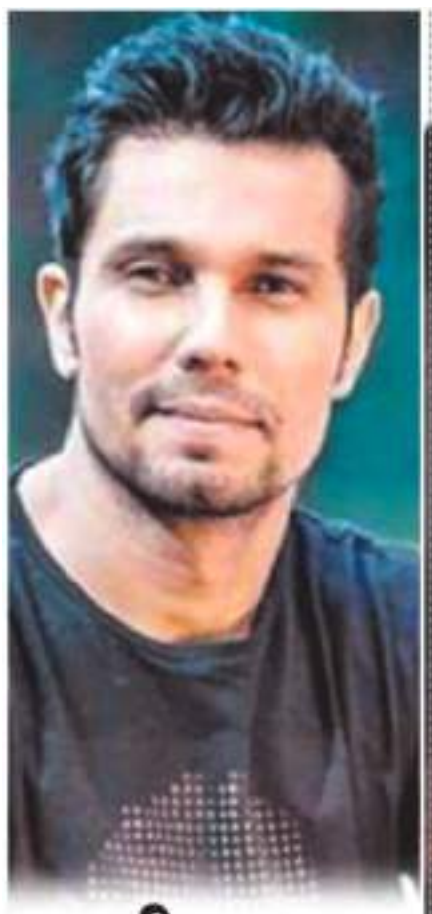

रणदीप हुड्डा ने की साउथ फिल्ममेकर्स की तारीफ

रणदीप हुड्डा जल्द ही फिल्म जाट में नजर आएंगे। इसी बीच उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री पर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने फिल्मों के रि-रिलीज होने पर कहा कि वे इसे भेड़चाल मानते हैं, क्योंकि अगर कोई एक चीज चल पड़ती है, तो सभी लोग वही करने लगते हैं।

रणदीप हुड्डा हाल ही में एक इवेंट में पहुंचे थे। इस दौरान उनसे पूछा गया कि रि-रिलीज फिल्में बॉक्स ऑफिस पर क्यों अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा, मैं इसे भेड़ चाल मानता हूं। यह एक सोशल मीडिया ट्रेंड जैसा बन गया है। एक या दो फिल्में रि-रिलीज के बाद अच्छी चल गईं, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी फिल्में अच्छी चलेंगी। अगर किसी एक जॉनर की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है, तो उसके बाद सभी उसी तरह की फिल्में बनाने लगते हैं, जैसे अब स्त्री के बाद सभी हॉरर कॉमेडी फिल्में बनाने लग रहे हैं। रणदीप हुड्डा ने कहा, एक एक्टर के तौर पर मुझे नहीं लगता कि यह माफदड होना चाहिए। इंडस्ट्री कई कारणों से संकट का सामना कर रही है। अब ज्यादा फिल्में नहीं बन रही हैं, बल्कि उनका कार्यान्वयन हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा, अब एक्सपेरिमेंट ओटीटी पर ही संभव है। हालांकि, यहां भी लोग सब्सक्रिप्शन के पीछे भाग रहे हैं, फिर भी ओटीटी पर उम्मीद बनी हुई है।

साउथ फिल्ममेकर्स की तारीफ करते हुए रणदीप ने कहा कि उनकी फिल्में में असली इंसानी भावनाओं पर ध्यान दिया जाता है, जिससे उनकी फिल्में ज्यादा जुड़ी हुई और सच्ची लगती हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, वे हमारी तरह ही फिल्में बना रहे हैं, बस किरदारों को ज्यादा सच्चे तरीके से दिखाते हैं। जैसे पुष्पा में छह पैक एब्स नहीं है, बल्कि उसके पास दाढ़ी है और कंघा भी थोड़ा टेढ़ा है। बता दें, रणदीप हुड्डा और सनी देओल की अपकमिंग फिल्म जाट में नजर आएंगे। यह फिल्म 10 अप्रैल को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इस फिल्म में रणदीप विलेन का किरदार निभाएंगे।

सादिया ने साझा की 'द डिप्लोमैट' से जुड़ी यादें

अभिनेता जॉन अब्राहम के अभिनय से सजी फिल्म 'द डिप्लोमैट' में सादिया खतीब भी नजर आईं। इस फिल्म की कहानी में जॉन ने राजनयिक जेपी सिंह का किरदार निभाया है। वहीं उस्मा नाम की महिला के किरदार में सादिया खतीब दिखीं। फिल्म में जेपी सिंह (जॉन अब्राहम) एक भारतीय महिला उस्मा (सादिया खतीब) को पाकिस्तान से बाहर निकालने और बचाने की कोशिश करता है, इसके लिए राजनयिक स्तर पर प्रयास करता है। हाल ही में सादिया ने इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ी यादें साझा कीं। सादिया खतीब ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ वीडियो और तस्वीरें पोस्ट की हैं। एक वीडियो में वह जॉन अब्राहम और फिल्म 'द डिप्लोमैट' की टीम के साथ डांस कर रही हैं। 'तू मेरा हीरो' गाने पर सादिया, जॉन के साथ खूब एंजॉय कर रही हैं। यह गाना जॉन की ही एक पुरानी फिल्म 'देसी बॉयज' का है।

शारिब हाशमी संग गाना गाया

कुछ और वीडियो भी सादिया ने साझा किए हैं, जिसमें वह अभिनेता शारिब हाशमी के साथ हिंदी फिल्मों के पुराने गीतों को गुनगुना रही हैं। किसी-किसी वीडियो में दोनों एक्टर फनी डांस कर रहे हैं। शूटिंग के दौरान सादिया ने अपने को-एक्टर्स के साथ खूब मस्ती-मजाक किया है।

सादिया ने जॉन और शारिब के अलावा फिल्म 'द डिप्लोमैट' के क्रू के साथ भी कुछ मजेदार तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही इन तस्वीरों के साथ एक कैप्शन भी लिखा है, 'यादों का पिटारा।' इसके अलावा फिल्म 'द डिप्लोमैट' का हैशटैग भी लिखा है। ठीक-ठाक रहा फिल्म का कलेक्शन फिल्म 'द डिप्लोमैट' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो यह फिल्म ठीक-ठाक बिजनेस ही कर सकी है। फिल्म ने अब तक कुल 31. 25 करोड़ रुपये की कमाई की है। जबकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इस फिल्म का बजट 20 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

'पुष्पा 2' की सफलता के बाद अपना नाम बदलेंगे अल्लू

तेलुगु सुपरस्टार अल्लू अर्जुन 'पुष्पा 2' की बड़ी सफलता के बाद अपनी सक्सेस का लुत्फ उठा रहे हैं. इस फिल्म ने साल 2024 की आखिरी महीने में रिलीज होकर कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड्स को चकनाचूर किया था. सुकुमार के डायरेक्शन और अल्लू अर्जुन की दमदार परफॉर्मेंस ने दर्शकों से खूब प्यार बटोरा था. अब भी फिल्म को उसके जबरदस्त डायलॉग, एक्शन सीक्वेंस, गाने के लिए याद किया जाता है. रिएक्टर्स के बाद फिल्म को डिजिटल डेब्यू पर भी बहुत सराहा गया. इस बीच अब खबर आ रही है कि फिल्म की बाद पुष्पा भाउ यानी अल्लू अर्जुन अपना नाम बदलने की सोच रहे हैं. हालांकि, इसपर एक्टर की ओर से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्लू अर्जुन अंक ज्योतिषी की सिफारिश के आधार पर अपने नाम में जोड़ सकते हैं, जिससे उनके उनका करियर और भविष्य दोनों सफल और अच्छा रहे. रिपोर्ट्स में बताया गया है कि एक्टर अपने नाम में दो '' और दो 'ह' जोड़ने सकते हैं. हालांकि, इसपर अल्लू अर्जुन ने कोई पुष्टि नहीं की है. मालूम हो कि अल्लू अर्जुन से पहले भी कई एक्टर्स ने अपने नाम के अक्षर में बदलाव किया है.

'फैमिली मैन 3' में हुई जयदीप अहलावत की एंट्री, मनोज बाजपेयी ने किया कन्फर्म

द फैमली मैन के तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। अब इस सीरीज में पाताल लोक फेम अभिनेता भी नजर आने वाले हैं, जिसकी पुष्टि की गई है। जानिए पूरी खबर।

मनोज वाजपेयी ने किया खुलासा

द फैमिली मैन सीरीज के मुख्य अभिनेता मनोज वाजपेयी ने ओटीटी प्ले से बातचीत करते हुए बताया कि पाताल लोक फेम अभिनेता जयदीप अहलावत द फैमिली मैन के आगामी सीजन में दिखने वाले है। अभिनेता ने कहा कि पाताल लोक 2 सीजन में अपनी शानदार भूमिका निभाने वाले जयदीप अहलावत हमारे साथ द फैमिली मैन 3 में दिखेंगे। अभिनेता मनोज ने बताया है कि यह सीजन बहुत बड़ा और रोमांचक होने वाला है।

कब रिलीज हो रही सीरीज?

पिछली जानकारी के अनुसार द फैमिली मैन के तीसरे सीजन को इसी साल रिलीज किया जाना है। मनोज वाजपेयी ने बताया कि इस सीरीज को इसी साल नवंबर में रिलीज किया जाएगा। इस जानकारी ने फैंस के बेसब्री को और बढ़ा दिया है। हालांकि, ऑफिशियल तारीख की अभी कोई घोषणा नहीं की गई है। वेब सीरीज द फैमिली मैन के तीसरे सीजन में प्रियामणि (सुचित्रा तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), अश्लेषा ठाकुर (धृति) सहित कई कलाकार फिर से नजर आएंगे। इस सीरीज के पहले दो सीजन को दर्शकों का खूब प्यार मिला था।

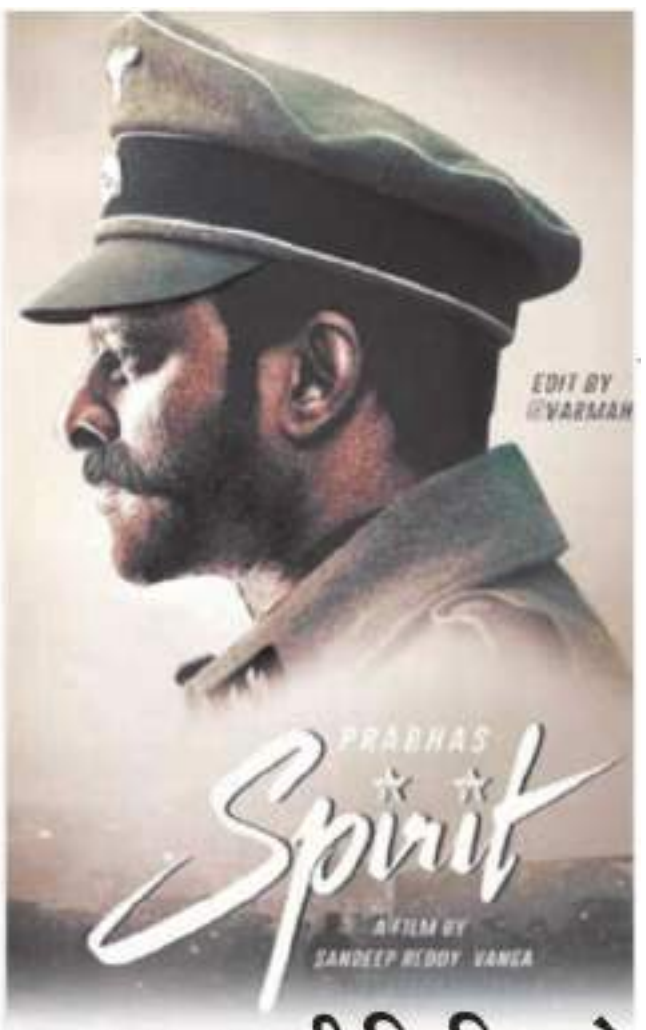

प्रभास की स्पिरिट को लेकर आया नया अपडेट, निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने दी जानकारी

पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिनमें से फिल्म स्पिरिट को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है, जिसे खुद फिल्म के निर्देशक ने शेयर किया है।

स्पिरिट की नई लोकेशन शूट मैक्सिको

उगादि पर्व के खास मौके पर, संदीप रेड्डी वांगा ने एक नया अपडेट दिया, जिससे प्रभास के प्रशंसक बेहद खुश हैं। संदीप ने बताया कि वह और उनकी टीम हाल ही में मैक्सिको गए थे, जहां उन्होंने फिल्म की शूटिंग को लेकर खास जगह देखी है। उन्होंने यह बताया कि फिल्म का एक बड़ा हिस्सा मैक्सिको में ही शूट किया जाएगा, जिससे फिल्म में अंतरराष्ट्रीय तड़का नजर आएगा। टीम जल्द ही मैक्सिको जाकर लोकेशन फाइनल कर लेगी, ताकि आगे की शूटिंग शुरू हो सके।

फिल्म स्पिरिट

संदीप रेड्डी वांगा, भूषण कुमार और प्रणय रेड्डी वांगा इस फिल्म मिलकर बना रहे हैं। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म की शूटिंग की जानकारी से प्रभास के फैंस बेहद खुश हैं। प्रभास के प्रशंसकों को यह जानने की उत्सुकता है कि यह फिल्म कब रिलीज होगी। फिल्म को भद्रकाली पिक्चर्स और टी-सीरीज मिलकर बना रहे हैं। संगीत हर्षवर्धन रामेश्वर तैयार कर रहे है। यह फिल्म 2026 या उसके बाद कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

प्रभास का वर्कफ्रंट

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट के अलावा साउथ अभिनेता प्रभास द राजा साब में नजर आएंगे। मारुति द्वारा लिखित और निर्देशित और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित रोमांटिक कॉमेडी हॉरर फिल्म है द राजा साब। फिल्म में प्रभास के अलावा निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन, ऋद्धि कुमार और संजय दत्त के महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जनवरी 2024 में की गई थी।

भूतनी के अलावा इन हॉरर थ्रिलर फिल्मों में नजर आएंगे संजय दत्त

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त एक्शन, रोमांस, थ्रिलर फिल्मों में फैंस का दिल जीत जीतने के बाद अब हॉरर फिल्म में नजर आने वाले हैं। वैसे संजय दो हॉरर फिल्मों में नजर आने वाले हैं, जिनमें से एक बॉलीवुड फिल्म द भूतनी है और दूसरी साउथ की एक आगामी फिल्म है, जिसमें प्रभास मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

द भूतनी

द भूतनी एक आगामी हॉरर बॉलीवुड ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन सिद्धांत सचदेव ने किया है। हाल ही में फिल्म से सभी स्टार्स का पहला लुक शेयर किया गया, जो फैंस को बेहद पसंद आया। खास तौर पर संजय का यह अवतार उनके फैंस के लिए काफी पसंद किया जा रहा है। इस फिल्म के निर्माता दीपक मुकुट हैं। द भूतनी इसके नाम से ही जाहिर है कि यह एक हॉरर फिल्म है। इस फिल्म में संजय दत्त के अलावा सनी सिंह, मौनी रॉय और पलक तिवारी लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में संजय बाबा के किरदार में नजर आएंगे।

द राजा साब

द राजा साब मारुति द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म है। यह साउथ की एक रोमांटिक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। इस फिल्म में प्रभास, निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन, ऋद्धि कुमार और संजय दत्त महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के कई पोस्टर पहले ही रिलीज किए जा चुके हैं, जिनमें अभी तक सिर्फ प्रभास का लुक ही सामने आया है, लेकिन संजय के फैंस को द राजा साब में उनके अवतार को देखने का बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म 10 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रक्त

संजय दत्त की फिल्म रक्त एक हॉरर फिल्म तो नहीं थी, लेकिन यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर जरूर थी, जिसमें संजय दत्त का किरदार काफी पसंद किया गया था। फिल्म का निर्देशन महेश मांजरेकर ने किया है और इसमें संजय के अलावा बिपाशा बसु, डिनो मोरिया, और अमृता अरोड़ा जैसे कलाकारों ने मुख्य भूमिकाओं निभाई थी। रक्त की कहानी एक ऐसे शख्स के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी पत्नी की रहस्यमयी मौत के बाद मानसिक रूप से अस्थिर हो जाता है। फिलहाल, संजय दत्त अपनी आगामी फिल्म द भूतनी की रिलीज की तैयारी हैं, जो 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।

कुणाल कामरा के समर्थन में आए विद्युत जामवाल

अभिनेता विद्युत जामवाल ने अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में कॉमेडियन कुणाल कामरा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अभिनेता कमाल आर खान के विवादित बयानों पर कभी सवाल क्यों नहीं उठाया जाता, जो अक्सर महिलाओं और भारत को निशाना बनाते हैं। विद्युत जामवाल ने अपने इंस्टाग्राम फीड पर खान के साथ-साथ कामरा का एक वीडियो साझा किया और हिंदू धर्मग्रंथ भगवद गीता का हवाला देते हुए लिखा, गीता अध्याय 2 श्लोक 31। अर्ध-क्षत्रिय, आपको डगमगाना नहीं चाहिए, क्योंकि एक योद्धा के लिए धर्मपूर्ण युद्ध से अधिक शुभ कुछ भी नहीं है। अभिनेता ने पूछा, यहां एक आदमी (केआरके) है, जो देश से बाहर शरण ले रहा है, देश और उससे भी बदतर, हमारी महिलाओं के खिलाफ जहर उगलकर ध्यान आकर्षित कर रहा है। कोई भी उसके इरादे पर सवाल उठाने या उसे नीचे लाने के लिए संगठित नहीं होता, लेकिन हम एक स्टैंड-अप कॉमेडियन को उसके काम की वजह से तीव्र भावनाएं भड़काने के लिए फटकार लगाएंगे। क्या हम अपने देश और हमारी महिलाओं पर राजनेताओं के अधिकारों का समर्थन करते हैं?

ब्रीफ न्यूज

जिला स्तरीय आरसेटी सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

अशोकनगर। कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान अशोकनगर की 52वीं जिला स्तरीय आरसेटी सलाहकार समिति की दिसम्बर 2024 त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन,आरबीआई एलडीओ आशीष हंसानी,डीडीएम नाबार्ड मयंक मिश्रा, प्रबंधक लीड बैंक राजीव राय, आरसेटी निर्देशक राजाराम वर्मा उपस्थित रहे। बैठक में गत तिमाही में आयोजित की गई बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन,वार्षिक कार्य योजना 2025-26 के अनुमोदन की समीक्षा, गत तिमाहियों में आयोजित किये गये प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अनुमोदन, आगामी तिमाही हेतु प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अनुमोदन, प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थियों के प्रायोजन एवं अभ्यर्थियों को रोजगार,व्यवसाय से जोडने,बैंक क्रेडिट लिंकेज पर चर्चा, प्रशिक्षण व्यय लम्बित देयकों की प्रति पूर्ति पर चर्चा, स्टेट डायरेक्टर की वर्तमान संस्थान विजिट रिपोर्ट का प्रस्तुतिकरण एवं अनुपालन रिपोर्ट सम्बन्धित बिन्दुओं पर चर्चा, विगत सम्पन्न लगभग 50 प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु एपेन्डिक्स-25 पर चर्चा की गई।

जवारे रुपी माता को बिदाई देने गणगौर घाटों पर उमड़ा जनसैलाब

खरगोन। चैत्र नवरात्र में इशर राजा और रणुबाई की आराधना के उल्लास का पर्व गुरुवार को चरम पर पहुंच गया। शाम के समय शहर का कुंदा तट श्रद्धालूओं से पटा रहा। रोशनी से नहाए घाटों पर जवारे रुपी माता को विदाई देने का दौर शुरु हुआ। श्रद्धालूओं ने माता को गले लगाकर नम आंखों से बहते पानी में विसर्जित किया। जिन परिवारों ने रथ बौड़ाए उन घरों में माता रुपी जवारो को बेटी की तरह पूजा गया, शाम को चल समारोह भी निकले। बाजे- गाजे के साथ गणगौर घाट पहुंचे श्रद्धालूओं ने माता के सामने नतमस्तक होने के बाद उन्हें विदाई दी, तो कई स्थानों पर शुक्रवार को भी विसर्जन चल समारोह निकाले जाएंगे। विदाई के समय श्रद्धालुओं द्वारा वे सभी रस्में अदा की गई जो बेटी की विदाई के समय होती हैं।

बूथ स्तर पर मनाएंगे भाजपा का स्थापना दिवस

खरगोन। भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस 6 अप्रैल को बूथ स्तर पर मनाया जाएगा। साथ ही 14 अप्रैल को प्रत्येक बूथ पर संविधान निर्माता व भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जाएगी। 7 से 13 अक्टूबर तक गांव चलो अभियान के साथ विभिन्न गतिविधियां होंगी। इसमें प्रमुख रूप से मंदिर, स्कूल, अस्पताल, जलाशयों पर स्वच्छता अभियान संचालित किया जाएगा।

आंकांक्षी जिला कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खंडवा को नीति आयोग से मिला 3 करोड़ रुपये का पुरस्कार

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में किया उल्लेखनीय सुधार

प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और ज़मीनी कार्यकर्ताओं के सामंजस्य और समर्पित प्रयास से प्राप्त हुए सकारात्मक परिणाम

सत्ता सुधार ■ भोपाल / खंडवा

आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम के तहत खंडवा ज़िले ने स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। नीति आयोग ने जिले के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की है। नीति आयोग ने प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिये खंडवा ज़िले को 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की है। इस उपलब्धि के लिये ज़िले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और कुपोषण के खिलाफ व्यापक रणनीति अपनाने के प्रयास प्रमुख रहे हैं।

उपलब्धि पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषयः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल :

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खंडवा की यह उपलब्धि पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम के तहत इस तरह की सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि खंडवा प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों, मैदानी कार्यकर्ताओं की सराहना की है।

फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को निरंतर प्रशिक्षित कर कार्यक्षमता में की गई वृद्धि

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि ज़िले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिये योजनाबद्ध प्रयास किए गए। ज़िले में प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया। आउटरीच स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर दूरस्थ इलाकों में चिकित्सा सुविधा पहुंचाई गई। इसके साथ ही फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को निरंतर प्रशिक्षित कर उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि की गई।

हाई रिस्क प्रेगनेंसी की समय पर पहचान कर संस्थागत सुरक्षित प्रसव किया गया सुनिश्चित

ज़िले में मातृ स्वास्थ्य में सुधार के लिये गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, जांच और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए नवीन प्रसव केंद्र स्थापित किए गए। चिन्हित उप-स्वास्थ्य केंद्रों को प्रसव सुविधा से सुसज्जित किया गया, जिससे घर पर प्रसव के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर उनका समुचित उपचार सुनिश्चित किया गया। 'लक्ष्य' एवं नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स (एनक्यूएएस) के तहत ज़िले की 25 स्वास्थ्य संस्थाओं को उन्नत किया गया, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल रही हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को किया सशक्त

जिले में 177 उप-स्वास्थ्य केंद्रों को 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के रूप में क्रियाशील किया गया, जिससे ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हुई। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत लक्ष्य से अधिक मरीजों की पहचान कर उन्हें उपचारित किया गया। नॉन-कम्युनिकेबल डिसीज़ (एनसीडी) कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच के लिए व्यापक अभियान चलाया गया, जिससे मरीजों का समय पर उपचार संभव हुआ।

स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण में पुरस्कार राशि से किए जायेंगे विकास कार्य

कलेक्टर खंडवा श्री ऋषभ गुप्ता ने कहा कि नीति आयोग द्वारा प्राप्त 3 करोड़ रुपए की राशि को स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के चिन्हित क्षेत्रों में निवेश किया जाएगा, जिससे ज़िले के विकास को और गति मिलेगी।

छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण और कुपोषित बच्चों की विशेष देखरेख

ज़िले में शिशु स्वास्थ्य में सुधार के लिए समेकित प्रयास किए गये। सम्पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने के साथ कुपोषण निदान की सघन कार्यवाही से सकारात्मक परिणाम मिलना प्रारम्भ हुए। 'मिशन इंद्रधनुष' के तहत छूटे हुए बच्चों को चिन्हित कर उन्हें पूर्ण टीकाकरण के दायरे में लाया गया। कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पूरक पोषण योजनाओं से जोड़ा गया। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से शिशु पोषण और देखभाल पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया।

मंदिरों की भूमि पर से कब्जा हटवाने की मांग

चंदेरी नरसिंह मंदिर के पुजारी महंत कमला कांत दास ने दिया कलेक्टर को आवेदन

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

मंदिरों की भूमि से कब्जा हटवाने की मांग को लेकर मंगलवार को चंदेरी के नरसिंह मंदिर के पुजारी महंत कमला कान्त दास ने कलेक्टर को जनसुनवाई में आवेदन दिया है। महंत कमला कान्त दास ने बताया कि नरसिंह मंदिर चंदेरी ईसागढ़ ट्रस्ट के अन्तर्गत 6 मन्दिर माफी की जमीन लगी हुई है, जो लगभग 565 बीघा है। नरसिंह मन्दिर प्राचीन समय से ही ग्वालियर राज घराने से राजा महाराजाओं का गुरू देवालय कहलाता है। सन् 1992 में महन्त महा मण्डेश्वर पूरन दास महाराज ने मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया

था। मंदिर को लगभग 950 वर्ष हो चुके हैं। प्रार्थी 20 वर्षों से महन्त होते हुए दर-दर ठोकर खाता फिर रहा है। मन्दिर की भूमि पर लोगों ने जबरिया कब्जा कर रखा है। न तो कोई जमीन के पैसे देता है। न कोई दुकानों का किराया देता है। नरसिंग मन्दिर चंदेरी के अन्तर्गत सभी 8 मन्दिर की भूमि जो लगभग ग्राम माफी की जमीन 565 बीघा है, ग्राम ठेका में 125 बीघा और ग्राम जंघार में 62 बीघा, मोहनपुर में बाग बगीचा, ग्राम नटर में 60 बीघा, बेसरा में 65 बीघा, ग्राम मल्हारगढ़ में 100 बीघा, नरसिंग बगीचा व ऐसी और जमीन भी है,तथा तहसील ईसागढ़ में करीब 12 दुकानें भी मन्दिर के नाम से है, जो 300 रूपए प्रतिमाह किराए पर है। उन सभी भूमियों के खसरा में मन्दिर के नाम से दर्ज है। उन्होंने कलेक्टर से मांग की है कि उक्त भूमि को रिक्त कराया जाये एवं जो फसल ठेका राशि है,उसे महन्त या मन्दिर को दिलाये जाने की व्यवस्था की जाये।

अशोकनगर में तेज आंधी के साथ हुई बारिश

मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट; आकाशीय बिजली गिरने का खतरा

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात के कारण जिले में पिछले दो दिनों से मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। बुधवार की देर रात आकाश में गरज-चमक के साथ बादल छा

गए। करीब एक घंटे तक आंधी के साथ बारिश हुई। कुछ इलाकों में तेज बारिश तो कहीं हल्की बौछारें पड़ीं। अशोकनगर मुख्यालय में तेज आंधी के साथ बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुमान के अनुसार, आज और कल भी इसी तरह का मौसम रहेगा। गरज-चमक के साथ तेज आंधी और बारिश की संभावना है। हवाओं की गति 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। गुरुवार की सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए हुए हैं। आकाशीय बिजली गिरने का भी खतरा बना हुआ है।

आज भी ऐसा ही रहेगा मौसम

राहत की बात ये है कि इस मौसमी बदलाव से किसानों को कोई विशेष नुकसान नहीं होगा। अधिकतर किसान अपनी फसल काट कर पहले ही खेतों तक पहुंचा चुके हैं। मौसम विभाग के अनुसार यह स्थिति शुक्रवार तक बनी रह सकती है।

मुंगावली जनपद की पंचायतों में फर्जीवाड़ा चरम पर, सरकारी राशि की हो रही बंदरबांट

सत्ता सुधार ■ मुंगावली

जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में फर्जीवाड़ा थमने का नाम नहीं ले रहा है। कभी मृतकों से मजदूरी कराने का मामला सामने आता है तो कभी पोर्टल पर फर्जी मास्टर डालकर सरकारी धन का गबन किया जाता है। पंचायतों में भ्रष्टाचार का यह सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक नहीं पहुंच पा रहा है।

इकोदिया पंचायत में जीआरएस पति को मिला लगातार भुगतान

ताजा मामला ग्राम पंचायत इकोदिया से सामने आया है जहां जीआरएस सुंदर शर्मा ने वित्तीय प्रभार का लाभ उठाते हुए अपने पति धीरज आचार्य को लगातार भुगतान कराया है। जबकि खुद धीरज आचार्य भी जनपद की एक ग्राम पंचायत में जीआरएस है यह सीधे-सीधे फर्जीवाड़े की ओर इशारा करता है। सरकारी योजनाओं की राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है,ल जिससे पंचायत में भ्रष्टाचार की पुष्टि होती है। सूत्रों के अनुसार पंचायत में पोर्टल पर अपलोड किए गए बिलों में भी भारी अनियमितताएं पाई गई हैं। बिलों में दिखाया गया कार्य वास्तविकता से मेल नहीं खाता और भुगतान की गई राशि पर भी संदेह जताया जा रहा है।

बिल्हेरु पंचायत में भी बड़े पैमाने पर अनियमितताएं

वहीं ग्राम पंचायत बिल्हेरु में भी इसी प्रकार का मामला सामने आया है जहां सरपंच रचना दांगी द्वारा अपने पति विशन दांगी के नाम लाखों रुपये का भुगतान किया जा रहा है। इतना ही नहीं पंचायत में अपलोड किए गए बिलों में भी भारी गड़बड़ियां देखने को मिली हैं। इन बिलों में सरपंच रचना दांगी और भुगतान प्राप्तकर्ता विशन दांगी के अलावा किसी के हस्ताक्षर तक नहीं हैं। इससे यह साफ प्रतीत होता है कि पति-पत्नी मिलकर सरकारी राशि का गबन करने में लिप्त हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार पंचायत में बिना काम हुए ही फर्जी बिल बनाकर सरकारी राशि का बंदरबांट किया जा रहा है। यह मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

ग्राम पंचायतों में बढ़ रहा फर्जीवाड़ा, प्रशासन मौन

यह पहला मामला नहीं है जब पंचायतों में इस तरह का घोटाला सामने आया हो। पहले भी कई बार मजदूरी के नाम पर फर्जी मास्टर रोल तैयार कर राशि निकाली जा चुकी है। पंचायतों में विकास कार्य के नाम पर करोड़ों रुपये आवंटित किए जाते हैं लेकिन अधिकांश राशि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन भी इस तरह की अनियमितताओं पर आंख मूंदे हुए है। शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

क्या बोले जिम्मेदार

यह मामला मेरे संज्ञान में आया है,इसको दिखवा लेते है और जो भी सामने आएगा उसके बाद कार्यवाही की जाएगी

-आलोक प्रताप इटोरिया जनपद सीईओ मुंगावली।

युवक ने नशे में काटा खुद का गला, उपचार जारी

खरगोन। जिले के कसरावद थाना क्षेत्र के मछली बाजार क्षेत्र में गुरुवार दोपहर उस वक्त अफरातफरी मच गई जब मोहल्ले के ही एक युवक ने नुकीली वस्तु से अपना गला रेत लिया। जिला अस्पताल से मिली जानकारी अनुसार कसरावद निवासी जैकी रमेश चौहान (35) ने खुद का गला काटने का प्रयास किया है। फिलहाल स्थिति में सुधार है। घायल के बेटे वीर ने बताया कि उसके पिता नशे के आदि है। छोटी- छोटी बातों पर गुस्सा करते है। गुरुवार को उन्होंने मछली बाजार में कांच के टुकड़े से खुद के गले में वार कर लिया। बार-बार वार करने से उन्हें खून बहने लगा। लोगों की मदद से कांच छुडवाने के बाद अस्पताल लाए। चिकित्सक रविंद्र गुप्ता ने बताया कि गले में धारदार चीज से वार के निशान है। जख्म गहरे नही है। हालत में सुधार है।

क्रांतिसूर्य टंट्या भील मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिखी लोक संस्कृति की झलक

सत्ता सुधार ■ खरगोन

जननायक क्रांतिसूर्य टंट्या भील की जयंती पर झिरन्या जनपद के ग्राम कोटडा में चल रहे चार दिवसीय सांस्कृतिक मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। इसमें कलाकारों ने मंच पर अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों से लोक संस्कृति की झलक दिखाई, जिसका उपस्थित श्रोताओं ने तालियां बजाकर अभिवादन किया।

चतुर्थ वर्ष मेला मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण के सहयोग से एवं आयोजक संस्था जयटंट्या भील आदिवासी युवा संगठन जयस द्वारा आयोजित किया जा रहा है। जिलाध्यक्ष मुकेश वास्कले ने बताया कि नृत्य कलाकारों ने फिल्मी, लोकगीतों, देशभक्ति गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी। मुख्य अतिथि गुलाब सिंह बघेल मध्य प्रदेश प्रभारी एवं संस्थापक सदस्य जयस, टंट्या भील वंशज सुनील सिरसाटे, संस्थापक जयस कड़वा मंडलोई, प्रदेश अध्यक्ष शोभाराम चौहान, सरपंच कोठडा सुरतिया सिरसाठे, किशोर सिरसाठ, हेमराज सिरसाठे, हीरालाल सिरसाठे, राधेश्याम सिरसाठे, वासुदेव सिरसाठे, नन्नू ठाकुरए छोगालाल गणपत आदि मौजूद थे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी कल्याण संघ और कर्मचारी संगठनों ने संयुक्त रूप से सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

गुरुवार को मुख्य नगर पालिका अधिकारी कल्याण संघ एवं अन्य कमज़्चारी संगठनों ने विगत 29 मार्च 2025 को प्रदीप शर्मा मुख्य नगरपालिका अधिकारी दमोह के निवास पर जाकर स्थानीय ठेकेदार विवेक अग्रवाल और छुट्टू यादव के द्वारा उनके मुंह पर काली स्याही लगाने का दुष्कृत्य किया गया जिससे न केवल श्री शर्मा वरन विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की न केवल प्रतिष्ठा खराब हुई है वरन सभी के मनोबल का भी हिरास हुआ है। जिसको लेकर आज संगठनों ने मिलकर मुख्यमंत्री को कलेक्टर द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में विनोद कुमार प्रजापति, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास

अभिकरण, भूपेंद्र कुमार दीक्षित मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका सीहोर, प्रफुल्ल गठरे मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद भेरूंदा, छुट्टन चावरिया जिला अध्यक्ष मध्य प्रदेश सफाई कर्मचारी यूनियन इंटक कांग्रेस, संजय शुक्ला जिला अध्यक्ष मध्य प्रदेश नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ जिला सीहोर, विनोद बोयत जिला अध्यक्ष मध्य प्रदेश मजदूर संघ सीहोर एवं अधिकारी कर्मचारीगण विजय कोली सहायक यंत्री, विष्णु प्रसाद मीणा सहायक लेखा अधिकारी, चंद्र प्रकाश राठौर, राज सिंह, वैभव लोवानिया, जितेंद्र नाथ, हरीश सोलंकी, कमोद सिंह, तिलक खाती, रेखा बोयत समस्त नगर पालिका कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

वक्फ बोर्ड संसोधन बिल का पसमांदा मुस्लिम महासंघ ने किया पूरा समर्थन

सीहोर। संसद में केंद्र सरकार के द्वारा लाए गए वक्फ संसोधन बिल का राष्ट्रीय पसमांदा मुस्लिम महासंघ ने खुला समर्थन किया। वक्फ संसोधन बिल को पसमांदा मुस्लिम महासंघ ने पिछड़े गरीब पसमांदा समाज के मुस्लिमों के हित में बताया है। हजरत दुल्हाबादशाह दरगाह के पास स्थित वक्फ संपत्ति मस्जिद के पास राष्ट्रीय पसमांदा मुस्लिम महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष नौशाद खान ने कहा कि वक्फ बोर्ड पर पूंजीपति बहुबली लोग कब्जा करके बैठे है जिस कारण गरीब मुसलमानों को वक्फ बोर्ड से कोई भी फायदा नहीं मिल रहा है। वर्तमान में वक्फ बोर्ड मुस्लिम की तरक्की खुशियाली और शिक्षा के लिए कुछ भी नही कर रहा है,जबकी बोर्ड के पास अरबों रूपये की संपत्तियां है किराया भी करोड़ रूपये में आता है लेकिन बड़े लोग हड़प लेते है। प्रदेशाध्यक्ष नौशाद खान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह मुस्लिमों की सभी जातियों के हक में वक्फ बोर्ड में संसोधन करने जा रहे है जिस से बहुबलियों का राज समाप्त होगा और कब्जा की गई वक्फ जमीने मुक्त होगी। वक्फ संसोधन के बाद जमीनों पर मदरसे स्कूल अस्पताल और गरीब मुस्लिमों के लिए मकान बनेंगे।

नपाध्यक्ष ने किया हेल्थ कैम्प का शुभारंभ

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समय, समय पर स्वास्थ्य जांच ज़रूरी: नीरज मनोरिया

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

स्थानीय पी.एम.श्री विद्यालय क्रमांक 04 में छात्र/छात्राओं के लिए स्वास्थ्य शिविर(हेल्थ कैम्प) का आयोजन किया गया।हेल्थ कैम्प का शुभारंभ नपाध्यक्ष नीरज मनोरिया ने किया।संस्था प्रधान श्रीमती गायत्री पंत ने नपाध्यक्ष का स्वागत किया और शाला की गतिविधियों से अवगत कराया। कैम्प के संयोजक शिवकुमार शर्मा ने बताया कि सभी छात्र/छात्राओं का ब्लड टेस्ट,ब्लड ग्रुप टेस्ट,हीमोग्लोबिन टेस्ट तथा सभी की आंखों की जांचे की जाएंगी।

कैम्प में पधारे डॉक्टर संजीव ने बताया कि यह विद्यार्थियों के लिए किस प्रकार उपयोगी है।नपाध्यक्ष नीरज मनोरिया ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल पर श्चद्र श्री विद्यालय खोले गए है जो नित्यनूतन नवाचारों द्वारा विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास में लगे हुए है।हेल्थ कैम्प के आयोजन से बच्चों को लाभ मिलेगा,उन्हें अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं समय से पता चलेंगी।जिन छात्रों को चश्मे की जरूरत है,विद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे।नगरपालिका विद्यालय परिवार के लिए हरसंभव मदद के लिए सदैव तत्पर है।आभार ऋषभ जैन सर ने व्यक्त किया।कार्यक्रम के बाद छात्र/छात्राओं के साथ नपाध्यक्ष ने भी अपनी आंखों की जांच कराई और कैम्प की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।कैम्प में 154 बच्चों की खून की जांच एवं 183 बच्चों की आंखों की जांच की गई।इस अवसर पर संध्या त्यागी,किरण जैन, जया दीक्षित,सीमा नामदेव,महेंद्र जैन,प्रभा भारद्वाज,शिवेंद्र रघुवंशी, देवेन्द्र राय,शोभा गुप्ता,जया तिर्की, करण सिंह पंथी,नरेंद्र शर्मा,गोविंद कुशवाह,श्रीवती रघुवंशी,अर्चना रघुवंशी,उमाशंकर मुदगिल,उर्मिला जोशी,महेंद्र मोहिते सहित अनेक शिक्षक/शिक्षिकाएं और छात्र,छात्राएं उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार के संरक्षण में सौरभ शर्मा को मिली जमानत के विरोध में कांग्रेसजनों ने किया विरोध प्रदर्शन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा को जमानत मिलने का कांग्रेस पार्टी लगातार विरोध कर रही है। मंगलवार को सीहोर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती के निर्देश पर नेता प्रतिपक्ष विवेक राठौर के नेतृत्व में भ्रष्टाचारी सौरभ शर्मा को जमानत दिए जाने के विरोध में कोतवाली चौराहे पर प्रतिकात्म पाप का घड़ा फोड कर एवं भाजपा सरकार के विरोध में गगन भेदी नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। विवेक राठौर ने कहा कि सौरभ शर्मा की ज़मानत भारतीय जनता पार्टी के भ्रष्टाचार को संरक्षित करने की राजनीति को उजागर करती हैं, लोकायुक्त 60 दिन में चालान पेश नहीं कर सकी, ऐसी संस्था किस काम की जो चालान नहीं पेश कर पाई। एक पूर्व कांस्टेबल जो भ्रष्टाचार में रंगे हाथों पकड़ा गया उसे जमानत मिल गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खुलेआम

भ्रष्टाचार चल रहा है। जिन अधिकारियों के कारण चालान पेश नहीं हुआ उन पर कार्रवाई होना चाहिए। लोकायुक्त को तत्काल भंग कर दूसरी संस्था बननी चाहिए, जिससे सही तरह से जांच हो सके। सौरभ शर्मा मामले की जांच हाईकोर्ट की निगरानी में होनी चाहिए। साथ ही कांग्रेसजनों ने भाजपा सरकार से सवाल पूछे कि सौरभ शर्मा मामले में चालान पेश न करने की नाकामी के पीछे कौन जिम्मेदार है। जयदीप प्रसाद का ट्रांसफर क्या इस मामले को दबाने की साजिश का हिस्सा है। भ्रष्टाचार के अनेक मामलों में अभियोजन की अनुमति रोककर सरकार भ्रष्टाचारियों को संरक्षण क्यों दे रही है। लोकायुक्त की बार-बार नाकामी के बावजूद इस भ्रष्ट संस्था को क्यों ढोया जा रहा है? प्रतिपक्ष नेता विवेक राठौर ने मांग की है कि सौरभ शर्मा मामले की निष्पक्ष जांच हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में हो। जयदीप प्रसाद के ट्रांसफर और समयावधि में चालान पेश नहीं करने के कारणों की विस्तृत जांच हो। भाजपा सरकार का पाप का घड़ा भर चुका है आने वाले समय में जनता भाजपा को मुंहतोड़ जवाब देगी।

ब्रीफ न्यूज

कलेक्टर ने बच्चों को सुनाई कश्यप और दैत्य की कहानी

इंदौर। प्रदेश में चल रहे स्कूल चलें हम अभियान के तहत जिले के स्कूलों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के स्कूलों में कलेक्टर सहित सभी अपर कलेक्टर, एसडीएम और विभिन्न विभागों के अधिकारी पहुंचे। विद्यार्थियों से भेंट की। उनके साथ अनुभव साझा किए। पढ़ाई का महत्व बताया और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए लक्ष्य प्राप्त करने के मंत्र समझाए। कलेक्टर आशीष सिंह सुबह 10 बजे मूसाखेड़ी स्थित सांदीपनी विद्यालय पहुंचे। यहां वे बच्चों के बीच बैठे। उन्होंने बच्चों को कश्यप ऋषि और एक दैत्य की कहानी सुनाई। कलेक्टर ने कहा, अब सीएम राइज स्कूल का नाम सांदीपनी विद्यालय ?किया गया है। यह हमारे ऋषि मुनियों की परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास है। सिंह ने बच्चों से कहा कि वे अपने बचपन को खोने न दें। मोबाइल का उपयोग न करें। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने अहिल्या आश्रम में विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिए। प्रिंसिपल रमेश कुमार सेन, पूर्व पार्षद अर्चना चितले व बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं। अभियान के तहत जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन मालव कन्या विद्यालय पहुंचे। उन्होंने बच्चों को पढ़ाया भी। नगर निगम के अपर आयुक्त स्वच्छ भारत मिशन अभिलाष मिश्रा ने गौतमपुरा माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-52 में पढ़ाया और 3 इडियट्स फिल्म का उदाहरण देते हुए बच्चों को बताया कि रट्टू तोता न बनें।

पारिवारिक विवाद में दंपति ने किया सुसाइड

इंदौर। छत्रीपुरा में रहने वाले एक दंपति ने सुसाइड कर लिया। दोनों के शव घर के अंदर लटके हुए मिले। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों के शव अस्पताल भेजे गए हैं। छत्रीपुरा पुलिस के मुताबिक घटना सेठी नगर की है। यहां रहने वाले गब्बर (45) पुत्र मांगीलाल यादव और सपना यादव ने दोपहर में अपने घर फांसी लगाकर जान दे दी। जानकारी के अनुसार गब्बर फर्नीचर कारीगर है। वहीं सपना हाउस वाइफ है। दोनों की शादी को 22 साल हो गए हैं। उनके दो बेटी और एक बेटा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। परिवार के लोगों के मुताबिक गब्बर के तीन भाई और हैं। जिसमें संतोष और राजू मृतक से बड़े हैं, वही सबसे छोटा भाई दिनेश है। गब्बर और दो भाई सेठी नगर में अलग-अलग घरों में रहते हैं। वहीं दिनेश अपने परिवार के साथ मूसाखेड़ी में रहता है। उनके पिता की लॉक डाउन में मौत हो चुकी है। दोस्तों ने बताया कि गब्बर के परिवार की एक दुकान बालदा कॉलोनी मेनरोड पर थी। जिसमें चारों भाइयों का हिस्सा था। काफी समय से दुकान बंद है। इसके बाद से गब्बर अपने भांजे की दुकान पर फर्नीचर का काम कर रहा था। आसपास के लोगों ने बताया कि उसे किराना दुकान पर खड़ा देखा था। करीब दो घंटे बाद उसकी और पत्नी की मौत की जानकारी मिली। सुसाइड के पीछे पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है।

गोवंश की तस्करी एंबुलेंस से किए जाने के मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया

एंबुलेंस में भरे थे गोवंश, आरोपी हो गए फरार, पुलिस अब जुटी जांच में

सत्ता सुधार ■ धामनोद

नगर के नए गणेश घाट पर बुधवार एंबुलेंस में गोवंश की तस्करी करते हुए वाहन को जब्त किया था। आरोपी मौके से फरार हो गए अब पुलिस उपरोक्त मामले में गंभीरता से पड़ताल में जुटी है। गोवंश की तस्करी एंबुलेंस से किए जाने के मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया है ताकि आगे से इस प्रकार के वारदातों पर विराम लगे। पुलिस पड़ताल में जुट गई है।

ट्रैवलर वाहन को बनाया एंबुलेंस, किसने बनाई इस पर भी जांच

थाना प्रभारी संतोष दूधी ने बताया कि जिस एंबुलेंस में गोवंश थे वह ट्रैवलर वाहन था उसे एंबुलेंस का रूप दिया गया। पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है, उन्होंने यह भी

बताया कि शीघ्र आरोपी हिरासत में होंगे क्योंकि उपरोक्त मामले में पुलिस गंभीरता से जांच में जुटी है। एक पुलिस दल गठित कर मामले की विवेचना की जा रही है जो जल्द ही आरोपियों को हिरासत में लेगी

तरह-तरह की कवायद कर गोवंश का परिवहन करते हैं

क्षेत्र में गोवंश के अवैध परिवहन का यह पहला मामला नहीं पूर्व में भी यहां कई मामले हो चुके हैं। यहां सीमा क्षेत्र से दर्जनों बार गोवंश के परिवहन के मामले सामने आए हैं जिसमें पूर्व में भी हिंदू संगठनों द्वारा कई वाहनों को पड़कर पुलिस के सुपुर्द किया है, लेकिन एंबुलेंस से गोवंश परिवहन का यह पहला मामला है फिलहाल पूरे मामले की पुलिस गंभीरता से पड़ताल कर रही है। थाना प्रभारी संतोष दूधी ने कहा कि आरोपी शीघ्र हिरासत में होंगे।

धामनोद थाना क्षेत्र से गुजरने के कई रास्ते

गोवंश परिवहन करने वाले नए-नए रास्तों से वह गोवंश परिवहन करते हैं हालांकि मुख्य रूप से यह हाईवे से ही गोवंश का परिवहन अवैध परिवहन करते हैं। इसके अलावा धरमपुरी एवं अन्य ग्रामीण रास्तों से भी गोवंश का अवैध परिवहन करने वाले अपने वाहन निकाल लेते हैं लेकिन जो गोवंश के वाहन महाराष्ट्र की ओर जाते हैं वह खलघाट नर्मदा नदी स्थित ब्रिज से ही गुजरते है। क्योंकि धामनोद से नर्मदा नदी के उस पर जाने के लिए सिर्फ एक ही पुल ऐसे में वहां पर खलटाका चौकी के सामने से गोवंश के अवैध वाहन भरकर गुजरते हैं अब यह सबसे बड़ा प्रश्न है कि यदि धामनोद सीमा क्षेत्र से पुलिस की नजरों से गुपचुप तरीके से यदि गोवंश नर्मदा नदी के उस पार वाहनों से ले जाए जाते हैं तो नर्मदा तट पार करते ही ठीक और खलटाका पुलिस चौकी जो की हाईवे पर ही स्थित है वहां पर गोवंश से भरे वाहनों पर कार्यवाही क्यों नहीं की जाती।

कांग्रेसियों ने दिया धरना, बोले- जिम्मेदार सुनते नहीं, आम जनता हो रही है परेशान

कहा की जब तक मौके पर जिम्मेदार नहीं आते तब तक धरना जारी रहेगा

सत्ता सुधार ■ धामनोद

पुरानी नगर परिषद के सामने स्थानीय कांग्रेस के पार्षद और अन्य पदाधिकारी ने भाजपा सरकार एवं शासन प्रशासन के खिलाफ धरना आंदोलन दिया धरने को उन्होंने अनिश्चितकालीन बताया और कहा की जब तक मौके पर जिम्मेदार नहीं आते तब तक धरना जारी रहेगा।

पूर्व विधायक पांचीलाल मेड़ा भी धरना स्थल पर बैठे थे। उन्होंने बताया कि सभी जगह भाजपा की सरकार है उसके बाद भी आमजन की सुनवाई नहीं होती। सभी विकास कार्य रुके हुए हैं, अधिकारी सुनते नहीं जिससे आम नागरिक बुरी तरह परेशान हो रहे हैं। पार्षद प्रतिनिधि जमील खान व महादेव पाटीदार ने बताया कि नगर में चारों ओर विकास कार्य रुके हुए हैं जनता परेशान हो रही है उपरोक्त शिकायतों के संदर्भ में धार कलेक्टर को भी अवगत किया गया लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला आखिरकार धरना प्रदर्शन

की राह पर आना पड़ा।

नगर में चारों ओर उड़ते हैं धूल के गुबार, कोई सुनवाई नहीं

कांग्रेस के नगर अध्यक्ष विकास पटेल ने बताया कि सीवरेज लाइन के कार्य करने वालों द्वारा नगर में आधे अधूरे कार्य कर रोड को खोद दिया गया है। इससे पूरे दिन रोड पर धूल के गुबार उठते हैं नगर में निकलना मुश्किल हो गया। जल आवर्धन योजना का कार्य पूर्ण नहीं हुआ, बस्तियों में निर्माण कार्यों का टेंडर संपूर्ण नगर की साफ सफाई की बदहाल स्थिति हो चुकी है। विनोद डोंगले ने कहा कि भाजपा सरकार में सिर्फ अपनी मनमर्जी होती है कोई सुनवाई नहीं होती। पार्षद चंद्रकला डांगी ने बताया कि 15 वार्डो पर आवास योजना के लाभ हेतु संपत्ति कर की रसीदे बनाई जाए एवं उनके पट्टे जारी किया जाए। पार्षद ज्योति जोशी ने बताया कि नगर में किसी प्रकार से जिम्मेदारों द्वारा सुनवाई नहीं होती। चारों ओर नगर की दुर्दशा हो रही है, विकास कार्य रुके हुए हैं, उपाध्यक्ष अंतिम यादव ने आरोप लगाया कि नगर में लोग इतने परेशान हो चुके है कि व्यापारियों और दुकानदारों को भी धरना प्रदर्शन करना पड़ा। आज अधिकारी आम जनता की बात सुनने को तैयार नहीं, सब अपनी मनमर्जी करते हैं। उन्होंने कहा कि यह सब भाजपा के शासनकाल में होता है क्योंकि उन्हें पता है कि जब तक उनका शासन है उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। इस दौरान कांग्रेस के गजराज पटेल, कैलाश वर्मा, सुशील गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

तीन माह से लोग परेशान आपसी खींचतान में उलझे जिम्मेदार

पूर्व विधायक पांचीलाल मेड़ा ने आरोप लाग्या कि तीन माह से अधिक समय से धामनोद नगर के नागरिक ग्रामीण अंचल से आने जाने वाले ग्रामीण किसान परेशान हो रहे हैं। सुंद्रेल फाटे के आसपास की स्थिति तो यह हो गई कि वहां निकलना मुश्किल हो गया। धूल से सनी सड़कें और रुके हुए विकास कार्य नगर की दुर्दशा बयां कर रहे हैं। अधिकारी और जनप्रतिनिधि आपसी खींचतान में उलझे हुए हैं। आम जनता की परवाह करने वाला कोई नहीं यदि उपरोक्त विषय में शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो आंदोलन की रूपरेखा बदलकर उसे बड़ा रूप दिया जाएगा जिसमें प्रदेश स्तर के पदाधिकारी शामिल होंगे।

अध्यक्ष की पहल से भाजपा कार्यालय के पास बनी शराब दुकान हटी

सत्ता सुधार ■ इंदौर

भाजपा कार्यालय के पास स्थित खुली शराब की दुकान को नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बंद करवा दिया। इस मामले में ठेकेदार ने भी कई प्रयास किए, लेकिन नगर अध्यक्ष ने उसे स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि किसी भी हालत में भाजपा कार्यालय के पास शराब की दुकान नहीं खुलने दी जाएगी। ठेकेदार ने इस स्थिति में कई दबाव बनाने की कोशिश की लेकिन उसके कोई प्रयास काम नहीं आया। सुमित मिश्रा ने इसे नकारते हुए, ठेकेदार को स्पष्ट किया कि कार्यालय के पास ऐसी दुकान का कोई स्थान नहीं है, क्योंकि यह भाजपा कार्यालय सभी के लिए मंदिर जैसा सम्मान रखता है। सुमित मिश्रा ने ठेकेदार को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि भाजपा कार्यालय के पास शराब की दुकान के लिए जगह नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने ठेकेदार को आसपास के क्षेत्र में दुकान के लिए अन्य स्थानों की भी तलाश करवाई।

पूर्व में भी हुआ था विरोध

भाजपा कार्यालय के पास शराब की दुकान के खुलने पर पिछले वर्ष भी विरोध हुआ था। हालांकि, आबकारी विभाग द्वारा दिए गए ठेके के बाद प्रशासन इसे बंद नहीं करवा पाता, क्योंकि इससे राजस्व का नुकसान होता है। इसी कारण शराब की दुकानें आसानी से शिफ्ट नहीं हो पातीं। इस बार भी जावरा कम्पाउंड की उक्त शराब दुकान का ठेका किसी अन्य ने लिया था, लेकिन नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने स्पष्ट घोषणा की थी कि भाजपा कार्यालय के पास शराब की दुकान नहीं खुलने दी जाएगी। उन्होंने कलेक्टर आशीष सिंह को भी इस बारे में सूचित किया था।

पूर्व कांग्रेस विधायक को भी समझाया: शराब दुकान के ठेकेदार ने अत्यधिक राशि चुकाकर लाइसेंस फीस जमा की थी, इसलिए वह दुकान को खोलने के लिए हरसंभव प्रयास करता रहा। भाजपा नेताओं द्वारा भी सुमित मिश्रा पर दबाव डालने की कोशिश की गई, लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला।

जैन समाज की अनुपम धरोहर आत्मानंद सागर की समाधि

सत्ता सुधार ■ इंदौर

श्री आत्मानंद सागर पूर्व नाम पंडित रतनलाल जी शास्त्री का बुधवार की रात्रि 11:15 पर संलेखना पूर्वक समाधि मरण हो गया। आपकी संलेखना समाधि आचार्य समय सागर जी महाराज के निर्देशन में पिछले 58 दिनों से चल रही थी। गुरुवार को प्रातः पूज्य मुनि आदित्य सागर महाराज भी ससंघ यहां पधारे थे। पंडित शास्त्री ने शताधिक आचार्यों एवं साधु भगवंतों को शिक्षा दी। जीवंत जिनवाणी कहे जाने वाले पंडित शास्त्री के पुण्य प्रताप की वजह से ही उनकी समाधि हेतु अनेकों साधु भगवंतों का उपदेश और सानिध्य आपको मिलता रहा। पूज्य मुनिश्री निर्णय सागर एवं महिमा सागर महाराज के साथ ही बहुत अधिक संख्या में त्यागी वृत्तियों के सान्निध्य में आपने अंतिम सांस ली। वे ज्ञान के महासागर थे। पंडित शास्त्री ने अपने सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र से एक नई पहचान दी। हम सभी दिवंगत आत्मा के लिए प्रार्थना करते हैं और भावना भाते हैं कि उन्हें अपने अभीष्ट की प्राप्ति हो और वे सिद्ध शिला तक पहुंच करके अपने कर्तव्य / पुरुषार्थ को संपूर्ण कर सकें। दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी एवं प्रचार प्रमुख सतीश ने बताया कि उनका अंतिम महायात्रा डोला गुरुवार को प्रातः 8:00 बजे समवशरण मंदिर से महावीर कीर्ति स्तंभ रीगल चौराहा, किशनपुरा होते हुए गोम्मटगिरी पहुंचा। रास्ते भर श्रद्धालुओं ने डोले के दर्शन कर श्रीफल चढ़ाएं।अंतिम क्रिया समाज के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी के साथ ही शास्त्री के परिवारजनों से प्रारंभ करायी गई। इस अवसर पर बाल ब्रह्मचारी अनिल, अशोक, अभय, सुनील, जिनेश -सुरेश मलैया, तरुण, अमित के साथ ही अमित कासलीवाल, कमलेश कासलीवाल, एमके जैन, राकेश विनायका, मुकेश पाटोदी, हंसमुख गांधी, डीके जैन, डॉक्टर सुशीला सालगिया सहित बहुत अधिक संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

गुरुकुल स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गणगौर उत्सव

धामनोद। गुरुकुल स्कूल धामनोद के आरके गैलेक्सी ऑडिटोरियम में गणगौर उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यालय के विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन अमोघ पेंडसे और वान्या अग्रवाल ने किया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें स्कूल के चेयरमैन नरसिंह भंडारी, शैक्षणिक निदेशक एएल मुजूमदार, निदेशक ध्वज भंडारी, प्रधानाचार्या डॉ. शिल्पा शर्मा, प्रियल भंडारी, दिवेश भंडारी ने सम्मिलित होकर उत्सव का शुभारंभ किया। हायर सेकंडरी के छात्रों के लिए आयोजित उक्त कार्यक्रम के दौरान नैतिक वर्मा ने गणगौर पर्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जबकि जसलीन कौर बग्गा ने इसकी सांस्कृतिक महत्ता को कथा के माध्यम से समझाया। प्रायमरी कक्षा हेतु आयोजित कार्यक्रम में चेतना शर्मा ने भी इस पर्व पर विचार रखे।नृत्य शिक्षिका वृतिका जैन के निर्देशन में कक्षा 6वीं और 7वीं के विद्यार्थियों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि शोनाली दास के मार्गदर्शन में एक भव्य समूह नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कृतिका दवे के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा एक भावपूर्ण समूह गान प्रस्तुत किया गया।

बजट — 33 नई सड़कें बनेंगी, हर वार्ड में खुलेगी योग शाला, नहीं लगेगा नया टैक्स

इंदौर नगर निगम का आठ हजार 174 करोड़ का बजट हुआ पेश

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर नगर निगम का आठ हजार 174 करोड़ का बजट पेश हुआ। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर में मास्टर प्लान की 33 नई सड़कों का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा हर वार्ड में एक ग्लोबल गार्डन बनेगा और उनमें योग शालाएं संचालित होंगी। इसके अलावा चंदन नगर से सिरपुर तक पचास करोड़ की लगात से एक ब्रिज भी बनाया जाएगा। नदी नालों पर पुराने ब्रिजों को हटाकर पंद्रह नए ब्रिज बनाए जाएंगे। नर्मदा के चौथे चरण के लिए भी बजट में बड़ी राशि रखी जाएगी। इस साल इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू होगा। शहर में 38 नए टंकियों का निर्माण होगा। दो सालों में नगर निगम ने 100 एकड़ का लैंड

बैंक बनाया है। मेयर ने कहा कि लैंड बैंक में कर्बला मैदान की जमीन भी निगम के नाम पर हुई है। ड्रेनेज घोटाले पर मेयर ने कहा कि आरोपी जेल में हैं। इस सिस्टम में जिसने गड़बड़ की है, जिसने पैसे निकालने का काम किया। उनके 100 करोड़ से ज्यादा का बिल रोक कर रखा है। उस राशि से घोटाले के पैसे को वसूला जाएगा। मेयर ने कहा कि नगर निगम ने ऑनलाइन टैक्स भरने वन्य सुविधाओं के लिए अपना एक पोर्टल बनाया है। यह पोर्टल दो माह में काम शुरू कर देगा। अगले 50 साल तक यह पोर्टल नगर निगम के काम आएगा। मेयर ने कहा कि इंदौर स्वच्छता में नवाचार करने की मामले में हमेशा आगे रहा है। सड़कों की सफाई के लिए आधुनिक मशीन खरीदने के अलावा शहरवासी एप के माध्यम से भी डोर-टू-रोड कचरा कलेक्शन गाड़ियों को अपने घर बुला सकेंगे। इसकी सुविधा भी जल्दी दी जाएगी। इंदौर के चिड़ियाघर को जीरो वेस्ट बनाया जाएगा। नगर निगम के बजट बैठक में नगरी प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मैं मंत्री की हैसियत से नहीं आया हूं। मुझे विधायक होने के नाते इस बैठक में शामिल होने का अधिकार है। इस बार इंदौर नगर निगम ने एक हजार करोड़ का टैक्स वसूला है। यह आत्मनिर्भर की तरफ कदम बढ़ाने जैसा है। कई नगर निगमों में तनख्वाह भोपाल से आए पैसों से मिलने के बाद बांटी जाती है। कोई नगर निगम इतना टैक्स अभी तक वसूल नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि इंदौर स्वच्छता में नंबर वन है। हरियाली में भी नंबर वन बने। हम पेड़ बचाने का भी रिकॉर्ड बनाएंगे। इस बार फिर इंदौर में 51 लाख पेड़ लगाने का संकल्प ले रहे हैं।

शवों के बीच बेटे को तलाशती रहीं बुजुर्ग पिता की आंखें

इंदौर। गुजरात के बनासकांठा की पटाखा फैक्ट्री में जान गंवाने वाले दस मजदूरों के शवों को बुधवार देर रात इंदौर लाया गया। बिलखते हुए परिजन को यह सूचना मिली तो वे रात में ही एमवाय आने लगे। 24 साल के पंकज की भी हादसे में जान चली गई है। बदहवास पिता शवों के बीच उसे तलाशते रहे। रोते हुए कहते रहे उठ जा बेटा तेरे सिवा मेरा और कौन है। अस्पताल का प्रबंधन पिता को ढांढस बंधाता रहा। प्रशासन ने गुरुवार सुबह शवों को देवास पहुंचाया। सभी मजदूर देवास जिले के रहने वाले थे। देवास और हरदा में शोक की लहर हादसे में जान गंवाने वाले दस मजदूर देवास जिले हैं और आठ हरदा के हैं। दोनों ही जिलों में हादसे के बाद से शोक की लहर है। मुखयमंत्री मोहन यादव ने भी घटना पर शोक जताया है।

ब्रीफ न्यूज

गेहूं उर्पाजन के लिये किसान अब 09 अप्रैल तक करा सकते हैं पंजीयन

मुरैना। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं उर्पाजन के लिये पंजीयन की अवधि 09 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में पंजीयन की अवधि 31 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई थी।

अम्बाह शाखा नहर की आरडी 600 मी पर किया सफाई कार्य

मुरैना। जल संसाधन संभाग मुरैना के अनुविभागीय अधिकारी एवं संबंधित उपयंत्री द्वारा 02 अप्रैल 2025 को अम्बाह शाखा नहर की आर डी 600 मी पर जल गंगा संवर्धन अभियान-2025 के अंतर्गत जंगल सफाई का कार्य जन भागीदारी/जन सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी/उपयंत्री तथा गणमान्य नागरिकों एवं विभागीय मैदानी कर्मचारियों ने उपस्थित होकर श्रमदान किया।

संबंधित विभाग जल गंगा संवर्धन अभियान की कार्य योजना बनाये

मुरैना। प्रदेश सरकार द्वारा 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसमें समाज की भागीदारी और विभिन्न सहभागी विभागों की समेकित पहल से मुख्यतः नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण, भू-जल संवर्धन, पूर्व से निर्मित जल संरचनाओं की साफ-सफाई, जीर्णोद्धार/मरम्मत, जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करने एवं मानसून में किये जाने वाले पौध रोपण की आवश्यक तैयारियां आदि जल संरक्षण एवं संवर्धन एक जन आंदोलन बन सके। इस संबंध में कलेक्टर अंकित अस्थाना ने वन, राजस्व, नगरपालिका, नगरनिगम, जल संशाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्योग, शिक्षा, जिला समन्वय, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, उद्यानिकी, कृषि, जिला पंचायत, ग्रामीण आजीविका मिशन और जन अभियान परिषद अपनी कार्य योजना बनाकर शीघ्र प्रस्तुत करें।

मनकामेश्वर महादेव मंदिर पर राम नवमी को दीपदान के साथ मनेगा भव्य राम जन्मोत्सव

जौरा। ऊँ श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर परमार्थ लोक न्यास द्वारा 6 अप्रैल को राम नवमी के दिन मंदिर परिसर में श्री राम जन्मोत्सव का धार्मिक आयोजन धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। परमार्थ लोक न्यास के मीडिया प्रभारी आशीष गर्ग सोनू ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को राम नवमी के दिन सुबह भगवान श्रीराम का दूध दही गंगाजल आदि से अभिषेक किया जाकर भव्य श्रृंगार किया जाएगा। वहीं दोपहर के समय महिला मंडल द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन मंदिर परिसर में किया जाकर शाम के समय भोग लगाकर मंदिर परिसर के बाहर श्रद्धालुओं को अन्नकूट प्रसादी का वितरण किया जाएगा। इस दौरान देर शाम पूरे मंदिर परिसर में दीप जलाकर दीपदान किया जाएगा। न्यास के मीडिया प्रभारी ने बताया मंदिर से जुड़े सभी भक्तजनों से अपने अपने घरों से 5-5 दीपक लेकर आने की अपील भी की जा रही है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर राम दरबार के साथ पूरे मंदिर परिसर को आकषर्क फूलों से सजाया जाएगा।

सब्जी मंडी मे आवक बढ़ने से लहसन 400 से घटकर 80 पर आया, टमाटर 10 व प्याज का भाव हुआ 20 रुपए किलो

विजय गुप्ता ■ जौरा

इन दिनों कस्बे में थोक व खेरीज सब्जी मंडी में स्थानीय किसान बडी मात्रा में सब्जियां बेचने के लिए पहुंच रहें हैं सब्जी मंडी में सब्जियों की बंपर आवक से जहां एक माह के अंदर कुछ सब्जियों के भाव आसमान से जमीन पर आ गए हैं। जो लहुसन एक माह पूर्व सब्जी मंडी में 400 रूपए प्रति किलो के भाव बिक रहा था वह बंपर पैदावार होने के चलते 80 से 90 रूपए प्रति किलो पर आ गया है। वहीं प्याज का भाव 40 से घटकर 20 व टमाटर का भाव 40 से घटकर 10 रूपए प्रति किलो पर आ गया है।

वर्तमान मे नीबू को छोड़कर सब्जी मंडी में मिल रही अधिकांश सब्जियों के भाव 10 से 50 रु. प्रति किलो पर स्थिर बने हुए है। बता दें कि इन दिनों सब्जी मंडी में स्थानीय किसानो द्वारा अपने खेतों में उगाई गई मौसमी सब्जियों की आवक शुरू हो गई है। स्थानीय स्तर पर किसानों द्वारा की गई सब्जियों की बंपर पैदावार होने से सब्जी मंडी में आवक भी ज्यादा मात्रा में हो रही है। सब्जी मंडी में खपत से अधिक सब्जियों की आवक होने से सब्जियों के भाव प्रतिदिन घटते चले जा रहे हैं और खेतों में सब्जियों की पैदावार करने वाले किसानों को भी सब्जियों का अच्छा भाव नहीं मिल पा रहा है। किसानों का कहना है कि अब थोक सब्जी मंडी में सब्जियों का जो भाव मिल रहा है उसमें सिर्फ लागत निकल पा रही है मुनाफा नहीं हो पा रहा है।

अच्छी पैदावार होने से मंडी में सब्जियों के घटे दाम

एक नजर सब्जियों के खेरीज भाव प्रति किलो पर

वर्तमान में भिंडी, टिंडे, तोरई, सहजन फली, कटहल, अदरक, हरी मिर्च हरा धनिया व शिमला मिर्च 40 रूपए से 60 रूपए एवं लौकी, आलू, कद्दू, बैगन, पालक, प्याज, फूल गोभी व पत्ता गोभी 10 रूपए से 20 रूपए के बीच चल रहा है। जब कि करेला 30 रूपए व लहसन 80 रूपए एवं नीबू लगभग 100 रूपए किलो के भाव बिक रहा है।

मेरी दुकान-प्लास्टिक मुक्त दुकान, अभियान हुआ फ्लॉप, नगर निगम ने नहीं की कोई कार्यवाही

प्लास्टिक मुक्त करने का अभियान भी कागजों तक सीमित

सत्ता सुधार ■ मुरैना

नगर पालिका निगम मुरैना द्वारा पिछले माह आरंभ किया गया मेरी दुकान-प्लास्टिक मुक्त दुकान, अभियान अब तक फ्लॉप साबित हुआ है और कहीं भी कोई कार्रवाई देखने को नहीं मिली है, जबकि सभी दुकानों पर पॉलिथीन का उपयोग खुलेआम हो रहा है और लोग धड़ले से प्लास्टिक की पॉलिथीन में सामान ले जा रहे हैं। इस संबंध में 17 मार्च 2025 को समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के साथ नगर निगम कमिश्नर द्वारा आगामी सोमवार से कार्रवाई करने का अभियान चलाने की बात कही, लेकिन दो सप्ताह बीतने के बाद भी कहीं कोई कार्यवाही देखने को नहीं मिली है। सड़कों पर पॉलिथीन का जमावड़ा देखने को मिल रहा है।

किसी भी गली, मोहल्ले, चौराहे पर सुबह देखो तो चारों ओर प्लास्टिक पॉलिथीन ही नजर आएगी। नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा केवल कागजों में ही पॉलिथीन मुक्त अभियान चलाया जा रहा है, धरातल पर कहीं कोई असर नहीं दिख रहा है।

नगर पालिक निगम मुरैना प्रशासन कभी स्वच्छता मिशन अभियान तो कभी प्लास्टिक मुक्त अभियान चलता रहता है, लेकिन इसकी जड़ तक पहुंचाने की कोशिश नहीं करता। सामान बेचने वालों की दुकानों पर पॉलिथीन बंद करने के स्टीकर लगाने से काम नहीं चलेगा, जब तक कि शहर में प्लास्टिक की थैली का आयात प्रतिबंध न हो। पिछले कई दिन से नगर निगम मुरैना द्वारा शहर में हर दुकान पर स्टिकर लगाकर मेरी दुकान प्लास्टिक मुक्त का नारा दिया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद चाहे कपड़े, जूता, परचून किसी भी प्रकार की दुकान हो, सभी जगह धड़ल्ले से प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग हो रहा है।

नगर निगम मुरैना द्वारा सर्वेक्षण मेरी दुकान प्लास्टिक मुक्त, मुरैना को ना करें मैला, घर से लेकर निकलें कपड़े का थैला जैसे मधुर शब्द स्टिकर छपवाकर अधिकांश दुकानों पर लगवाए गए हैं, लेकिन जिन दुकानों पर भी लगवाए गए हैं, वहीं उसका पालन नहीं हो रहा है। शहर में छोटी से छोटी दुकान हो अथवा बड़े से बड़ा शोरूम सभी के द्वारा प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग किया जा रहा है। शहर की सड़कों पर रोज सुबह शाम आपको प्लास्टिक की पॉलिथीन का जमघट देखने को मिलेगा। पॉलिथीन के कारण नाले नालियां जाम हो रहे हैं, तो वहीं गोवंश प्लास्टिक पॉलिथीन को खाकर मौत के मुंह में जा रहे हैं।

नगर निगम द्वारा पूर्व में भी प्लास्टिक पॉलिथीन के उपयोग पर रोक लगाने के लिए अभियान जोर-शोर से चलाया गया था, लेकिन वह हाथ ठेला एवं कुछ छोटे दुकानदारों तक सीमित रहा, जबकि शहर में 90 प्रतिशत दुकानदार प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग कर शहर को गंदा करने में लगे हुए हैं।

अंबाह में इंटर के छात्र को गोली मारकर किया घायल, मुरैना रैफर

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के अंबाह थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह ताल की तरफ भाई को छोड़ने जा रहे इंटर के 19 वर्षीय छात्र को दो छात्रों ने अवैध हथियार से गोली मार दी, जो उसके हाथ में लगी और वह घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद छात्रा को मुरैना जिला अस्पताल रैफर किया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस द्वारा मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नितिन पुत्र डोंगर सिंह राठौर उम्र 19 अम्बाह गुरुवार की सुबह अपने भाई को ताल की तरफ कही छोड़ने जा रहा था, तभी ताल के पास नितिन के दो दोस्त अभिनव वर्मा और प्रांशु ने किसी बात को लेकर अवैध हथियार से गोली चला दी, जो उसके हाथ में लगी और वह घायल हो गया। घटना को अंजाम देकर दोनों आरोपी वहां से भाग निकले। सरेराह गोली की वारदात देखकर ग्रामीण एकत्रित हो गए और घायल युवक को अंबाह अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर परिजन भी पहुंच गए।

प्राथमिक उपचार के बाद नितिन को मुरैना रैफर किया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। अंबाह पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मुरैना के नवनीत एवं वीरेंद्र हुए सम्मानित

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सोनागिरि में संपन्न जैन मिलन अधिवेशन में नगर के विद्वत एवं शिक्षाविद सम्मानित हुए। विगत दिवस श्री सिद्धक्षेत्र सोनागिरि में जैन मिलन के अधिवेशन में वरिष्ठ नेतृत्व ने उत्कृष्ट सेवाओं के लिए नगर के विद्वत नवनीत जैन शास्त्री एवं शिक्षाविद वीरेंद्र जैन बाबा को सम्मानित किया गया।

भारतीय जैन मिलन के द्वारा प्रतिवर्ष सामाजिक गतिविधियों, धार्मिक कार्यों एवं शैक्षणिक गतिविधियों के लिए चुनिंदा लोगों को सम्मानित करता है। इसी तारतभ्य में इस युगल जोड़ी को सम्मानित किया गया। जैन मिलन के वरिष्ठ नेतृत्व ने मुरैना नगर के गौरव नवनीत जैन शास्त्री एवं वीरेंद्र जैन बाबा को शॉल, श्रीफल, मणिमाला एवं स्मृति चिन्ह देकर युगल जोड़ी का बहुमान किया। जैन विद्वत नवनीत शास्त्री किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वे प्रतिदिन नित्यनियम से अभिषेक, पूजन, स्वाध्याय, शास्त्र प्रवचन करते हुए धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को अंजाम देते हैं। इसी प्रकार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य के पद पर कार्यरत वीरेंद्र जैन बाबा सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सलंग्न रहकर उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पहिचाने जाते हैं।

वृहद विधिक साक्षरत एवं जागरूकता शिविर का सफलतापूर्ण आयोजन

मुरैना। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना द्वारा 29 मार्च से 02 अप्रैल तक वृहद विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना श्रीमती संगीता मदानके कुशल नेतृत्व में एसएएफ ग्राउण्ड मुरैना में किया गया है। मेगा विधिक साक्षरता शिविर में न्यायमूर्ति श्री जितेन्द्र माहेश्वरी, जज सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली एवं न्यायामूर्ति श्री चंद्रशेखर, जज राजस्थान उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति श्री जी.एस. अहलूवालिया, जज मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं पोर्टफोलियो जज मुरैना, न्यायमूर्ति श्री संजय द्विवेदी, जज मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, श्री धर्मेन्दर सिंह, रजिस्ट्रार जनरल, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के साथ ही गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विजिट कर जानकारी ली गई। मेगा विधिक साक्षरता शिविर का उद्देश्य लोगो को कानून के प्रति जागरूकता व न्याय सबके लिए न्याय आपके द्वार परिलक्षित करना था।

नाबालिक भी कर रहे अवैध हथियारों का प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लिखा है बदमाशों का बाप

सत्ता सुधार ■ मुरैना

पिछले कुछ दिन से सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन का सिलसिला चल निकला है जो थम नहीं रहा है। अब कुछ दिन से एक और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक नाबालिक सर पर साफी बांधकर गले में कारतूस का पट्टा डाले हुए हैं और पेट पर तमंचा रखा हुआ है। इसके साथ ही एक अन्य वीडियो में वह कारतूस का पट्टा लिए हुए हैं। यह वीडियो सराय छोला थाना क्षेत्र के तिलौंधा निवासी बबलू पुत्र पुरुषोत्तम का बताया जा रहा है। पिछले डेढ़ दशक से मुरैना जिले में अवैध हथियारों का कारोबार चरम सीमा पर पहुंच चुका है, लेकिन पुलिस अब तक हथियारों के सप्लायरों और कारखाने तक नहीं पहुंच पाई है।

पुलिस की नाकामी के कारण जिले में अवैध हथियारों का प्रदर्शन आए दिन देखने को मिल रहा है तथा पुलिस का कोई खौफ न होने के कारण लोग सोशल मीडिया पर भी इन्हें वायरल कर रहे हैं।

एक बार फिर से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक युवक पलंग पर साफी बांधकर लेटा हुआ है तथा कारतूस का पट्टा डालकर पेट पर तमंचा रखे हुए हैं और नाबालिक बच्चों के साथ भी वह वीडियो बनवा रहा है। इस प्रकार जिले में आए दिन हर्ष फायरिंग एवं हथियारों के प्रदर्शन के वीडियो सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहे हैं और यह वीडियो पुलिस को चुनौती भी दे रहे हैं कि रोक सको तो रोक लो। उल्लेखनीय बात यह है कि अनेकों वर्षों से मुरैना जिले में अवैध हथियारों की सप्लाई एवं निर्माण का काम हो रहा है और पुलिस कई बार कारखाने पकड़कर अपनी पीठ थपथपाती है, लेकिन अब तक यह पता नहीं कर पाई कि आखिर हथियार जिले की सीमा में कहां से आ रहे हैं और कैसे आ रहे हैं तथा जिले में निर्माण कहां हो रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस का मुखबिर तंत्र पूरी तरह निष्क्रिय हो चुका है और अधिकारियों को अवैध कारोबारों की कोई सूचना नहीं मिल पा रही है।

मां हरसिद्धि देवी का मेला आरंभ, 10 को होगा समापन

मुरैना। जिले के सुप्रसिद्ध गांव कोतवाल जो महाभारत कालीन कुन्तलपुर था जिसमें प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी मां हरसिद्धि देवी का मेला प्रारंभ हो चुका है। 3 अप्रैल से प्रारंभ होकर यह मेला 10 अप्रैल तक चलेगा। स्थानीय निवासी राघवेंद्र सुल्तान सिंह हरसाना नाका ने बताया कि मेले में दुर्गा अष्टमी को भागवती जागरण एवं रामनवमी के दिन निशान पूजा जवारा विसर्जन के साथ घुड़दौड़ एवं लोक संगीत का आयोजन होगा। एक अन्य जानकारी में श्री हरसाना ने बताया कि मेले में दंगल का आयोजन दशमी को होता है दिनांक 7 अप्रैल को समय दोपहर 2:00 से शाम 6:00 बजे तक है जिसमें क्षेत्र के नामी ग्रामीण व शहरी पहलवान आती हैं। दंगल में 100 रूपए से लेकर कई हजारों तक की कुश्ती कराई जाती हैं। कुन्तलपुर जो कि आज कोतवाल नाम से जाना जाता है मुरैना जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह ग्राम कुन्ती का मायका एवं पांडवों की ननिहाल तथा दानवीर कर्ण की जन्म स्थली है। दर्शकों के लिए मां हरसिद्धि देवी मंदिर, बाबा कालूराम महाराज जी मंदिर, कुंती मंदिर, सूर्य कुंड सहित अनेक प्राचीन मंदिर हैं एवं आंशिक कला के अवशेष मौजूद हैं। मां हरसिद्धि देवी के मेले में दर्शन पूजा अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

रवि तोमर करणी सेना के जिला उपाध्यक्ष मनोनीत

मुरैना। करणी सेना के जिला अध्यक्ष विष्णु सिंह तोमर द्वारा संगठन को गति देते हुए जिला उपाध्यक्ष के पद पर सक्रिय सदस्य रवि तोमर को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है और संगठन के प्रति संपूर्ण जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाने के लिए शुभकामनाएं दी हैं। जिला अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की है कि वह संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को ईमानदारी और कर्तव्य से निर्वहन कर मजबूती प्रदान करेंगे। श्री तोमर की नियुक्ति पर संगठन के तमाम पदाधिकारी व सदस्यों के अलावा समाज के लोगों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया है।

समाजसेवी एवं सराफा कारोबारी शिवहरी दास का निधन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

गुरुवार की दोपहर शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी एवं सराफा कारोबारी तथा फर्म औछेलाल शिवहरी दास सर्राफ, के संचालक शिवहरि दास सर्राफ का अस्वस्थता के चलते निधन हो गया। समाचार मिलते ही बड़ी संख्या में समाजसेवी एवं व्यवसाय उनके स्टेशन रोड स्थित ने निवास पर पहुंचने लगे। देर शाम को उनकी शवयात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होती हुई बड़ोखर स्थित मुक्तिधाम पहुंची, जहां उनके बड़े पुत्र ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

करणी सेना ने सपा नेता सुमन का पुतला दहन किया

सत्ता सुधार ■ सबलगढ़

करणी सेना के ब्लॉक अध्यक्ष गोविंद सिंह जादौन के नेतृत्व में आज रामजीलाल सुमन का पुतला दहन किया। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा संसद में राणा सांगा को गद्दार कहे जाने के विरोध में करणी सेना ने महाराणा प्रताप स्मारक से बाइक रैली निकाल कर अदालत चौराहे पर उसका पुतला दहन किया। करणी सेना के कार्यकर्ताओं एंव क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी द्वारा एसडीएम सबलगढ़ को ज्ञापन भी दिया। इसे राजपूत और हिंदू समाज का अपमान बताया। करणी सेना ने कहा कि राणा सांगा ने बाबर से कई युद्ध लड़े थे, एक युद्ध में उन्हें 80 घाव लगे थे, ऐसे वीर योद्धा को संसद में गाली देना पूरे समाज का अपमान है।

ससुराल आए पति के साथ पत्नी और साली ने की जमकर मारपीट

गुना। जिले में कुंभराज और राघौगढ़ थाना क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा मारपीट के दो मामले सामने आए हैं। कुंभराज में एक व्यक्ति के साथ उसकी पत्नी और साली ने मारपीट की, जबकि राघौगढ़ में एक महिला के साथ उसके मायके वालों ने मारपीट कर धमकी दी। दोनों मामलों में पुलिस ने शिकायत लेकर जांच शुरू कर दी है।

फरियादी सोनू पुत्र भैयालाल साहू (34), निवासी आरोन ने कुंभराज थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसकी पत्नी लक्ष्मी साहू उसके साथ नहीं रहती और भरण-पोषण का केस भी लगा रखा है। सोनू ने बताया कि वह किसी काम से कुंभराज आया था, तभी अस्पताल के सामने उसकी पत्नी और साली संतोष साहू से सामना हो गया। दोनों ने उसे देखते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और थप्पड़ मारने लगीं। उन्होंने उसे धमकी भी दी कि अगर दोबारा कुंभराज में दिखा तो जान से खत्म करवा देंगी। इस दौरान राहुल साहू नामक युवक ने उसे बचाया। पीड़ित ने थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की है।

मायके वालों ने महिला के साथ मारपीट कर दी धमकी: इधर फरियादिया आर्शिफा खान (20), निवासी वार्ड नंबर 11, बरबटपुरा, राघौगढ़ ने पुलिस को बताया कि वह अपने ससुराल में रहना चाहती है, लेकिन उसके मायके वाले जबरन उसे अपने घर ले जाना चाहते हैं। जब उसने उनके साथ जाने से मना किया तो उसके मामा आविद खान, जावेद खान, मां चांदनी और मौसी यासमिन ने गालियां देना शुरू कर दिया। महिला ने आरोप लगाया कि जावेद खान ने उसे थप्पड़ मारे, जबकि उसकी मां और मौसी ने झूमा-झटकी की। जब उसका पति शाहरुख बीच-बचाव के लिए आया तो जावेद खान ने उसे डंडे से मारा, जिससे उसके दाहिने हाथ में चोट आई।

ब्रीफ न्यूज

खिरकिया में नवयुवक पर जान लेवा हमला

हरदा। छीपाबड़ थाना अन्तर्गत खिरकिया के वार्ड नं दस के निवासी अरबाज को उसी वार्ड में रहने वाले कुर्बान व उसके एक साथी ने जान लेवा हमला कर दिया उसे बेरहमी से डन्डे और लोहे के हथियार से मारा, जिससे अरबाज के सर में गहरी चोंट आई है, मुंह और हाथ में भी गंभीर चोंटे आई है, खिरकिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने गंभीर स्थिति बताते हुए हरदा जिला अस्पताल रेफर किया है,अरबाज के परिजनों ने बताया है अरबाज घर से पैसा लेकर मोहललै की दुकान पर खरीदी करने गया था, पीछे से कुर्बान और उसके दोस्त ने जान लेवा हमला किया, पीछे से किया गया वार इतना जबरजस्त था कि अरबाज गिर गया, गिरने के बाद भी उस पर कई बार किए गए।उसकी हालत नाजुक है, उसके परिजनों ने बताया है पैसा भी छीन लिया गया है। छीपाबड़ थाना में सूचना दी गई है। अरबाज का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है, मुंह पर टांके लगे हैं,हाथ में बड़ा फेक्चर है,सर में गहरी अंदरूनी चौंट लगी है, उसे स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा है, उसकी मां फरजाना ने बताया है घटना के बाद छीपाबड़ थाना गई थी, लेकिन रिपोर्ट लिखने वाले कम्प्यूटर आपरेटर ने बताएं गए घटनाक्रम के अनुसार रिपोर्ट लिखने से मना किया गया।

14 नग अवैध नशीली दवाई (कोरेक्स) के साथ 3 गिरफ्तार

शहडोल। थाना धनपुरी में सूचना प्राप्त हुई कि सुमित शर्मा व राजकुमार पाल नाम के व्यक्ति, मुक्ति धाम नरगड़ा नाला के पास धनपुरी में अवैध नशीली दवाई कोरेक्स बिक्री करने हेतु रखे है। सूचना पर बनपुरी पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये पुलिस टीम गठित कर मुक्तिधाम नरगडा नाला के पास धनपुरी में घेराबन्दी कर दबिश दी गई है जो आरोपी क्रमशः 01. सुमित शर्मा पिता लालमणि शर्मा उम्र 33 साल निवासी वार्ड नं. 05 कटकोना थाना बुढार एवं 02. राजकुमार पाल पिता प्रेमदास पाल उम्र 30 साल निवासी वार्ड नं. 24 कछियान टोला धनपुरी के वस्तयाब हुये।

उपार्जन केंद्रों पर अनियमितताएं पाए जाने पर कारण बताओं नोटिस जारी

सीहोर। शासन के निदेशानुसार जिले में 15 मार्च से 05 मई तक गेंहूं उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। उपार्जन के लिए जिले में उपार्जन केंद्र भी निर्धारित किए गए हैं। कलेक्टर बालागुरू के. द्वारा श्यामपुर के छतरपुरा स्थित रामानुज वेयरहाउस संचालक भावना गौर पति सुरेंद्र गौर एवं श्यामपुर के चरनाल स्थित बद्रीनाथ वेयरहाउस के गोदाम संचालक सीया बाई पति नर्मदा प्रसाद को केंद्र में अनियमितताएं पाए जाने पर कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देश पर कृषि कल्याण विभाग के उप संचालक ने इन उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया था।

राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम शाखा छतवई का किया निरीक्षण

शिल्पकारों को दें उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण : मंत्री जायसवाल

सत्ता सुधार ■ शहडोल

कुटीर एवं ग्रामोद्योग (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री श्री दिलीप जायसवाल की उपस्थिति में आज हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम शाखा,छतवई में कौशल विकास उन्नयन प्रशिक्षण योजना के तहत शिल्पकारों को दिए जा रहे 75 दिवसीय प्रशिक्षण कार्य का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर राज्य मंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने यहां के प्रभारी प्रबंधक एवं डिजाईनर को निर्देशित करते हुए कहा कि हस्तशिल्प एवं हतकरघा विकास निगम शाखा छतवई में प्रशिक्षण ले रहे शिल्पियों को उच्च एवं कुशल प्रशिक्षण दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिल्पियों को नए-नए डिजाइन के प्रशिक्षण दिए जाएं। राज्य मंत्री ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्य 75 दिन तक ही सीमित नहीं रहेगा यह आगे भी निरंतर चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि यहां कालीन के साथ-साथ दरी एवं चादर बनाने का भी प्रशिक्षण दिया जाए एवं उनके नए-नए डिजाइन बनाना भी सिखाया जाए। उन्होंने कहा कि छतवई की बनी कालीन का उपयोग विधानसभा भवन में भी किया गया है यह हमारे लिए गौरव का विषय है। उन्होनें कहा कि ज्यादा से ज्यादा लागों को प्रशिक्षण में शामिल किया जाए एवं प्रशिक्षण दिया जाए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि हमारे ग्राम छतवई में बनी कालीन एवं दरी प्रदेश के साथ-साथ देश में भी प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां की माताएं-बहने कालीन की बुनाई एवं कास्ट की कलाकृति बनाने में कुशल कारीगर हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल से पहले ग्राम पंचायत छतवई का हस्तशिल्प एवं हतकरघा विकास निगम शाखा छतवई का कार्य बड़ी तेजी से चल रहा था। कोरोना काल आने के बाद किन्ही कारणों से बंद हो गया था। उन्होंने कहा कि राज्य मंत्री श्री दिलीप जायसवाल की पहल

पर यह पुनः खोला गया है। इसमें हमारे यहां की माताएं एवं बहने फिर से कार्य कर अपने हुनर को निखारेंगी तथा अपने हाथों की कला से फिर से छतवई एवं शहडोल जिले का नाम रोशन करेंगी।

इस दौरान कुटीर एवं ग्रामोद्योग (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम शाखा छतवई का निरीक्षण भी किया तथा प्रशिक्षण ले रहीं महिलाओं से चर्चा भी की।

कार्यक्रम में अध्यक्ष नगरपालिका शहडोल श्री घनश्याम दास जायसवाल, अध्यक्ष जनपद पंचायत सोहागपुर श्रीमती हीरावती कोल, समाज सेवी श्रीमती अमिता चपरा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह सहित, हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम शाखा छतवई के प्रभारी प्रबंधक श्री शिवशंकर पाण्डेय, डिजाईनर अंकिता चन्द्रवर्शी अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी एवं काफी संख्या में शिल्पी बहने उपस्थित रहीं।

बीज के नाम पर किसानों को लूट रही बीज समितियां

किसानों से कम रेट पर लेकर 2 गुना में दिया जा रहा बीज

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले में कृषि विभाग और सहकारिता विभाग की बीज समितियों द्वारा बीज उपलब्ध कराने के नाम पर खुलेआम लूट खसोट किया जा रहा है। इस पर जिला प्रशासन और कृषि विभाग मूक दर्शक बना हुआ है। किसानों से कम दर पर अनाज खरीद कर रखरखाव के बाद वही बीज दो गुने से अधिक दाम पर किसानों को दिया जा रहा है। 8हजार प्रति क्विंटल की दर से खरीदा गया और वही किसानों को 12 से 15 हजार रुपये प्रति क्विंटल की दर से दिया जा रहा है। गेहूं, चना, मूंग, सोयाबीन सहित अन्य बीज में इसी तरह से वर्षो से गोलमाल किया जा रहा है। किसानों के अनाज को किसानों को दो गुने दाम पर दिया जा रहा है। बीज समितियों की इस मनमानी पर अंकुश लगाने और बीजोपचार रखरखाव के खर्चे को इतना बड़ा चढाकर वसुलने से कि जाने की स्थिति दयनिय हो गई है।

बीज समितियों की मनमानी : कृषि और सहकारिता विभाग के बीज समितियों की मनमानी चरम सीमा पर है। बीज उपलब्ध कराने के नाम पर ओने-पोने दाम पर बीज दिया जा रहा है और हर वर्ष यही हो रहा है। बीज समितियां स्वयं खेती नहीं करती किसानों के ही अनाज को ज्यादा कीमत पर किसानों को दिया जा रहा है। रखरखाव और बीजो उपचार के नाम पर इतना अधिक वसूला जा रहा है कि किसानों की स्थिति दयनिय हो गई है। अक्सर बीज ठीक से उगता भी नहीं है और उनका विकास और उत्पादन उम्मीद के अनुकूल नहीं होता है। बीज समितियों की मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया जा रहे हैं। जिसके कारण समितियों द्वारा खुलेआम लूट खसोट किया जा रहा है।

जिला कलेक्टर से कार्रवाई की मांग : जिले में जिन बीज समितियों का बीज बिक रहा है। उनकी पूरी जांच करवाई जाय और बीज की गुणवत्ता को मानक स्तर पर परखा जाय और बीज बेचने का पूरा रिकॉर्ड रखा जाय और कितने बीज बेचा गया, किस किसान को दिया गया और किसानें की फीडबैक लेकर गुणवत्ता की परख की जाय और बीज मानक स्तर पर नहीं पाये जाने पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाय। किसान संघ ने इस संबंध में कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

शासन की गाइडलाइन का पालन नहीं

बीज समितियों द्वारा शासन की गाइडलाइन का पालन नहीं करके जहां एक और कायदे कानूनों का उलंघन करके टैक्स की चोरी की जा रही है। वहीं दूसरी ओर औने-पौने दाम पर देकर किसानों को लूटा जा रहा है। अमानक बीज पाये जाने पर, कम उगने और पैदावार कम होने पर शिकायत को अनदेखा करके बचाव किया जाता है। कृषि विभाग और जिला प्रशासन इस मामले में कठोर कार्यवाही करने से मुकर रहा है। इससे स्थिति दिनों-दिन गंभीर होती जा रही है।

जिला प्रशासन कृषि विभाग नहीं दे रहा ध्यान

बीज समितियों के लूट खसोट रवैये पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन और कृषि विभाग ध्यान नहीं दे रहा है। किसानों के अनाज किसानों का ही बीज के रूप में आकर्षक पैकिंग करके दिया जा रहा है। बीज नहीं जमने और उत्पादन कम होने पर भी बीज समितियों पर किसी प्रकार का जुर्माना लगाकर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। बीज समितियों का मनमानी रवैया चर्चा का विषय बन गया है। बीज समितियों के रवैये की जांच पड़ताल की जाय और रखरखाव बीजोपचार के कामों का बारीकी से परीक्षण करके रेट तय करने का मानक निर्धारित करके किसानों को बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

वक्फ बोर्ड संसोधन बिल का पसमांदा मुस्लिम महासंघ ने किया पूरा समर्थन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

संसद में केंद्र सरकार के द्वारा लाए गए वक्फ संसोधन बिल का राष्ट्रीय पसमांदा मुस्लिम महासंघ ने खुला समर्थन किया। वक्फ संसोधन बिल को पसमांदा मुस्लिम महासंघ ने पिछड़े गरीब पसमांदा समाज के मुस्लिमों के हित में बताया है। हजरत दुल्हाबादशाह दरगाह के पास स्थित वक्फ संपत्ति मस्जिद के पास राष्ट्रीय पसमांदा मुस्लिम महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष नौशाद खान ने कहा कि वक्फ बोर्ड पर पूंजीपति बहुबली लोग कब्जा करके बैठे है जिस कारण गरीब मुसलमानों को वक्फ बोर्ड से कोई भी फायदा नहीं मिल रहा है। वर्तमान में वक्फ बोर्ड मुस्लिम की तरक्की खुशियाली और शिक्षा के लिए कुछ भी नही कर रहा है,जबकी बोर्ड के पास अरबों रूपये की संपत्तियां है किराया भी करोड़ रूपये में आता है लेकिन बड़े लोग हड़प लेते है।

प्रदेशाध्यक्ष नौशाद खान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह मुस्लिमों की सभी जातियों के हक में वक्फ बोर्ड में संसोधन करने जा रहे है जिस से बहुबलियों का राज समाप्त होगा और कब्जा की गई वक्फ जमीने मुक्त होगी। वक्फ संसोधन के बाद जमीनों पर मदरसे स्कूल अस्पताल और गरीब मुस्लिमों के लिए मकान बनेंगे। मस्जिदों दरगाहों के सेवादारों मुलाजिमों को वेतन मिलेगा। गरीब बेटियों की शादी कराई जाएगी और बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। मुस्लिमों के हित में राष्ट्रीय पसमांदा मुस्लिम महासंघ के पदाधिकारी डॉक्टर इम्तियाज़ खान, अजहर बाबा, हामिद,शर्कर, शाबाश शाह मोहम्मद, खलील मोहम्मद, खलील शाह, इरफान, अकरम, शाहिद, फिरोज, नसीम राजा, आमिर शादाब,असलम, अरशद, तोफिक, अनवर बाबा वक्फ बोर्ड संसोधन बिल का स्वागत करते हुए खुला समर्थन करते है।

सरकार जिम्मेदार अधिकारियों को क्यों बचा रही - टाले

हरदा । गुजरात के बनासकांठा जिले के डीसा के धुनवा रोड पर स्थित पर मंगलवार, 1 अप्रैल की सुबह 8 बजे दीपक ट्रेडर्स नामक एक पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट के कारण मध्यप्रदेश के 18 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई और मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है । पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष हेमंत टाले का कहना है कि इससे पता चलता है कि पूर्व में हरदा एवं अन्य स्थानों पर हुए ब्लास्ट से सरकार ने कोई सबक नहीं सीखा। हरदा में हुए ब्लास्ट के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्यवाही होती, तो इस तरह की दुर्भाग्यपूर्ण घटना देश में दोहराई नहीं जाती और वह पूरे देश में जिम्मेदारों के खिलाफ मिसाल साबित होती। कार्यवाही के डर से संबंधित अधिकारी लापरवाही व मिलीभगत के बजाये अपना काम मुस्तेदी से करते। हरदा में विगत वर्ष हुए ब्लास्ट में अब तक संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही तो दूर की बात है, अभी तक जाँच रिपोर्ट भी सार्वजनिक नहीं की गई है। सरकार के इस रवैये का परिणाम गरीब मजदूर अपनी जान देकर भुगत रहे हैं, न्याय पाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी कल्याण संघ और कर्मचारी संगठनों ने संयुक्त रूप से सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

गुरुवार को मुख्य नगर पालिका अधिकारी कल्याण संघ एवं अन्य कमज़्चारी संगठनों ने विगत 29 मार्च 2025 को प्रदीप शर्मा मुख्य नगरपालिका अधिकारी दमोह के निवास पर जाकर स्थानीय ठेकेदार विवेक अग्रवाल और छुट्टू यादव के द्वारा उनके मुंह पर काली स्याही लगाने का दुष्कृत्य किया गया जिससे न केवल श्री शर्मा वरन विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की न केवल प्रतिष्ठा खराब हुई है वरन सभी के मनोबल का भी हिरास हुआ है। जिसको लेकर आज संगठनों ने मिलकर मुख्यमंत्री को कलेक्टर द्वारा ज्ञापन सौंपा गया।

इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में विनोद कुमार प्रजापति, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण, भूपेंद्र कुमार दीक्षित मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका सीहोर, प्रफुल्ल गठरे मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद भेरूंदा, छुट्टन चावरिया जिला अध्यक्ष मध्य प्रदेश सफाई कर्मचारी यूनियन इंटक कांग्रेस, संजय शुक्ला जिला अध्यक्ष मध्य प्रदेश नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ जिला सीहोर, विनोद बोयत जिला अध्यक्ष मध्य प्रदेश मजदूर संघ सीहोर एवं अधिकारी कर्मचारीगण विजय कोली सहायक यंत्री, विष्णु प्रसाद मीणा सहायक लेखा अधिकारी, चंद्र प्रकाश राठौर, राज सिंह, वैभव लोवानिया, जितेंद्र नाथ, हरीश सोलंकी, कमोद सिंह, तिलक खाती, रेखा बोयत समस्त नगर पालिका कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रदेश की मूल गौवंशीय नस्ल एवं भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायों हेतु पुरूस्कार योजना

दमोह।। राज्य शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश की मूल गौवंशीय नस्ल एवं भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायों को पुरूस्कृत किये जाने हेतु विकासखण्ड स्तर पर 02 अप्रैल से 04 अप्रैल 2025 तक आवेदन आमंत्रित किये गये है। योजना अंतर्गत अधिक दुग्ध उत्पादन देने वाली गायों के पशुपालकों को पुरूस्कृत किया जायेगा। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपसंचालक ने बताया प्रदेश की मूल गौवंशीय नस्ल योजना अंतर्गत सभी वर्ग के पशुपालक जिनके पास दमोह जिले की केनकथा नस्ल की गाय जिसका दुग्ध उत्पादन प्रतिदिन 04 लीटर अथवा इससे अधिक है, भारतीय उन्नत नस्ल योजना के अंतर्गत सभी वर्ग के पशुपालक जिनके पास भारतीय नस्ल की उन्नत दुधारू गाय जिसका दुग्ध उत्पादन 06 लीटर अथवा इससे अधिक है आवेदन कर सकते है। उन्होंने जिले के समस्त पशुपालकों को सूचित किया है कि संबंधित विकास खण्ड की पशु चिकित्सालय संस्था से आवेदन प्राप्त कर आवेदन विकासखण्ड स्तरीय संस्था पशु चिकित्सालय पर 04 अप्रैल 2025 शाम 04 बजे तक जमा कर सकेंगे।

भाजपा सरकार के संरक्षण में सौरभ शर्मा को मिली जमानत के विरोध में कांग्रेसजनों ने किया विरोध प्रदर्शन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा को जमानत मिलने का कांग्रेस पार्टी लगातार विरोध कर रही है। मंगलवार को सीहोर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती के निर्देश पर नेता प्रतिपक्ष विवेक राठौर के नेतृत्व में भ्रष्टाचारी सौरभ शर्मा को जमानत दिए जाने के विरोध में कोतवाली चौराहे पर प्रतिकात्म पाप का घड़ा फोड कर एवं भाजपा सरकार के विरोध में गगन भेदी नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। विवेक राठौर ने कहा कि सौरभ शर्मा की ज़मानत भारतीय जनता पार्टी के भ्रष्टाचार को संरक्षित करने की राजनीति को उजागर करती हैं, लोकायुक्त 60 दिन में चालान पेश नहीं कर सकी, ऐसी संस्था किस काम की जो चालान नहीं पेश कर पाई। एक पूर्व कांस्टेबल जो भ्रष्टाचार में रंगे हाथों पकड़ा गया उसे जमानत मिल गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खुलेआम भ्रष्टाचार चल रहा है। जिन अधिकारियों के कारण चालान पेश नहीं हुआ उन पर कार्रवाई होना चाहिए।

लोकायुक्त को तत्काल भंग कर दूसरी संस्था बननी चाहिए, जिससे सही तरह से जांच हो सके। सौरभ शर्मा मामले की जांच हाईकोर्ट की निगरानी में होनी चाहिए। साथ ही कांग्रेसजनों ने भाजपा सरकार से सवाल पूछे कि सौरभ शर्मा मामले में चालान पेश न करने की नाकामी के पीछे कौन जिम्मेदार है। जयदीप प्रसाद का ट्रांसफर क्या इस मामले को दबाने की साजिश का हिस्सा है। भ्रष्टाचार के अनेक मामलों में अभियोजन की अनुमति रोककर सरकार भ्रष्टाचारियों को संरक्षण क्यों दे रही है। लोकायुक्त की बार-बार नाकामी के बावजूद इस भ्रष्ट संस्था को क्यों ढोया जा रहा है? प्रतिपक्ष नेता विवेक राठौर ने मांग की है कि सौरभ शर्मा मामले की निष्पक्ष जांच हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में हो। जयदीप प्रसाद के ट्रांसफर और समयावधि में चालान पेश नहीं करने के कारणों की विस्तृत जांच हो। भाजपा सरकार का पाप का घड़ा भर चुका है आने वाले समय में जनता भाजपा को मुंहतोड़ जवाब देगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नईम नवाब, प्रीतम दयाल चौरसिया, रमेश गुप्ता, सुनील दुबे, रामायण प्रसाद शुक्ला, विवेक राठौर, घनश्याम यादव, नरेन्द्र खंगराले, मनोज परमार, आशीष गेहलोत, सुदीप व्यास, मजीद अंसारी, हसीन कुरैशी, संतोष पटेल, देवी सिंह थरोल, के.के.रिछारिया, तुलसी राजकुमार राठौर, हर्षदीप राठौर, कमलेश चाण्डक, भगत सिंह तोमर, पंकज शर्मा, कपिल गौर, विनीत गोयल, गजराज परमार, तनष्कि त्यागी, यश यादव, दीपक सोनकर, मनीष मेवाड़ा, शुभम सक्सेना, विक्की विश्वकर्मा, विजय वर्के आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

पार्षद सिल्लू रजक ने किया स्कूल में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का शुभारम्भ

सत्ता सुधार ■ शहडोल

सरदार वल्लभ भाई पटेल, वार्ड नंबर 5 स्कूल, घरौला मोहल्ला में पार्षद सिल्लू रजक द्वारा ÷प्रवेश उत्सव÷ का शुभारम्भ मे माँ सरस्वती वीणा दायनी के समक्ष दीप प्रजलित कर पुष्प अर्पित किया गया किया गया। इसके बाद बच्चों को शिक्षा सम्बन्धी पुस्तकें सामग्री कक्षा 1 से लेकर आठवीं तक की निशुल्क वितरित की गई। बच्चो के मन में विद्यालय में प्रवेश करने का उत्साह बढ़े और उनकी रूचि को जगाने के लिए उन्हें शिक्षा के महत्व को बताया। विगत सत्र में अधिक दिनों की उपस्थिति वाले छात्रों को टिफिन बॉक्स तथा स्मृति चिन्ह दिये गये।

सभी शिक्षा केंद्र, स्कूलों में वार्षिक परीक्षायें लगभग समाप्त हो चुकी है। आगामी सत्र की शिक्षा प्रारम्भ करने के पूर्व छात्र-छात्राओं में विद्यालय में प्रवेश और शिक्षा के प्रति उत्साह हो, इसके लिए सभी शासकीय स्कूलो में ÷प्रवेश उत्सव÷ कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। शासन की मंशानुसार अधिक से अधिक बच्चे शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्कूल पहुँचे, इस उद्देश्य से सभी शासकीय विद्यालयो में प्रवेश उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है।

प्रवेश उत्सव कार्यक्रम पर पार्षद सिल्लू रजक ने स्कूली बच्चो से बातचीत की और कहा कि शिक्षा हमारे जीवन में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। शिक्षा से ही मनुष्य अपने जीवन में तरक्की कर पाता है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने भी एक-एक कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसकी सभी ने प्रशंसा की और उनका उत्साहवर्धन किया।

सिल्लू रजक पार्षद ने सभी बच्चों को कहा कि अच्छे से पढ़-लिखकर आगे बढ़ें, क्योंकि शिक्षा ही उन्नति का आधार है। अपने उज्जवल भविष्य की ओर आगे बढ़ते रहें और अपने माता-पिता के साथ ही देश का नाम सारे जग में रौशन करें। अधिक से अधिक संख्या में बच्चों को स्कूल चलने के लिए प्रेरित करें।

इस अवसर पर सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड ने. 5 विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं शिक्षिकायें, एवं वार्ड के अन्य सम्मानित जन उपस्थित रहे।

शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम संपन्न

हरदा । महात्मा गांधी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हरदा में स्कूल शिक्षा विभाग हरदा के द्वारा गुरूवार को शाला प्रवेश उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक हरदा डॉ. आर.के. दोगने, अध्यक्ष जिला पंचायत गजेंद्र शाह, उपाध्यक्ष जिला पंचायत दर्शन सिंह गहलोद, जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानिया, जिला शिक्षा अधिकारी डी.एस. रघुवंशी एवं सहायक संचालक शिक्षा बलवंत पटेल भी मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चे देश का भविष्य है। बच्चे मन लगाकर पढ़ाई करें और नियमित रूप से शाला में उपस्थित रहें। उनके लिये सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सरकार कर रही है। हरदा विधायक डॉ. दोगने ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि अपने माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करें। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गहलोत ने बच्चों से सीधा संवाद कर उन्हें पढ़ाई के लिये प्रेरित किया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती झानिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों को स्कूल में कक्षाएं नियमित रूप से अटेण्ड करनी चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने उपस्थित विद्यार्थियों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया और उन्हें नए शिक्षा सत्र के लिये पाठ्य पुस्तकें प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन जिला शिक्षा अधिकारी श्री डी.एस. रघुवंशी ने किया।

नरवाई ना जलाने और अर्थदण्ड से अवगत कराने कराई जा रही मुनादी

सत्ता सुधार ■ दमोह

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत जिले में किसान भाईयों को नरवाई ना जलाने जागरूक किया जा रहा हैं। इसी क्रम में उपसंचालक कृषि श्री जे.एल. प्रजापति ने बताया दमोह जिले के ग्राम पंचायतों में नरवाई में आग न लगाने के लिए कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत ग्राम पंचायतनों में मुनादी का कार्य एवं कृषको को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने बताया ग्राम धनगौर विकासखंड तेंदूखेड़ा, ग्राम पंचायत देवडोंगरा, विकासखण्ड पटेरा, हटा के ग्राम अचलपुरा, तेंदूखेड़ा के ग्राम गुहन्ची में नरवाई ना जलाने जागरूक किया गया। साथ ही अर्थदण्ड के बारे में ग्रामीणजनों को अवगत कराया गया। इसी प्रकार ग्राम अंचलपुरा (Magdupura) कोटवार द्वारा संध्याकालीन मुनादी कराई गई। साथ ही ग्राम देवरागढ़ी में किसानों को नरवाई प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई और साथ में आग लगाने पर दंडात्मक कार्यवाही के बारे मे अवगत कराया गया।

हाई स्कूल भवन अंचल के बच्चों के अनगिनत सपनों की बुनियाद बनेगा: विधायक लारिया

विधायक लारिया के अथक प्रयासों से स्वीकृत 1करोड़ 47 लाख रू.की लागत से बनने वाले स्कूल भवन का भूमिपूजन सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ सागर

नरयावली विधायक इंजी.प्रदीप लारिया ने गुरुवार को विधानसभा अंतर्गत ग्राम डुंगासरा में 1करोड़ 47 लाख रु. की लागत से बनने वाले हाई स्कूल भवन का भूमिपूजन किया।

भूमिपूजन अवसर पर विधायक लारिया ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष की बात है कि अब यहां हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। यह स्कूल भवन अंचल के बच्चों के अनगिनत सपनों की बुनियाद बनेगा। उन्होंने लोक निर्माण के अधिकारियों के साथ ठेकेदार को निर्देशित किया कि निर्माण अच्छी गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि यह निर्माण बच्चों से जुड़ा है इसमें गुणवत्ता सबसे अच्छी होनी चाहिए।इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जी के नेतृत्व में प्रदेश में विकास मूलक कार्यों के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के माध्यम से नागरिकों को लाभान्वित किया जा रहा है।क्षेत्र में विकास कार्यों को नई ऊंचाई देने के लिए पूरे समर्पण के साथ कार्य करने के लिए हम संकल्पित है।इस अवसर पर मकरोनिया ग्रामीण मंडल अध्यक्ष, भाजपा पदाधिकारी- कार्यकर्ता, सरपंचगण, ग्रामवासी, शिक्षक एवं बच्चे बड़ी संख्या में मौजूद रहें।

प्रवेशोत्सव के तीसरे दिन सीएम राइज विद्यालय में खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

बण्डा(सागर)। स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत नगर के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक सीएम राइज विद्यालय में चार दिवसीय प्रवेशोत्सव के तीसरे दिन गुरुवार को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ खो-खो,शटल,चम्मच दौड़,कुर्सी दौड़,सौ मीटर दौड़,अंताक्षरी सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया।छात्रा मोनिका लोधी,रक्षा प्रजापति, लक्ष्मी राजपूत,कंचन लोधी,गौरी अहिरवार,नैनसी यादव, रुचि लोधी,राधिका चौबे सहित अन्य छात्र-छात्राओं ने बुंदेली लोकगीतों के साथ-साथ कई प्रकार के भजन एवं गीतों की प्रस्तुति दी उसके बाद अनामिका आठ्या,खुशी विश्वकर्मा,संजना यादव,रिया साहू,माही सिंह,पलक दांगी आदि ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित सभी अतिथियों का मनमोह लिया।तृतीय दिवस के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रधानाध्यापक संजय सेन,खेल शिक्षक राजेश राजपूत, नृत्य शिक्षिका अंजनी श्रीवास्तव,संगीत शिक्षक चंद्रकांत सेन,श्रीमती भारती श्रीवास्तव, श्रीमती रागनी जैन सहित अन्य सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं की विशेष उपस्थिति रही।कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षक रंजीत गौर एवं आभार व्यक्त वरिष्ठ शिक्षिका डॉ.वंदना तिवारी द्वारा किया गया।खेल शिक्षक राजेश राजपूत एवं नृत्य शिक्षिका अंजनी श्रीवास्तव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बतलाया कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है।तीसरे दिवस के कार्यक्रम को आयोजित कराने में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा।छात्र अनंत श्रीवास्तव,कृष्णकांत अहिरवार, घनश्याम अहिरवार, लकी रैकवार, गोपाल, हेमंत अहिरवार,लोकेश श्रीवास्तव, विकास राठौर आदि ने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

नगर पालिका द्वारा अस्थाई अतिक्रमण हटाने की मुहिम दूसरे दिन भी जारी रही

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

बुधवार को बीना नगर पालिका द्वारा अस्थाई अतिक्रमण हटाने की मुहीम झांसी गेट स्थित ओवर ब्रिज के नीचे स्थित अस्थाई अतिक्रमण हटाने की मुहिम मुख नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश जगनेरिया एवं उनकी टीम द्वारा शुरू किया गया। जो गुरुवार को अस्थाई अतिक्रमण हटाने की मुहीम जारी रही।जबकि नगर पालिका परिषद द्वारा पहले से सूचना जारी कर दी गई थी किंतु दुकानदार एवं फुटकर दुकानदार इस बात को मानने को तैयार नहीं थे आखिर नगर पालिका को मजबूर होकर अस्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए मुहिम शुरू करनी पड़ी। लगातार बीना में बिगड़ती यातायात व्यवस्था को लेकर आए दिन प्रशासन के कार्यों पर उंगलियां उठ रही थी। दुकानदार अपनी दुकान से 5 फीट बाहर समान लगाकर बैठे हुए थे विशेष कर सर्वोदय चौराहा, अंबेडकर तिराहा, सिनेमा तिराहा एवं महावीर चौक जहां पर यातायात व्यवस्था हमेशा बिगड़ी रहती थी आज जब नगर पालिका द्वारा अस्थाई अतिक्रमण हटाने की मुहिम चली कुछ लोगों ने अपना सामान खुद हटाए और कुछ को नगर पालिका द्वारा हटाया गया।सीएमओ रामप्रकाश जगनेरिया के नेतृत्व में टीम महावीर चौक पहुंची। सब्जी-फल के ठेलों को ओवर ब्रिज के नीचे स्थानांतरित किया गया। बड़ी बजरिया में टीन शेड और सब्जी-फल की दुकानें हटाई गईं।

एसडीएम विजय डेहरिया ने बड़ी बजरिया में राजस्व अमले के साथ कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। यहां नजूल पट्टों पर अवैध व्यवसायिक निर्माण मिले। कई लोगों ने आवासीय एनओसी पर कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स बना लिए थे। एसडीएम ने सभी को तीन दिन में दस्तावेज जमा करने के निर्देश दिए।अभियान गांधी तिराहे तक पहुंचा, जहां गुमठियां और टीन शेड हटाए गए। शाम 6 बजे अभियान समाप्त हुआ। अधिकतर लोगों ने स्वयं अतिक्रमण हटा लिया। कुछ भू-स्वामियों को मकान की एनओसी दिखाने के नोटिस जारी किये गए।

डी.ए.वी बी.आर बीना विद्यालय में शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

प्राचार्य अशोक कुमार मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक आयोजन किया गया।प्रशिक्षण का केंद्रबिंदु समावेशी शिक्षा पर आधारित था।इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विभिन्न-क्षमता वाले छात्रों को समझना और समर्थन देना था।समाज के विभिन्न वर्गों के छात्रों तथा विभिन्न क्षमता वाले छात्रों को समान अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसका विषय था - समावेशी शिक्षा विभिन्न क्षमता वाले छात्रों को समझना और उनका समर्थन करना। इस कार्यक्रम के प्रशिक्षक डॉ. विकास राय (विशेष जन विकास संस्थान) और लिंग लैडर थेरेपी सेंटर के निदेशक तथा डॉ चंदस्मिता दास रहे । इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को उन छात्रों की पहचान करने और उनकी आवश्यकताओं को समझने के लिए प्रशिक्षित करना था, जो शारीरिक या मानसिक रूप से विभिन्न-क्षमता वाले हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिरीष चाँदेकर जी (जी.एम, बी पी.सी.एल) द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसमें सभी सम्मानित अतिथियों ने भाग लिया। चांदेकर ने अपने उद्घाटन भाषण में समावेशी शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डाला और बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य विभिन्न क्षमता छात्रों की पहचान करना और उन्हें उचित सहायता प्रदान करना है। उन्होंने इसे समाज के लिए एक सशक्त कदम बताया।

कार्यक्रम में अशोक कुमार मिश्रा (प्रधानाचार्य) ने आगंतुक अतिथियों को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया । और प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे इस प्रशिक्षण का प्रयोग अपनी कक्षा में करें और विभिन्न-क्षमता वाले छात्रों के साथ बेहतर तरीके से संवाद स्थापित करें।उनके साथ सहानुभूति पूर्वक व्यवहार रखें और यथोचित सहयोग कर उनका विकास सुनिश्चित करे। इस कार्यक्रम में कालीचरण षड़ंगी और तनुश्री घोष ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि बच्चों के साथ कैसे बेहतर संवाद किया जा सकता है, और समावेशी शिक्षा के महत्व को समझाया।

इस कार्यक्रम का समापन प्रमाणपत्र वितरण से हुआ, जिसमें प्रधानाचार्य अशोक कुमार मिश्रा जी ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों और अन्य भागीदारों ने इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम बताया और समावेशी शिक्षा के प्रसार के लिए अपने योगदान का संकल्प लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने विभिन्न क्षमता वाले छात्रों के प्रति शिक्षकों और समाज की जागरूकता को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया , जिससे छात्रों को बेहतर अवसर प्राप्त हो सके और समावेशी शिक्षा की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ाया जा सके।कार्यक्रम का समापन जेपी एंटनी सर द्वारा आभार ज्ञापन के साथ हुआ।

विद्या भारती ने लालगढ़-पुरी एक्सप्रेस के स्टापेज की मांग की

बीना(सागर)। मालखेड़ी रेलवे स्टेशन से निकलने वाली ट्रेन क्रमांक 20471 एवं 20472 लालगढ़-पुरी-लालगढ़ सुपर फास्ट एक्सप्रेस के स्टाप की मांग की गई है। विद्याभारती के जिला सचिव महेश अग्रवाल ने रेल मंत्री को पत्र लिखकर मांग कि स्टेशन पर पुरी जाने वाली उत्कल एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों का स्टापेज है, लेकिन सुपर फास्ट ट्रेनों को नहीं रोका जा रहा है। पुरी के लिये बीना मुख्य स्टेशन से कोई ट्रेन उपलब्ध नहीं है, बीना मालखेड़ी से मात्र एक ही ट्रेन कलिंग उत्कल एक्सप्रेस है जो कि रात्रि 9ः50क्करूपर चलकर तीसरे दिन 6ः06 मि. पर पहुँचाती है अर्थात् 29ः35 मि. लेती है।जबकि 20471 बीकानेर पुरी एक्सप्रेस का स्टापेज किया जाता है तो यह ट्रेन 23 घण्टे से कम समय में बीना से पुरी पहुँचा देगी। लालगढ़-पुरी सुपर फास्ट 20471/20472 इस ट्रेन का स्टापेज मुंगावली जैसे तहसील कस्बा की छोटी सी स्टेशन पर भी हैं। रनिंग समय में पर्याप्त मार्जिन होने के कारण बीना मालखेड़ी स्टापेज से टाईम टेबिल में परिवर्तन की आवश्यकता नहीं।यह ट्रेन थ्रू चलाई जा रही है। विद्याभारती ने इस ट्रेन के स्टापेज की मांग की है।

श्री राम जन्म महामहोत्सव पर निकलेगी भव्य पालकी यात्रा अनेकों रहेगी झांकियां

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

नरसिंह हिंदू संगठन के तत्वाधान में 6 अप्रैल को श्री राम जन्म महामहोत्सव पर निकलेगी भव्य पालकी यात्रा।यह जानकारी हिंदू संगठन के विकास राजपूत विवेक राजपूत शुभम पाठक में एक प्रेस वार्ता के दौरान बताई उन्होंने कहा कि हम सबके आराध्य देव मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जन्म महोत्सव भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी।बीना नगर केसरिया रंग से सज गया है जगह-जगह झंडा देखें जा सकते हैं।लोगों में भी श्री राम प्रगट उत्सव को लेकर लोगों में उत्साह देखा जा रहा है।

6 अप्रैल को नरसिंह मंदिर पर ठीक 12 बजे श्री राम जन्म महोत्सव मनाया जाएगा तत्पश्चात श्री राम प्रकट महोत्सव पर भव्य पालकी यात्रा शाम 4 बजे श्री नरसिंह मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होगी, जो नगर भ्रमण कर नरसिंह मंदिर पर संपन्न होगी, इस पालकी यात्रा में भारत के कोने-कोने से आने वाली है झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र होगी जिसमें 12 ज्योतिर्लिंग, नवदुर्गा झांकी, तिरुपति बालाजी झांकी, वेंकटेश भगवान की झांकी, श्रीनाथजी की झांकी, नरसिंह भगवान की झांकी, श्री राम लाल के दर्शन, श्री राम मंदिर अयोध्या के दर्शन, राधा कृष्ण रासलीला दर्शन, शिव तांडव झांकी, बाहुबली शंकर जी, बाहुबली हनुमान जी, अघोरी नृत्य, शेर नृत्य बधाई, नृत्य, उज्जैन इस्कॉन मंदिर से पधारे केशव प्रभु संकीर्तन करते हुए पीछे पालकी जी चलेगी इसके अलावा विभिन्न झांकियां के अद्भुत दर्शन करने का लाभ मिलेगा श्री नरसिंह हिंदू संगठन ने समस्त धर्म प्रेमी जनता से अपील की है की अधिक से अधिक संख्या में पधार कर कार्यक्रम को भव्य सफल बनाऐ। वही नरसिंह हिंदू संगठन घर-घर आमंत्रण पत्र देने पहुंच रहे है । विशेष रूप से निखिल जोशी, विक्रम पटेल, जीत सेन, राजकुमार रैकवार, प्रिंस चौरसिया, आर्यन सिंह ठाकुर, आदित्य मालवीय, आदित्य चडार, हरि मौजूद थे।

शिक्षा के अभाव में कोई भी छात्रा न रहे वंचित : नपाध्यक्ष लता सकवार

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

स्कूल चले अभियान के अंतर्गत दूसरे दिन भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बीना में संपन्न हुआ जहां मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार ने कहा कि शिक्षा के अभाव में कोई भी छात्रा वंचित नहीं रहे इसके लिए मध्य प्रदेश सरकार लगातार छात्रों के हित में कार्य कर रही है शिक्षा ही समाज और राष्ट्र की उन्नति की आधारशिला है। स्कूल चले हम अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक बच्चों को स्कूल से जोड़कर, उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में छात्राओं को पुस्तके भी वितरण की गई।कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा जिला मंत्री भूपेन्द्र राय ने भी अपना संबोधन देते हुए छात्राओं से अपने भविष्य संवारने हेतु लक्ष्य तय करने की बात कही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नवीन साहू,डब्बू लखेरा रोशन रजक , स्कूल प्राचार्य वीपी प्रजापति, केके जैन, साहू सर सरला मिश्रा , अजय ठाकुर उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया उल्दन बांध परियोजना का निरीक्षण

प्रभावित ग्रामों में पुनः करे सर्वे, तीन-तीन दिन लगाएं शिविर

सत्ता सुधार ■ बंडा(सागर)

कलेक्टर संदीप जी आर ने पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल सहित अन्य अधिकारियों के साथ उल्दन बांध परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि प्रभावित ग्रामों में पुनः सर्वे कार्य कराएं साथ ही प्रभावित ग्रामों में तीन-तीन दिन शिविर लगाए, जिसमें बैंकर्स एवं सभी राजस्व अधिकारी मौजूद रहें। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक के वी, एसडीएम बंडा रवीश श्रीवास्तव, एसडीएम शाहगढ़ नवीन सिंह ठाकुर, जल संसाधन विभाग के अनिरुद्ध आनंद सहित तहसीलदार एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर संदीप जी आर ने बंडा में निर्माणाधीन उल्दन बांध परियोजना का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि उल्दन बांध परियोजना का कार्य शीघ्रता से गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। परियोजना के समय-सीमा में पूर्ण होने से किसानों को सिंचाई हेतु जल उपलब्ध हो जिससे फसलों का उत्पादन एवं रकवा बढ़ सके। उन्होंने कहा कि परियोजना प्रारंभ होने से जहां किसानों की आय बढ़ेगी वही बंडा सहित अन्य आसपास के क्षेत्र में शुद्ध पेयजल भी उपलब्ध होगा।

कलेक्टर ने ग्राम वासियों के बीच लगाई चौपाल

कलेक्टर संदीप जी आर ने निरीक्षण के दौरान परियोजना से प्रभावित हो रहे ग्रामवासियों के बीच चौपाल लगाई। उन्होंने कहा कि आप सभी की समस्याओं का निराकरण करने के लिए ग्राम में राजस्व अधिकारी, बैंकर्स का तीन-तीन दिन के लिए शिविर लगाया जाएगा, जिसमें सभी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आप सभी शासन के निर्देशों का पालन करें आपको शासन के निर्देशों के अनुसार ही मुआवजा देने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि आपको विस्थापन के लिए ग्राम पनारी में सर्व सुविधायुक्त कॉलोनी तैयार की जा रही है जिसमें सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होगी। कलेक्टर ने प्रभावित ग्राम बहरोल, कुल्ल में ग्राम वासियों की समस्याओं को सुना एवं उनके निराकरण करने की निर्देश दिए।जल संसाधन विभाग के अनिरुद्ध आनंद ने बताया कि परियोजना से 28 ग्रामों की कुल 80 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी, यह परियोजना 2026 तक पूरी होगी।

लोकार्पण ललोई में नवनिर्मित सीसी रोड का लोकार्पण किया, मालथौन किला प्रांगण में माता रानी को छप्पन भोग अर्पित किया

गरीबों की सेवा करना भगवान की सेवा करने के समान है : अविराज सिंह

सत्ता सुधार ■ मालथौन(सागर)

गुरुवार को भाजपा युवा नेता अविराज सिंह ने राज बाबा मंदिर से मुख्य मार्ग तक नवनिर्मित सीसी रोड का लोकार्पण किया। इसके पश्चात युवा नेता अविराज सिंह ने मालथौन के किला प्रांगण स्थित महाकाली मंदिर में माता रानी को छप्पन भोग अर्पण किया। उन्होंने उपस्थित भक्तजनों के साथ माता रानी की आरती कर क्षेत्रवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और कल्याण की माता रानी से प्रार्थना की।

रजबाबा मंदिर प्रांगण में आयोजित सीसी रोड के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा युवा नेता अविराज सिंह ने कहा कि, ग्राम ललोई में अकेले आपके भूपेन्द्र भैया के प्रयास से 3 करोड़ 54 लाख के विकास कार्य हुए है। और मुझे यह भी बोलते हुए खुशी हो रही है, ऐसे विकास कार्य जिनकी सभी को आज से यह उम्मीद थी, चाहे हाईस्कूल की बाउण्ड्री बाल हो, नये स्कूल का भवन हो, ऐसे विकास कार्य ललोई में निरंतर होते रहेंगे। इसी के साथ सभी समाज के अनेकों सामुदायिक भवनों, मंदिरो का निर्माण अपनी विधानसभा में हुआ है। अपनी विधानसभा में देश में 55 हजार आवासों का निर्माण हो चुका है, 60 हजार बहनें लाड़ली बहना योजना का लाभ ले रही है, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत 2013 से आज की तारीख तक 2 हजार शादियां हो चुकी है। 16 अप्रैल 2025 को भूपेन्द्र भैया पुनः मुख्यमंत्री कन्यादान योजनातर्गत खुरई विधानसभा में विवाह आयोजित करा रहे है। जिसके फार्म आप भर सकते है, और अपने बच्चों के विवाह करा सकते है। उन्होंने कहा कि जितना विकास अपनी विधानसभा में 50 वर्षो में नहीं हुआ उतना विकास 10 वर्षो में आपके भूपेन्द्र भैया ने करके दिखाया है और इस विकास की सोच को भी अपनी विधानसभा में बढ़ाया है। और जब मैं बड़े विकास कार्यो की बात करना हूँ,तो बीना नदी सिचाई परियोजना का पानी अगले वर्ष सबके खेतों और खलिहानों तक पहुँच जाएगा। अपनी विधानसभा मप्र की कुछ विधानसभाओं में से एक होगी जहां पर सिचाई की 100 प्रतिशत व्यवस्था होगी। और इसी के साथ पीने का अच्छा पानी आपको मिलेगा।

उन्होंने कहा कि जिस दिन इस राष्ट्र में, राष्ट्र के पद से नागरिक में सेवा भाव स्थापति हो जाएगा तो उस भारत अपने आप विश्व गुरू बन जाएगा। जब संस्कृति के बारे में बात होती है तो देश के सबसे बड़े महोत्सव में से एक डोहेला महोत्सव अपनी खुरई विधानसभा में आयोजित होता है। जिसमें देश के जाने माने कलाकार अपनी प्रस्तुति देते है। स्वामी विवेकानंद जी ने बोला था कि गरीबों की सेवा करना ईश्वर की सेवा करने के समान है। हम ऐसे धर्म का हम हिस्सा है जिसमे हर चीज वृक्ष, आकाश, धरती, जल, वायु, अग्नि पूज्य है, इसी के साथ सबसे बड़ी पूजा जो अपने धर्म में मानी गई है वह है जनसेवा और गरीबों की सेवा मानी गई है। इसलिए हमें जनसेवा करनी चाहिए।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष बुंदेल सिंह बुंदेला, मण्डल अध्यक्ष नीतीश यादव, बादल सिंह, राजकुमार रिछारिया, संदीप वैध, गजेन्द्र सिंह, बंटी पिठौरिया, प्रान सिंह ठाकुर, राजकुमार अहिरवार, निरंजन सिंह ठाकुर, सचिन गुप्ता सहित भाजपा के वरिष्ठ नेतागण, पदाधिकारीगण, भाजपा नेता, युवा नेता सहित श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

विश्व मुक्केबाजी कप में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा, मनीष-हितेश और अविनाश सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के मनीष राठौड़, हितेश और अविनाश जामवाल ने बीते दिन को अपने-अपने वजन वर्ग में आसान जीत के साथ विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 में सेमीफाइनल में जगह बनाई। जामवाल ने 65 किग्रा वर्ग में जर्मनी के डेनिस ब्रिल को सर्वसम्मत फैसले से हराया जबकि हितेश ने इटली के गैब्रिएल गुइडी रोनतानी को 70 किग्रा वर्ग में सर्वसम्मत फैसले से शिकस्त दी। मनीष ने 55 किग्रा वर्ग में ऑस्ट्रेलिया के पेरिस ओलंपियन यूसुफ चोटिया को हराया। दोनों मुक्केबाजों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन अंत में भारतीय मुक्केबाज विजयी रहा। तीन जज ने मनीष के पक्ष में फैसला दिया जबकि दो ने दोनों मुक्केबाजों को बराबर अंक दिए सेमीफाइनल में मनीष की भिड़ंत कजाखस्तान के नूरसुल्तान अल्तिनबेक से होगी जबकि हितेश को माकन तराओरे के खिलाफ खेलना है। जामवाल का सामना इटली के जियानलुइगी मलांगा से होगा।

एमसीए ने टी20 मुंबई लीग सीजन 3 के लिए खिलाड़ियों का पंजीकरण शुरू किया

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने गुरुवार को टी20 मुंबई लीग के तीसरे सीजन के लिए खिलाड़ियों का पंजीकरण शुरू कर दिया है। इस लीग में मुंबई के अलग-अलग इलाकों की आठ टीमें हिस्सा लेंगी और इसका तीसरा संस्करण 27 मई से शुरू होगा। एमसीए में पंजीकृत 16 साल से अधिक उम्र के सभी खिलाड़ी इसमें अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। पंजीकरण की प्रक्रिया एमसीए की आधिकारिक वेबसाइट पर 10 अप्रैल तक खुली रहेगी। एमसीए के सचिव अभय हदप ने कहा, यह खिलाड़ियों के लिए अपने हुनर को दिखाने का बेहतरीन मौका है। इस लीग से कई बड़े क्रिकेटर उभरकर सामने आए हैं, और हम चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी इस मंच का फायदा उठाएं। टी20 मुंबई लीग शहर के क्रिकेटरों के लिए एक मजबूत आधार रहा है, और इस बार प्रतियोगिता और भी रोमांचक होने वाली है। हमें नई प्रतिभाओं के उभरने का इंतजार है।

द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता रमन सुब्रमण्यम सहित पांच कोच करेंगे पदार्पण

अहमदाबाद। द्रोणाचार्य पुरस्कार जीतने वाले रमन सुब्रमण्यन, जर्मनी के जाने-माने कोच क्रिस फिफर (जिन्होंने शरथ कमल और मनिका बत्रा जैसे बड़े खिलाड़ियों को ट्रेन किया है), सीनियर कोच पावेल रेहोरेक और जूलियन गिरार्ड, और भारत के पहले नंबर के खिलाड़ी रह चुके जुबिन कुमार पहली बार अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के छठे सीजन में कोचिंग करते हुए दिखेंगे। ये सभी यूटीटी में कोचिंग डेब्यू करेंगे। इस बार पहली बार टीमों को अपनी पसंद के कोच चुनने की आजादी दी गई है। पहले उन्हें 'कोच ड्राफ्ट' के जरिए कोच चुनना पड़ता था।

5 अप्रैल को होने वाले मुकाबलों की सभी टिकटें बिकीं

किंग्स और रॉयल्स के बीच मुकाबले से पहले हाउस फुल, मुल्लांपुर में बरसेंगे चौके-छक्के

एजेंसी ■ चंडीगढ़

लगातार दो मुकाबले जीतने के बाद पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों के हौसले बुलंद हैं। अब किंग्स की बारी अपने होम ग्राउंड पीसीए स्टेडियम मुल्लांपुर में दहाड़ने की है। यहां पर पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच 5 अप्रैल को मुकाबला होगा। पंजाब किंग्स ने पहले मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 74 रन से हराया। वहीं, बीते दिन को दूसरे मुकाबले में लखनऊ सुपर जायट्स को आठ विकेट से हराकर जलवा दिखा दिया। पंजाब किंग्स की टीम बुधवार देर शाम शहर पहुंच गई। वीरवार को टीम मुल्लांपुर स्टेडियम में अभ्यास सत्र में हिस्सा लेगी। वहीं, राजस्थान की टीम वीरवार को शहर पहुंच जाएगी और दोनों टीमें अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगी।

नए कप्तान श्रेयस अय्यर दिखा चुके हैं तेवर

पंजाब किंग्स ने 18वें सीजन के लिए इस बार नए कप्तान और नए कोच का दामन थामा है। कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर हेड कोच के तार पर रिकी पोटिंग ने मोर्चा संभाला है। श्रेयस अय्यर टीम प्रबंधन के फैसले पर खरे उतर है। उन्होंने पहले मैच में गुजरात टाइट्ंस के खिलाफ नाबाद 97 रनों की पारी खेली थी। मंगलवार को भी लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच विजेता अर्धशतकीय पारी खेल चुके हैं।

5 अप्रैल को होने वाले मुकाबलों की सभी टिकटें बिकीं

मुल्लांपुर में 5 अप्रैल को होने वाले मुकाबले के सभी टिकटें बिक चुकी हैं। अपर टियर की टिकट का मूल्य 1250 रुपये रखा गया था। जनरल टैरेस ब्लॉक की टिकटों की कीमत 1750 रुपये और हॉस्पिटैलिटी लॉन्ज टिकटों की न्यूनतम कीमत 6500 रुपये वाली टिकट रखी गई थी।

टिकट लेते हुए प्रशंसकों में खुशी

आईपीएल की टिकटें ऑनलाइन रखी गई हैं। बुकिंगके बाद शहर में विभिन्न जगहों पर काउंटर बनाए गए हैं। यहां पर क्रिकेट प्रशंसक बुकिंग नंबर दिखाकर अपना टिकट हासिल कर रहे हैं। ऐसा ही एक काउंटर सेक्टर-20 की साई ट्राफी एंड स्पोर्ट्स शॉप पर है। यहां पर क्रिकेट प्रशंसक टिकट लेकर खुश दिखाई दिए।

भारत दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों का सह आयोजक, योग और शतरंज में करेगा अगुआई

संयुक्त राष्ट्र खेल अप्रैल-मई 2025 में आयोजित किए जाएंगे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत खेलों के माध्यम से कूटनीति और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों का सह आयोजक है जिसमें वह योग और शतरंज जैसे खेलों में अगुवाई करेगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथनेनी हरीश ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। सह आयोजक के रूप में, भारत शतरंज और योग में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

हरीश ने कह कि संयुक्त राष्ट्र खेल एकता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना का उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि अगली बार इन खेलों में क्रिकेट को भी शामिल किया जाएगा मैं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देता हूं। भारतीय टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं। संयुक्त राष्ट्र खेल अप्रैल-मई 2025 में आयोजित किए जाएंगे। योग नौ अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में नॉर्थ लॉन के रोज़ गार्डन में, जबकि शतरंज भी उसी दिन नॉर्थ लॉन के ओलंपिक कॉर्नर में आयोजित किया जाएगा। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जून, 2023 को नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर

विशाल नॉर्थ लॉन में एक ऐतिहासिक योग सत्र का नेतृत्व किया था। हरीश ने कहा कि हालांकि हर कोई सक्रिय खिलाड़ी नहीं हो सकता है, लेकिन राजनयिक समुदाय के अधिकतर सदस्य उत्साही प्रशंसक हैं। लोग अलग-अलग टीमों के समर्थक हो सकते हैं, लेकिन खेल उन्हें एकजुट करते हैं। उन्होंने कहा कि एक अरब से अधिक भारतीयों की तरह वह भी क्रिकेट प्रेमी हैं और उम्मीद जताई के अगली बार संयुक्त राष्ट्र खेलों में क्रिकेट भी शामिल होगा। हरीश ने कहा कि योग और शतरंज में आगे बढ़ना भारत के लिए सौभाग्य की बात है, जैसा कि पिछले साल हुआ था। उन्होंने कहा, 2014 में रिकॉर्ड संख्या में सदस्य देशों के सह-प्रायोजन के साथ 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाने के बाद से, योग दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए जीवन का एक तरीका बन गया है। हरीश ने कहा, जहां तक शतरंज का सवाल है तो भारत ने सदियों पहले इस खेल को अपना दिया था। वर्तमान समय में शतरंज की दुनिया में भारत के युवा खिलाड़ियों का दबदबा है जो रिकॉर्ड तोड़कर और वैश्विक चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच रहे हैं। पिछले साल भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश विश्व शतरंज चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को हराकर 18 साल में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने थे।

भारतीय दूत ने विश्वास जताया कि मित्रता और सौहार्द की भावना क्षेत्र के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए पेशेवर और कार्यात्मक आचरण में भी दिखाई देगी। संयुक्त राष्ट्र खेल सितंबर 2024 के संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र खेल और खेल के माध्यम से शांति और बेहतर दुनिया को बढ़ावा देने वाले अन्य प्रस्तावों पर आधारित हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा, उद्घाटन संस्करण की तरह संयुक्त राष्ट्र खेल 2025 खेलों के माध्यम से सौहार्द, कूटनीति और सहयोग को बढ़ावा देना जारी रखेंगे। संयुक्त राष्ट्र खेल 2025 का उद्घाटन समारोह बीते दिन को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित किया गया। इन खेलों में फुटबॉल, बास्केटबॉल, पिकलबॉल, वॉलीबॉल, टेनिस, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, योग, शतरंज और दौड़ शामिल हैं। तुर्कमेनिस्तान संयुक्त राष्ट्र खेल आयोजन समिति का अध्यक्ष है।

पंजाब किंग्स धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में सात दिन करेगी नेट प्रैक्टिस

दिल्ली कैपिटल्स की टीम 6 मई को धर्मशाला आएगी

एजेंसी ■ धर्मशाला

आईपीएल सीजन-2025 में होने वाले आईपीएल मैचों के दौरान पंजाब किंग्स की टीम 11 दिन धर्मशाला में ठहरेगी। इस दौरान तीन मैच खेलेगी और मैचों के बीच सात दिन अभ्यास कर मैदान और पिच के मिजाज को भी जानेगी। पंजाब की टीम अपने दूसरे होम ग्राउंड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 4 मई को लखनऊ के साथ होने वाले मैच के लिए पहली मई को पहुंच जाएगी। दो दिन धर्मशाला में अभ्यास करने के बाद 4 मई को पंजाब की टीम आईपीएल का मैच खेलेगी। लखनऊ की टीम 4 मई को होने वाले मैच से दो दिन पूर्व ही धर्मशाला आएगी। धर्मशाला में पंजाब किंग्स से मुकाबले से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम 27 अप्रैल को मुंबई में मुंबई से मैच खेलेगी। इसके बाद वह कुछ दिन आराम करने के बाद दो मई को धर्मशाला आएगी। 3 मई को अभ्यास करने के बाद लखनऊ की टीम 4 मई को मैच खेलेगी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम 6 मई को धर्मशाला आएगी, जो 7 मई को अभ्यास करने के बाद 8 मई को मैच खेलेगी।

इसके अलावा 11 मई को होने वाले मुकाबले के लिए मुंबई की 8 या 9 मई को धर्मशाला पहुंचेगी। इसके बाद अभ्यास करने के बाद 11 मई को मैच खेलेगी। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि धर्मशाला में होने वाले आईपीएल मैचों के लिए पंजाब की टीम सबसे पहले आएगी। टीम 11 दिन धर्मशाला में रुकेगी। अभी टीमों के अभ्यास का शेड्यूल जारी नहीं हुआ है। उम्मीद है कि मैचों के बीच पंजाब की टीम सात दिन अभ्यास करेगी। बाकी टीमें एक या दो दिन अभ्यास के बाद मैच खेलेंगी।

दिसंबर में साउथ अफ्रीका और भारत का मुकाबला, वेस्टइंडीज से भी भिड़ेगी टीम इंडिया

गुवाहाटी को पहली बार टेस्ट क्रिकेट की मेजबानी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

टीम इंडिया की मेंस टीम अक्टूबर से दिसंबर के बीच वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका से सीरीज खेलेगी। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम को पहली बार टेस्ट की मेजबानी मिली। यहां साउथ अफ्रीका से भारत का मुकाबला होगा। इस दौरान मोहाली के मुल्लांपुर में बने स्टेडियम में पहली बार कोई मेंस इंटरनेशनल मैच भी खेला जाएगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 2 टेस्ट की सीरीज अक्टूबर में होगी। जबकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज नवंबर-दिसंबर में खेलेगी। इस बीच टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया जाकर 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज भी खेलेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद और कोलकाता में 2 टेस्ट: टीम इंडिया का होम सीजन वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज से शुरू होगा। 2 अक्टूबर से दोनों टीमों के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पहला टेस्ट खेला जाएगा। 10 अक्टूबर से फिर कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में दूसरा टेस्ट शुरू होगा।

भारत में खेलेंगे रिवाल्डो-फिगो और जावी-पेपे, मैच के लिए रियल मैड्रिड-बार्सिलोना की टीम घोषित

एजेंसी ■ मुंबई

दुनियाभर में फुटबॉल का क्रेज है। भारत में भी इसके फैंस कम नहीं हैं। जब फीफा विश्व कप या फिर यूरो कप या फिर कोपा अमेरिका जैसे टूर्नामेंट्स खेले जाते हैं तो भारतीय फैंस में इसकी खूब दिवानगी देखी जाती है। इसके अलावा यूएफा चैंपियंस लीग, बुंदेसलिगा, लीग-1, ला लिगा जैसे कई लीग टूर्नामेंट्स को भी भारतीय फैंस रुचि के साथ देखते हैं। इसी कड़ी में भारतीय फैंस का एक सपना सच होने जा रहा है। वह रविवार को रिवाल्डो, कार्लोस पुयोल, लुई फिगो, पेपे और जावी जैसे फुटबॉल के दिग्गजों को अपने आंखों के सामने खेलते देख पाएंगे। ये सभी रियल मैड्रिड और बार्सिलोना के बीच मुकाबला खेलने भारत आ रहे हैं। यह मैच मुंबई में खेला जाएगा। जी हां, अपनी तरह के इस विशेष मुकाबले में स्पैनिश लीग के दो चिर प्रतिद्वंद्वी एफसी बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड डीवाई

पाटिल स्टेडियम में आमने-सामने होंगे। कार्लोस पुयोल इस लीजेंड्स फेसऑफ फुटबॉल मैच में लुई फिगो की रियाल मैड्रिड के खिलाफ एफसी बार्सिलोना का नेतृत्व करेंगे। द स्पोर्ट्स फ्रंट इस मैच का आयोजक है। इसके लिए दोनों ही टीमों ने बीते दिन को टीम घोषित कर दी। पुयोल ने जारी विज्ञप्ति में कहा, लीजेंड्स फेसऑफ अपनी तरह का विशेष मुकाबला होगा। मैं पहली बार भारत में खेलने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। यहां प्रशंसकों का जुनून अविश्वसनीय है, और मैं इसे प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

टूर्नामेंट

फेडरेशन कप के लिए खेलना होगा क्षेत्रीय टूर्नामेंट, क्या नीरज चोपड़ा पर भी लागू होगा नया नियम

फेडरेशन कप का आयोजन 21-24 अप्रैल तक केरल के कोच्चि में किया जाएगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) नया नियम लेकर आया है। उसने कहा है कि 2025 सत्र की पहली राष्ट्रीय चैंपियनशिप फेडरेशन कप में भाग लेने के लिए एथलीटों को कम से कम एक क्षेत्रीय प्रतियोगिता या ग्रां प्री जैसी देशव्यापी एक दिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेना होगा। एएफआई ने तत्काल प्रभाव से इस नियम को अनिवार्य कर दिया है। ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है कि एथलीट पूरी तैयारी के साथ टूर्नामेंट में हिस्सा लें ताकि उनके प्रदर्शन में निरंतरता आए। 27-31 मई तक कोरिया में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का चयन फेडरेशन कप में प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। फेडरेशन कप का आयोजन 21-24 अप्रैल तक केरल के कोच्चि में किया जाएगा।

नीरज चोपड़ा को मिलेगी छूट: हालांकि, एएफआई द्वारा प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजे गए दोहरे ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक

खिलाड़ी नीरज चोपड़ा जैसे खिलाड़ियों को इस नियम से छूट दी जाएगी। एएफआई ने कहा, %इस प्रतियोगिता (फेडरेशन कप) में भाग लेने के लिए एथलीटों को वर्ष 2025 में एएफआई द्वारा स्वयं आयोजित की जानी वाली प्रतियोगिताओं के क्वालिफिकेशन प्रवेश मानकों को हासिल करना होगा।

पुराने प्रदर्शन को स्वीकार नहीं किया जाएगा: उन्होंने कहा, एथलीटों के लिए 2025 में कम से कम एक क्षेत्रीय प्रतियोगिता या चौथे इंडियन ओपन थ्रो/चौथे इंडियन ओपन जंप/छठे इंडियन ओपन 400 मीटर/इंडियन ग्रां प्री में भाग लेना अनिवार्य है। एएफआई ने कहा, एथलीट्स को यह ध्यान देना होगा कि 2025 के प्रदर्शन पर ही विचार किया जाएगा और कोई भी पुराना प्रदर्शन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नीरज फिलहाल तुर्किये में कर रहे ट्रेनिंग

अभी तुर्किये में ट्रेनिंग कर रहे नीरज ने आश्चर्यजनक रूप से पिछले साल भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में भाग लिया था, लेकिन अभी यह पता नहीं चला है कि वह इस साल किसी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे या नहीं। वह तब 2021 सत्र के बाद पहली बार किसी घरेलू प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे। एएफआई अधिकारी ने कहा, नीरज इस साल किसी घरेलू प्रतियोगिता में भाग लेंगे या नहीं, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है।

कब होगा वैश्विक भाला फेंक प्रतियोगिता: जनवरी में यह घोषणा की गई थी कि भारत मई में स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली एक वैश्विक भाला फेंक प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा जिसमें टूर्नामेंट की आयोजन टीम में नीरज चोपड़ा भी शामिल होंगे। इस प्रतियोगिता को विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सबेस्टियन को का समर्थन मिला है, लेकिन तब से आयोजन की तारीख और स्थल के बारे में कोई अपडेट नहीं है।

इंडिया और इंडिया-ए का प्रैक्टिस मैच टेलीकास्ट नहीं होगा, 13 जून को हो सकता है मुकाबला

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम, इंडिया-ए के खिलाफ इंग्लैंड के बेकेनहैम में बिना ब्रॉडकास्टिंग के अभ्यास मैच खेलेगी। यह मैच लाइव टेलीकास्ट नहीं होगा। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक 5 टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी के लिए लंदन के पास मौजूद बेकेनहैम ग्राउंड का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे पहले, इंट्रा-स्क्वॉड मैच के टेलीकास्ट करने पर चर्चा हुई थी। हालांकि, इस प्रस्ताव को संबंधित अधिकारियों से मंजूरी नहीं मिली। भारतीय टीम ने मैच को ऑफ कैमरा खेलने के लिए कहा है।

दैनिक सत्ता सुधार
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

बरेली। सिर्फ ट्रेनों की चाल ही नहीं, रेलवे में अन्य कामकाज की गति भी धीमी है। 22490/89 मेरठ-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस को चार माह बाद भी अयोध्या होते हुए वाराणसी तक विस्तार का इंतजार है। घाटे में चल रही इस ट्रेन को दिसंबर 2024 में वाराणसी तक विस्तार की मंजूरी मिल चुकी है।

- निकायों ने किया 44.5 फीसदी इजाफा
- अब बढ़ी बेहतर सुविधाओं की उम्मीद

लखनऊ के राजस्व में उछाल

लखनऊ ,कानपुर और गाजियाबाद ने प्रमुख योगदान दिया

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

मथुरा झांसी और गाजियाबाद का वृद्धि में शानदार प्रदर्शन

बीते वित्तीय वर्ष में शहरी स्थानीय निकायों ने 44.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 5568 करोड़ रुपए का राजस्व संग्रह किया है, जबकि शहरी विकास विभाग के तहत 17 प्रमुख नगर निगमों ने संयुक्त रूप से 4,140 करोड़ रुपए के वार्षिक लक्ष्य के मुकाबले 4,586 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया, जो 11 प्रतिशत अधिक है। कुल राजस्व में लखनऊ ने सबसे बड़ा योगदान दिया है। इस उछाल को निकायों के आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का संकेत माना जा रहा है और बेहतर सुविधाओं की उम्मीद भी जाग रही है। प्रदेश के सभी 17 नगर निगमों का संयुक्त राजस्व वर्ष 2023-24 में 3,140 करोड़ रुपए था, जो वर्ष 2024-25 में 4,586 करोड़ हो गया। कर राजस्व 2,235.48 करोड़ से 28 प्रतिशत बढ़कर 2,870.4 करोड़ पर पहुंचा। गैर-कर राजस्व में भी सबसे ज्यादा वृद्धि हुई। यह 904.73 करोड़ से 90 प्रतिशत बढ़कर 1,715.27 करोड़ रुपए हो गया। कुल राजस्व में लखनऊ ने 1,355.32 करोड़, कानपुर ने 720.62 करोड़ और गाजियाबाद 609.89 करोड़ रुपए का योगदान किया।

मुरादाबाद निकला फिसड्डी

वहीं, प्रतिशत वृद्धि में मथुरा सबसे आगे रहा। मथुरा ने 106 प्रतिशत, झांसी ने 85 प्रतिशत और गाजियाबाद ने 72 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। नगर निगमों में गाजियाबाद ने 336 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। गैर कर राजस्व में 29 प्रतिशत की कमी के साथ मुरादाबाद सबसे फिसड्डी रहा।

मिलेंगी बेहतर सेवाएं

शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने बताया कि राजस्व संग्रह में वृद्धि शहरी स्थानीय निकायों में किए गए रणनीतिक बदलावों और डिजिटल कदमों का परिणाम है। सभी 762 शहरी स्थानीय निकायों में बीते चार वर्षों से राजस्व संग्रह में लगातार वृद्धि हो रही है। अधिक राजस्व मिलने से नगरीय निकाय आत्मनिर्भर बन रहे हैं, जिससे बेहतर नागरिक सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी।

चार साल में 123 फीसदी वृद्धि- चार वर्ष में 123 प्रतिशत की वृद्धि नगर विकास विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021-22 में कुल राजस्व 2,494.42 करोड़ रुपए रहा था। वर्ष 2022-23 के दौरान यह 2,915.01 करोड़ पहुंचा था। इसके बाद वर्ष 2023-24 में 3,853.23 करोड़ रुपए और बीते वर्ष में 5,568 करोड़ रहा। इस हिसाब से चार वर्षों में 123 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

जीपीएस युक्त वाहनों से ही होगा शराब का परिवहन

बोतलों पर होगा हाई सिक्योरिटी बार कोड

इधर, यूपी सरकार के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में अब जीपीएस युक्त वाहनों से ही मदिरा का परिवहन होगा और आबकारी लाइसेंस्ड परिसरों की जियो फेसिंग की जाएगी साथ ही बोतलों एवं पेटियों पर हाई सिक्योरिटी बार कोड और क्यूआर कोड होगा। मंत्री नितिन अग्रवाल गुरुवार को मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग की कार्य प्रणाली में सुधार एवं कर चोरी रोकने के लिए कार्यवाही की गई है। विभाग में कार्रवाही के लिए सीसीटीवी कैमरा एवं इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल से इंटीग्रेशन किया गया है। मदिरा एवं स्प्रिट टैंकरों में डिजिटल लॉकिंग की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि मास फ्लो मीटर, रडार बेस्ड लेवल सेंटर एवं बॉटलिंग सेंटर बनाए जाएंगे। डिस्टलरीज में डिजिटल अल्कोहल मीटर का उपयोग किया जाएगा और प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाई जाएगी।

ब्रीफ न्यूज

जल्द आएगा ज्ञानवापी पर फैसला, मंदिर बनाने की तैयारी करिए...

वाराणसी। सुप्रीम कोर्ट के शासकीय अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि ज्ञानवापी से बाबा विश्वेश्वर महादेव की मुक्ति का समय जल्द आने वाला है। न्यायालय में चल रही कार्रवाई अब परिणाम की ओर है। एएसआई की जांच में तथाकथित फव्वारा शिवलिंग ही निकलेगा। न्यायालय अपना निर्णय समय से देगा, लेकिन बाबा के भक्तों को आदि विश्वेश्वर महादेव के अष्ट कोणीय भव्य मंदिर बनाने के लिए तैयारी अभी से शुरू कर देनी चाहिए। ताकि निर्णय आने के तुरंत बाद ही भव्य मंदिर का निर्माण शुरू किया जा सके। लक्सा स्थित मारवाड़ी भवन में इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की ओर से आयोजित वर्तमान में राष्ट्र के समक्ष आ रही चुनौतियों एवं समाधान विषयक संगोष्ठी में उन्होंने कहा कि जिस दिन ज्ञानवापी की मुक्ति होगी, उस दिन इस देश समेत विश्व में हिंदू धर्म की संस्थापना की शुरुआत होगी। संगोष्ठी में मौजूद ज्ञानवापी शृंगार गौरी प्रकरण की वादी चारों महिलाओं लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास व रेखा पाठक की सराहना करते हुए उन्हें वीरांगना बताया। अध्यक्षता के दौरान आईआईए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरके चौधरी ने विष्णु शंकर जैन को महामानव की संज्ञा दी।

122 ट्रेनें रहेंगी निरस्त, 22 दिनों तक होगी परेशानी

गोरखपुर। गोरखपुर जंक्शन से गोरखपुर कैंट स्टेशन के बीच प्री व नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के लिए 12 अप्रैल से तीन मई तक 22 दिनों के लिए मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। यह पूर्वोत्तर रेलवे की ओर से लिया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा ब्लॉक है। इस अवधि में गोरखपुर जंक्शन पर यार्ड रिमॉडलिंग का काम भी होगा। इस अवधि में गोरखधाम और एलटीटी एक्सप्रेस समेत 122 ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इससे लखनऊ-दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, भोपाल, वाराणसी, प्रयागराज आदि की राह मुश्किल हो जाएगी। इन 22 दिनों तक यात्रियों को बड़ी परेशानी झेलनी पड़ेगी। हालांकि काम पूरा होने के बाद यहा तीन रेल लाइन होने से ट्रेनें सरपट दौड़ेंगी।

मथुरा दर्शन लिए आए परिवार की गाड़ी पर हमला

मथुरा। मथुरा के सदर थाना क्षेत्र स्थित टैंक चौराहा पर श्रद्धालुओं की गाड़ी एक स्थानीय युवक की गाड़ी से छू गई। इससे युवक आक्रोशित हो गया और उसने श्रद्धालुओं की गाड़ी का कांच तोड़ दिया। दिल्ली के पार्लियामेंट थाना क्षेत्र निवासी अभिषेक सिंह चौहान ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ मथुरा दर्शन लिए आए थे। गाड़ी उनका भाई चला रहा था। गाड़ी में पीछे मामी व दो बहनें बैठी हुई थीं। वह टैंक चौराहा पहुंचे, तभी एक युवक की गाड़ी से उनकी गाड़ी छू गई। इससे आक्रोशित युवक ने गाड़ी के कांच पर हाथ मारकर उसे तोड़ दिया। डर के कारण चालक ने गाड़ी को पुलिस लाइन की ओर भगा दिया। यहां एसपी सिटी कार्यालय के सामने पुलिसकर्मियों को देख गाड़ी रोकी। यहां पुनः युवक पहुंच गया और हाथापाई करने लगा तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया। सीओ सिटी भूषण वर्मा ने बताया कि पीड़ितों से तहरीर मांगी थी, लेकिन उन्होंने तहरीर नहीं दी। साथ ही वह कोई कार्रवाई भी करना नहीं चाहते थे।

हाइटेक होगा बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे

- ट्रैफिक और मौसम की मिलेगी सटीक जानकारी
- कवायदः यूपीडा ने एजेंसी के चयन को दी मंजूरी

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को हाइटेक एक्सप्रेसवे के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके तहत एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम बनेगा। यह ट्रैफिक सेंसर, कैमरे और मौसम स्टेशनों सहित विभिन्न स्रोतों से डाटा को एकीकृत कर सड़क नेटवर्क पर सेंट्रलाइज्ड ट्रैफिक प्रबंधन करेगा। इससे आपात स्थितियों पर तत्काल नियंत्रण, सटीक विश्लेषण और सड़क सुरक्षा में सुधार की तकनीक विकसित होगी। इसके लिए यूपीडा ने एजेंसी के चयन को मंजूरी दे दी है। दरअसल, यूपीडा सभी एक्सप्रेसवे को चरणबद्ध तरीके से अत्याधुनिक तकनीक से लैस कर रहा है। सिस्टम इस तरह विकसित किया जा रहा है जिसमें सुरक्षा और आपात स्थिति रियल टाइम जानकारी मिलेगी। इसी रणनीति के तहत एक्सप्रेसवे पर वाहनों की रफ्तार 100 किमी से बढ़ाकर 120 किमी की गई है। एटीएमएस से यातायात प्रवाह सुचारु, भीड़भाड़ कम करने, घटनाओं की निगरानी और ड्राइवरों की सुरक्षा बढ़ाने में मदद मिलेगी।

एटीएमएस से यह होगा फायदा- एटीएमएस सिस्टम आगे की सड़क पर यातायात की स्थिति की जानकारी भी देने में सक्षम है। एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र एटीएमएस का महत्वपूर्ण घटक है। यह सिस्टम सेंसर, कैमरे और मौसम स्टेशनों सहित विभिन्न स्रोतों से डाटा लेकर ट्रैफिक प्रबंधन के सेंट्रलाइज्ड केंद्र के रूप में काम करेगा। इस सिस्टम से घटनाओं का पता रियल टाइम में लग जाएगा और आपात स्थितियों में तुरंत मदद मिल सकेगी। इसके जरिये सुरक्षित यात्रा समय में कमी आएगी।

ड्राइवरों को अलर्ट भी करेगा सिस्टम

एटीएमएस के तहत ट्रैफिक कैमरों से बनने वाले लाइव वीडियो से विश्लेषण भी किया जा सकेगा ताकि वास्तविक समय में दुर्घटनाओं या ब्रेकडाउन जैसी घटनाओं का पता चल सके। लाइव वीडियो घटनाओं के वीडियो साक्ष्य भी देगा, जिसका इस्तेमाल घटना के बाद के विश्लेषण और जांच के लिए किया जा सकेगा। इलेक्ट्रॉनिक संकेतों के जरिये ड्राइवरों को अलर्ट कर उन्हें वैकल्पिक मार्गों की जानकारी दी जा सकेगी। उन्हें सड़क बंद होने या निर्माण की सूचना भी दी जा सकेगी। रडार और लेजर जैसी उन्नत तकनीक का उपयोग करके वाहनों की गति पर निगरानी रखी जा सकेगी।

लोहिया संस्थान में शुरू हुई रोबोटिक सर्जरी

200 मरीजों को निःशुल्क मिलेगी सुविधा

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में भी अब रोबोटिक सर्जरी का लाभ मिलने लगा है। संस्थान के यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट विभाग में दा विंची एक्सआई डबल कंसोल सिस्टम का उपयोग करके दो मरीजों की रोबोटिक सर्जरी की गई है। अभी तक रोबोटिक सर्जरी की सुविधा सिर्फ संजय गांधी पीजीआई में ही थी। लोहिया संस्थान में पहले 200 मरीजों की सर्जरी मुफ्त की जाएगी। यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट विभाग के अध्यक्ष डॉ. ईश्वर राम धायल ने बताया कि संस्थान में 200 मरीजों की रोबोटिक सर्जरी मुफ्त की जाएगी। ये वे मरीज हैं जिनको पहले से तारीख दी गई है। इसके बाद रोबोट का शुल्क निर्धारित किया जाएगा। बीते दिनों बाराबंकी निवासी 68 वर्षीय भगवती और अंबेडकर नगर निवासी 27 वर्षीय लक्ष्मी नारायण की रोबोटिक माध्यम से किडनी निकाली गई है। चिकित्सा विज्ञान में इसे नेफ्रोटिक सर्जरी कहा जाता है। दोनों मरीज अब बेहतर हैं। लोहिया संस्थान प्रशासन ने 28 करोड़ रुपए से रोबोट खरीदा है।

सना बन गई सानिया और अरमान बन गया अमित

देवबंद के परिवार ने 50 वर्ष बाद की घर वापसी

सत्ता सुधार ■ मुजफ्फरनगर

सहारनपुर के देवबंद के रहने वाले मुस्लिम परिवार के 10 सदस्यों ने करीब 50 साल बाद घर वापसी की। बघरा आश्रम में परिवार ने पूजा-अर्चना के बीच हिंदू धर्म अपना लिया। सना को सोनिया और अरमान को अमित नाम दिया गया। पीठाधीश्वर यशवीर महाराज ने कहा कि मजबूरी में परिवार ने इस्लाम धर्म स्वीकार किया था, अब यह परिवार दोबारा हिंदू बन गया है। गुरुवार को योग साधना यशवीर आश्रम बघरा में देवबंद के रहने वाले मुस्लिम परिवार के 10 सदस्यों का शुद्धिकरण यज्ञ किया गया। यशवीर महाराज ने बताया कि आश्रम में पहुंचकर ने घर वापसी की इच्छा जताई थी। आचार्य मृगेंद्र ब्रह्मचारीने वेद के पवित्र मंत्रों से शुद्धिकरण यज्ञ संपन्न कराया। परिवार ने श्रद्धा और आस्था के शुद्धिकरण यज्ञ में शामिल होकर सनातन धर्म में घर वापसी की।

यशवीर महाराज ने बताया कि परिवार के बड़े सदस्य 50 वर्ष पहले किसी कारणवश सनातन धर्म को छोड़कर इस्लाम मजहब में चले गए थे। ईद मनाते ही सनातन धर्म में घर वापसी करने का संकल्प कर सनातन धर्म में घर वापसी कर ली है। परिवार ने अपने इस्लामिक नाम त्याग दिए। परिवार की मुखिया राजकुमारी कश्यप और उनके बेटे बृजेश कश्यप परिवार के साथ पहुंचे थे।

इस तरह बदले नाम

पहला नाम	नया नाम
फैमिदा	राजकुमारी
रेशमा	पूजा
पलक	सविता
महक	कविता
दिलजान	बृजेश कश्यप
आलिया	पायल
सना	सोनिया
खुशनुमा	साधना
अरमान	अमित कश्यप
इस्लाम	विक्रम सिंह

अब स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल होगा ट्रैफिक का पाठ

सत्ता सुधार ■ कानपुर

बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों के पाठ्यक्रम में ट्रैफिक नियम का पाठ शामिल किया जाएगा। बेसिक स्कूलों में कक्षा आठ तक और माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा नौ से 12 तक की पढ़ाई होती है। छोटी उम्र से ही छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी देकर उन्हें जागरूक करने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। इसके लिए शासन की ओर से निर्देश भी जारी हो गए हैं। अभी तक विभिन्न जागरूकता रैलियों और कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी जाती रही है। यातायात नियमों की पढ़ाई को अनिवार्य पहली बार किया गया है। शासन की ओर से नए शिक्षण सत्र में इसका पाठ्यक्रम जोड़ने के निर्देश के बाद जिला प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इसके साथ ही स्कूल बस, वैन संचालकों व चालकों के लिए निर्देश भी जारी किए गए हैं। इसमें चालक, परिचालक की वर्दी, उनके कर्तव्य के बारे में बताया गया है। साथ ही ब्लैक स्पॉट पर सावधानियां बरतते हुए वाहनों की स्पीड 20 किमी प्रति घंटा रखने और ओवरटेक न करने की सलाह दी गई है। डीआईओएस अरुण कुमार ने बताया कि हादसों की रोकथाम के लिए छात्रों को यातायात के नियम सिखाए जाएंगे। इसलिए इसे पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

इसलिए पड़ रही जरूरत

हादसों और जान गंवाने वालों के मामले में कानपुर प्रदेश में सबसे आगे है। पांच साल में जिले में 6,792 हादसे हुए। इनमें 2,999 लोगों की जान गई और 4,860 लोग घायल हुए।

शासन ने जिला प्रशासन को जारी किए निर्देश

इनका कहना है...

ट्रैफिक पुलिस के कर्मी स्कूलों में ट्रैफिक नियमों की जानकारी देकर छात्रों को जागरूक कर रहे हैं। जिले में हो रहे हादसे रोकने के लिए जो भी निर्देश शासन ने जारी किए हैं, उनका पालन कराया जा रहा है।

-रविंद्र सिंह, डीसीपी ट्रैफिक

सबसे अधिक दुर्घटनाएं यातायात नियमों का पालन न करने से हुई हैं। 20 जिलों में सड़क हादसों में होने वाली मौतों का आंकड़ा 42 प्रतिशत पाया गया है। हरदोई, मथुरा, आगरा, लखनऊ, बुलंदशहर, कानपुर नगर, प्रयागराज, सीतापुर, उन्नाव, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, बरेली, अलीगढ़, गौतमबुद्धनगर, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कुशीनगर, बदायूं, मेरठ और बिजनौर शामिल हैं। इन जिलों से हाईवे, नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे निकल रहे हैं।

हादसे रोकने की बनाई गई रणनीति- लगातार हादसों में हो रही मौतों को देखते हुए शासन ने इन पर अंकुश लगाने की रणनीति तैयार की। शासन ने निर्देश जारी किया गया है कि जिले में हर महीने और मंडल स्तर पर हर तीन महीने में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक करें। जिलों में होने वाले हादसों की वजह पर चर्चा करें। इसकी रिपोर्ट हर महीने ट्रैफिक निदेशालय के जरिये शासन में भेजने के लिए कहा गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक गोपाल श्रीवास्तव, द्वारा मेसर्स डीबी कॉर्प लिमिटेड 10-11 सेक्टर बी इंडस्ट्रियल एरिया गोविंदपुरा भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं तृतीय तल, सी ब्लॉक, मानसरोवर काम्पलेक्स भोपाल से प्रकाशित। स्थानीय संपादक-अभिषेक शर्मा*, मोबाईल न. 6261052058, सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा। आर एन आई नम्बर-एमपीएचआईएन/2017/72467, मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, प्रतियां बुक कराने एवं एजेंसी लेने हेतु संपर्क करें-जाहिद हुसैन-9826278877, ई मेल- sattasudharbpl@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। 0755-4002626, 4939910